रजिस्टर्ड सं० डी० 222 REGISTERED No. D. 222

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 8] नई दिल्ली, शनिवार, फरवरी 23, 1974/फाल्गुन 4, 1895
No. 8] NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 23, 1974/PHALGUNA 4, 1895

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किये गये सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं

Statutory orders and notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)

मंत्रिमंडल सचिवालय
कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग

नई दिल्ली, 12 फरवरी, 1974

का० आ० 480.—दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1898 (1898 का 5) की धारा 492 की उप-धारा (1) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्द्वारा जिलाधीश, पुरी के न्यायालय में मामला आर० सी० 31/ई०/65-कलकत्ता के संबन्ध में अभियुक्त द्वारा दायर किए गए आपराधिक पुनरीक्षण का संचालन करने हेतु राज्य की ओर से श्री बी० बी० रथ, अधिवक्ता को लोक अभियोजक नियुक्त करती है।

[संख्या 225/108/73-ए०वी०डी०-2]

वी० सी० वंजानी, अवर सचिव

CABINET SECRETARIAT
(Department of Personnel & Administrative Reforms)

New Delhi, the 12th February, 1974

S.O. 480.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 492 of the Code of Criminal Procedure, 1898 (5 of 1898), the Central Government hereby appoints Shri B. B. Rath, Advocate, Cuttack as Public Prosecutor for representing the State in Criminal Revision filed by accused in case RC. 31/E/65-Calcutta, in the Court of District, Judge, Puri.

[No. 225/108/73-AVD. II]

B. C. VANJANI, Under Secy.

भारत निर्वाचन आयोग
आदेश

नई दिल्ली, 2 जनवरी, 1974

का. आ. 481.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1972 को हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए निर्वाचन के लिए 111-धरसीवा सभा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री शिवकुमार शर्मा, राजातालाब, रायपुर, जिला रायपुर (मध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं,

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री शिव कुमार शर्मा को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिये इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है।

[सं. म. प्र.-वि. स./111/72(31)]

139 G of I/73—1

ELECTION COMMISSION OF INDIA

ORDER

New Delhi, the 2nd January, 1974

S.O. 481.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Sheokumar Sharma, Rajatalab, Raipur, District Rajpur (Madhya Pradesh) who was a contesting candidate for election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly from 111-Dharsiwa constituency held in March, 1972 has failed to lodge an account of his election expenses in the manner required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Sheokumar Sharma to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/111/72(31)]

आदेश

नई दिल्ली, 22 जनवरी, 1974

का. आ. 482.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1972 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए निर्वाचन के लिए 41-पान्ना निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री राम सेवक, ग्राम सुन्दरा, पो. आ. भिलसैन, जिला पन्ना (म. प्र.), लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उनके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री राम सेवक को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है।

[सं. म.प्र.-वि.स./41/72(32)]

ORDER

New Delhi, the 22nd January, 1974

S.O. 482.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ram Sewak, Village Sundra, Post Bhilsain, District Panna (Madhya Pradesh) who was a contesting candidate for election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly from 41-Panna constituency held in March, 1972 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ram Sewak to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/41/72(32)]

आदेश

का. आ. 483.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1972 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए निर्वाचन के लिए 43- पवई निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री झुर्रा, ग्राम झरकुवां, पो. झरकुवां तहसील पन्ना, जिला पन्ना (म. प्र.), लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उनके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री झुर्रा को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है।

[सं. म. प्र.-वि. स./43/72(33)]

ORDER

S.O. 483.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Jhurra, Village Jharkua Post Jharkua, Tahsil Panna, District Panna (Madhya Pradesh) who was a contesting candidate for election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly from 43-Pawai constituency held in March, 1972 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951 and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Jhurra to be disqualified for being chosen as and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/43/72(33)]

आदेश

का. आ. 484.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1972 में मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए निर्वाचन के लिए 43- पवई निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री सुन्दर ग्राम पवई, तहसील पवई पो. आ. पवई, मकान नं. 806 जिला पन्ना (म. प्र.), लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उनके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री सुन्दर को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है।

[सं. म. प्र.-वि. स./43/72(34)]

ए. एन सैन, सचिव

ORDER

New Delhi, the 22nd January, 1974

S.O. 484.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Sunder, Village Pawai, Tahsil Pawai, P.O. Pawai, House No. 806, District Panna who was a contesting candidate for election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly from 43-Pawai constituency held in March, 1972 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Sunder to be disqualified for being chosen as, and for being, a members of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/43/72(34)]

A. N. SEN, Secy.

नई दिल्ली, 30 जनवरी, 1974

का. आ. 485.—लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 (1950 की 43) की धारा 13क की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निर्वाचन आयोग मेघालय सरकार के परामर्श से, श्री आर. नटराजन, सचिव मेघालय सरकार, निर्वाचन विभाग को 10 जनवरी, 1974 से, अगले आदेशों तक श्री टी काजी के स्थान पर मेघालय राज्य के मुख्य निर्वाचन आफीसर के रूप में एतद्द्वारा नाम निर्देशित करता है।

[सं. 154/मेघा./74]

बी. एन. भारद्वाज, सचिव

New Delhi, the 30th January, 1974

S.O. 485.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 13A of the Representation of the People Act, 1950 (43 of 1950), the Election Commission of India, in consultation with the Government of Meghalaya, hereby nominates Shri R. Natarajan, Secretary to the Government of Meghalaya, Election Department, as the Chief Electoral Officer for the State of Maghalaya with effect from the 10th January, 1974 and until further orders vice Shri T. Cajee.

[No. 154/MEG/74]

B. N. BHARDWAJ, Secy.

न्याय विधि तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय

(न्याय विभाग)

नई दिल्ली 6 फरवरी 1974

नोटिस

का०आ० 486—इसके द्वारा, लेख्य प्रमाणक नियम (नोटरीज रूल्स), 1956 के नियम 6 के अनुसार, सक्षम प्राधिकारी द्वारा सूचना दी जाती है कि उक्त प्राधिकारी को श्री बी० के० शाह, एडवोकेट मनसुख निवास, नानी छिपवाड़, बड़ौदा-6 के उक्त नियमों के नियम 4 के अधीन, बड़ौदा जिले में लेख्य प्रमाणक (नोटेरी) का काम करने की नियुक्ति के लिये आवेदन-पत्र भेजा है।

उक्त व्यक्ति की लेख्य प्रमाणक के रूप में नियुक्ति के बारे में यदि कोई आपत्तियां हों तो वे इस नोटिस के प्रकाशित होने के चौदह दिन के अन्दर नीचे हस्ताक्षर करने वाले को लिख कर भेज दिये जाये।

[संख्या 22/74/73—न्याय]

के० त्यागराजन सक्षम प्राधिकारी और उप सचिव,

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS

(Department of Justice)

New Delhi, the 6th February, 1974

NOTICE

S.O. 486.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Rules, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri B. K. Shah, Advocate, Mansukh Nivas, Nani Chhipwad, Baroda-6 for appointment as a Notary to practise in Baroda District.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 22/74/73-Jus.]

K. THYAGARAJAN, Competent Authority and Dy. Secy.

वित्त मंत्रालय

(राजस्व और बीमा विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 10 दिसम्बर, 1973

का. आ. 487.—केन्द्रीय सरकार, धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की धारा 12 क की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित व्यक्तियों को मूल्यांकन अधिकारी के रूप में नियुक्त करती है, अर्थात् :—

क्रम संख्या	व्यक्तियों का नाम
1.	श्री एस. वेंन्कटरामन
2.	श्री ओ. पी. गुप्त

[सं. 63/फा. सं. 328/63/73-ध. क. : (शेयर)]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue and Insurance)

ORDER

New Delhi, the 10th December, 1973

S.O. 487.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 12A of the Wealth-tax Act, 1957, (27 of 1957), the Central Government hereby appoints the following persons as Valuation Officers, namely :—

S. No.	Name of the persons
1.	Shri S. Venkataraman
2.	Shri O. P. Gupta.

[No. 63/F. No. 328/63/73-W.T. (Shares)]

आदेश

का. आ. 488.—केन्द्रीय सरकार, धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की धारा 12 क की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित व्यक्तियों को मूल्यांकन अधिकारी के रूप में नियुक्त करती है, अर्थात् :—

क्रम संख्या	व्यक्तियों के नाम
1.	श्री जे. एम. मेहरा

[सं. 69/फा. सं. 328/63/73-ध. क. : (संयन्त्र और मशीनरी)]

ORDER

S.O. 488.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 12A of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957), the Central Government hereby appoints the following person as Valuation Officer, namely :—

S. No.	Name of the person
1.	Shri J. M. Mehra.

[No. 69/F. No. 328/63/73-W.T. Plant & Machinery]

आदेश

नई दिल्ली, 10 दिसम्बर, 1973

का. आ. 489.—केन्द्रीय सरकार, धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की धारा 12 क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित व्यक्तियों को मूल्यांकन अधिकारी के रूप में नियुक्त करती है, अर्थात् :—

क्रम संख्या	व्यक्तियों के नाम
1.	श्री वी. एस. चिरमडे
2.	श्री मोहन सिंह
3.	श्री आर. एन. वझे

[सं. 70/फा. सं. 328/63/73-ध. क. (कृषि भूमि)]

ORDER

New Delhi, the 10th December, 1973

S.O. 489.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 12A of the Wealth-tax Act, 1957, (27 of 1957), the Central Government hereby appoints the following persons as Valuation Officers, namely :—

S. No.	Name of the persons
1.	Shri V. S. Chirmade
2.	Shri Mohan Singh
3.	Shri R. N. Vaze.

[No. 70/F. No. 328/63/73-W.T. (Agricultural lands)]

आदेश

नई दिल्ली, 11 जनवरी, 1974

का० आ० 490.—केन्द्रीय सरकार धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की धारा 12क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नीचे की सारणी के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट व्यक्ति को उक्त सारणी के स्तम्भ 3 में की तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट पदनाम सहित सहायक मूल्यांकन अधिकारी नियुक्त करती है ।

सारणी

क्रम० सं०	व्यक्ति का नाम	पदनाम
1	2	3
1.	श्री के० बासकरण . . .	सहायक मूल्यांकन अधिकारी

[सं० 79/फा० सं० 328/118/73-ध०क० (भाग 2)]

वी. डी. वरखारकर, अवर सचिव

ORDER

New Delhi, the 11th January, 1974.

S.O. 490.—In exercise of the powers conferred by sub-section (i) of Section 12A of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957), the Central Government hereby appoints the person specified in column (2) of the Table below as Assistant Valuation Officer with the designation specified in corresponding entry in column (3) of the said Table.

TABLE

S. No.	Name of person	Designation
1	2	3
1.	Shri K. Baskaran	Assistant Valuation Officer

[No. 79 /F. No. 328/118/73-W.T. (Pt. II)]

V. D. WAKHARKAR, Under Secy.

नई दिल्ली, 9 जनवरी, 1974

आय-कर

का० आ० 491—सर्वसाधारण की जानकारी के लिये यह अधिसूचित किया जाता है कि निम्न वर्णित संस्था को, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद् विहित प्राधिकारी द्वारा आय कर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उप धारा (i) के खन्ड (ii) के प्रयोजनों के लिये, अनुमोदित किया गया है ।

संस्था

इंडियन इंस्टिट्यूट आफ जियोमैगनेटिज्म, मुम्बई ।

यह अधिसूचना 1 अप्रैल, 1973 से प्रभावी होगी ।

[सं० 540 (फा० सं० 203/63/73-आई टी ए2]

टी० पी० झुनझुनवाला उप-सचिव

New Delhi, the 9th January, 1974

INCOME TAX

S.O. 491.—It is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by Council of Scientific and Industrial Research, the prescribed authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961.

INSTITUTION

INDIAN INSTITUTE OF GEOMAGNETISM, BOMBAY.

This notification will take effect from 1st April, 1973.

[No. 540 F. No. 203/63/73-ITA. II]

T. P. JHUNJHUNWALA, Dy. Secy.

(Foreign-tax Division)

CORRIGENDUM

New Delhi, the 6th February, 1974

INCOME-TAX

S.O. 492.—In the Ministry of Finance, (Department of Revenue and Insurance) Notification S.O. 3036 published in the issue of the Gazette of India, Part II, Section 3, sub-section (ii), dated the 27th October, 1973, the following correction may be made, namely :—

For "International Council Social ON Welware. New York"

Read "International Council on Social Welfare, New York".

[No. 553-F. No. 167/66/71-FTD]

M. L. CHOUDHRY, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 23 फरवरी, 1974

सीमा-शुल्क

का० आ० 493—सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 7 के खन्ड (ख) और (ग) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार भारत सरकार वित्त मंत्रालय (राजस्व और बीमा विभाग) की अधिसूचना सं० 105-सीमा शुल्क, तारीख 26 अगस्त, 1972 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना से उपाबद्ध सारणी में "संयुक्त खासी और जयन्तिया पहाड़ी जिला" शीर्ष के अधीन के क्रम सं० 11 और उससे संबंध प्रविष्टियों के

पश्चात् निम्नलिखित क्रम संख्या और प्रविष्टि अन्तःस्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

1	2	3
"11क	इयु थिम्मै	(क) कस्मार नदी (ख) नागस्केन से इयु थिम्मै तक सड़क (ग) डीयर घाटी"

[सं० 10/फा० सं० 541/5/73-एल०सी०आई०]

New Delhi, the 23rd February 1974

CUSTOMS

S.O. 493.—In exercise of the powers conferred by clauses (b) and (c) of section 7 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government hereby makes the following further amendment to the notification of the Government of India, in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) No. 105-Customs, dated the 26th August, 1972, namely :—

In the table annexed to the said notification under the heading 'United Khasi and Jaintia Hills District' after serial number 11 and the entries relating thereto, the following serial number and entries shall be inserted, namely :—

1	2	3
"11 A	Iew Thymmai	(a) river Kasmar. (b) road from Nongshken to Iew Thymmai. (c) Dear Valley."

[No. 10/F.No. 541/5/73-LCI.

का० आ० 494—सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 7 के खण्ड (ख) और (ग) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, (राजस्व और बीमा विभाग) की अधिसूचना सं० 104/सीमा शुल्क, तारीख 26 अगस्त, 1972 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में उपाबद्ध सारणी में "कूच बिहार जिला" शीर्षक के अधीन क्रम संख्या 50 और उससे संबद्ध प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित क्रम संख्या और प्रविष्टि अन्तःस्थापित की जायेगी, अर्थात् :—

"50क—हेम कुमारी	मुख्य सड़क जो हल्दी बाड़ी से बंगलादेश में चिलहटी स्टेशन, बरास्ते भारत संघ में हेम कुमारी, तक जाती है"।

[सं० 9/फा०सं० 541/4/73-एल०सी०आई०]

S.O. 494.—In exercise of the powers conferred by clauses (b) and (c) of section 7 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962) the Central Government hereby makes the following amendment to the notification of the Government of India, in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) No. 104/Customs, dated the 26th August, 1972, namely :—

In the table annexed to the said notification under the heading "Cooch Behar District", after serial number 50 and the entries relating thereto, the following serial number and entry shall be inserted, namely :—

"50 A	Hemkumari	The main Road leading from Haldibari to Chilahati Station in Bangladesh via Hemkumari in Indian Union."

[No. 9/F. No. 541/4/73-LCI.]

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सीमा-शुल्क बोर्ड

का० आ० 495—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और सीमा-शुल्क बोर्ड, सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 9 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केरल राज्य के कन्नानोर जिला में पप्पीनीस्सेरी को भाण्डागारण केन्द्र के रूप में घोषित करता है।

[सं० 11/74-सीमा-शुल्क/फा० सं० 473-7-74-सी०शु० 7]

के० शंकररामन, अवर सचिव

CENTRAL BOARD OF EXCISE AND CUSTOMS

S.O. 495.—In exercise of the powers conferred by section 9 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Board of Excise and Customs hereby declares Pappinissery in the district of Cannanore, State of Kerala, to be a warehousing station.

[No. 11/74-Customs/F. No. 473/7/74-Cus. VII.]

K. SANKARARAMAN, Under Secy.

(बैंकिंग विभाग)

नई दिल्ली, 31 जनवरी, 1974

का. आ. 496.—बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर, एतद्द्वारा घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 9 के उपबन्ध बरेली कारपोरेशन (बैंक) लिमिटेड, बरेली पर निम्नलिखित सम्पत्तियों के बारे में 13 दिसम्बर, 1974 तक लागू नहीं होंगे :—

(क) बैंक द्वारा फरुखाबाद में धृत अचल सम्पत्तियों, और

(ख) बैंक द्वारा जुगलघाट, वृन्दावन (जिला मथुरा) में धृत गृह सम्पत्ति।

[सं. 15(3) बी. ओ. 3/73]

(Department of Banking)

New Delhi, the 31st January, 1974

S.O. 496.—In exercise of the powers conferred by section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of section 9 of the said Act shall not apply to the Bareilly Corporation (Bank) Ltd., Bareilly :—

(a) in respect of the immovable properties held by it at Farukhabad, and

(b) in respect of the house property held by it at Jugalghat, Brindavan (Dist Mathura), till the 13th December, 1974.

[No. 15(3)-B.O. III/73]

नई दिल्ली, 5 फरवरी, 1974

का०आ० 497—बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर एतद्द्वारा घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 9 के उपबन्ध 29 जून, 1974 तक दी साऊथ इंडियन बैंक लिमिटेड, त्रिचूर द्वारा धृत अचल सम्पत्ति अर्थात् ग्राम रामेश्वरम, जिला एर्नाकुलम में सर्वे संख्या 25 के अन्तर्गत मकान बनाने के लिये 29 1/2 सेंट के स्थान पर लागू नहीं होंगे।

[सं० 15(1) बी० ओ० 3/73

म० भा० उसगांवकर, अवर सचिव

New Delhi, the 5th February, 1974

S.O. 497.—In exercise of the powers conferred by section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of section 9 of the said Act shall not apply, till the 29th June, 1974, to the South Indian Bank Ltd., Trichur, in respect of the immovable property measuring 29-1/2 cents of house site under survey No. 25 in Rameswaram Village, Ernakulam District.

[No. 15(1)/B.O. III/73]

M. B. USGAONKAR, Under Secy.

नई दिल्ली, 1 फरवरी, 1974

का० आ० 498.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबन्ध और प्रकीर्ण उपबन्ध) स्कीम, 1970 के खण्ड 8 के उपखण्ड (1) के साथ पठित खण्ड 3, के उपखंड (क) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार, भारत के रिजर्व बैंक से परामर्श करने के पश्चात् श्री बी० एन० अदारकर को 1 फरवरी 1974 से प्रारम्भ होने वाली और 20 फरवरी, 1974 को समाप्त होने वाली और अवधि के लिए सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया का प्रबन्ध निदेशक पुनः नियुक्त करती है ।

[सं० फा० 9/1/74-बी० ओ० 1-1]

New Delhi, the 1st February, 1974

S.O. 498.—In pursuance of sub-clause (a) of clause 3, read with sub-clause (1), of clause 8, of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India, hereby reappoints Shri B. N. Adarkar as the Managing Director of Central Bank of India for a further period commencing on 1st February, 1974 and ending with 20th February, 1974.

[No. F. 9/1/74-BO. I-1]

का० आ० 499.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबन्ध और प्रकीर्ण उपबन्ध) स्की 1970 के खण्ड 7 के साथ पठित खण्ड 5 के उपखण्ड (1) के अनुसरणम में केन्द्रीय सरकार भारत के रिजर्व बैंक से परामर्श करने के पश्चात् श्री बी० एन० अदारकर को, जिसे 1 फरवरी 1974 से सैन्ट्रल बैंक आफ इंडिया का प्रबन्ध निदेशक पुनः नियुक्त किया गया है, उसी तारीख से सैन्ट्रल बैंक आफ इन्डिया के निदेशक बोर्ड का अध्यक्ष नियुक्त करती है ।

[सं० फा० 9/1/74-बी० ओ० 1-2]

निर्मल सेन गुप्ता, सचिव

S.O. 499.—In pursuance of sub-clause (1) of clause 5, read with clause 7, of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India, hereby appoints Shri B. N. Adarkar who has been reappointed as Managing Director of Central Bank of India with effect from 1st February, 1974, to be the Chairman of the Board of Directors of Central Bank of India with effect from the same date.

[No. F. 9/1/74-BO. I-2]

N. C. SEN GUPTA, Secy.

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

आदेश

नई दिल्ली, 29 नवम्बर, 1973

सम्पदा-शुल्क

का० आ० 500.—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, सम्पदा-शुल्क अधिनियम, 1953 (1953 का 34) की धारा 4 की उपधारा (2) के द्वितीय परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और अपनी अधिसूचना सं० 26 फा० सं० 21/40/68-सं० शु०, तारीख 9 अक्तूबर, 1968 को अधिक्रांत करते हुए, निदेश देता है कि प्रत्येक आय-कर अधिकारी, जिसे सहायक नियंत्रक नियुक्त किया गया है और जिसको सपदा-शुल्क एवं आयकर सर्किल, त्रिचुर में तैनात किया गया है, उन सभी मृत व्यक्तियों की संपदाओं की बाबत, जो अपनी मृत्यु के ठीक पूर्व आय कर के लिए निर्धारित किए जा रहे थे या उस दशा में निर्धारित किए जाते, जब कि वे किसी ऐसे आय कर सर्किल में, जिसके मुख्यालय त्रिचुर, पालघाट, मालापुरम, कालीकट, कन्नानोर, पांडिचेरी संघ राज्यक्षेत्र और लक्षद्वीप संघ राज्यक्षेत्र के भाग रूप माहे के राज्य क्षेत्र के राजस्व जिलों में है, कोई कराधेय आय व्युत्पन्न करते, अन्य सभी सहायक नियंत्रक को अपवर्जित करते हुए उक्त सर्किल में सहायक नियंत्रक के रूप में अपने कृत्यों का पालन करेगा ।

2. यह आदेश 1 दिसम्बर, 1973 से प्रवृत्त होगा ।

[सं० 54/301/115/73—सं० शु०]

एस० बापु, अवर सचिव

CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

ORDER

New Delhi, the 29th November, 1973

ESTATE DUTY

S.O. 500.—In exercise of the powers conferred by the second proviso to sub-section (2) of Section 4 of the Estate Duty Act, 1953 (34 of 1953) and in supersession of its notification No. 26/F. No. 21/40/68-E.D. dated the 9th October, 1968, the Central Board of Direct Taxes hereby directs that every Incometax Officer appointed to be an Assistant Controller and posted to the Estate Duty cum Income-tax Circle, *Trichur*, shall perform his functions as Assistant Controller in the said Circle to the exclusions of all other Assistant Controllers in respect of the estate of all deceased persons, who immediately before their death, were being or would have been assessed to Income-tax, had they derived any taxable income in any Income-tax Circle, the headquarters of which lies within the revenue districts of Trichur, Palghat, Malapuram, Calicut, Cannanore, the Territory of Mahe forming part of the Union Territory of Pondicherry and the Union Territory of Lakshadweep.

2. This order shall come into force with effect from 1st December, 1973.

[No. 54/301/115/73-E.D.]

S. BAPU, Under Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 10 दिसम्बर, 1973

का०आ० 501.—इस आदेश से उपाबद्ध सारणी के स्तम्भ 2 मे विनिर्दिष्ट व्यक्ति, जिन्हें धन-कर अधिनियम, 1957 की धारा 12क के अधीन, मूल्यांकन अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है, उक्त सारणी के स्तम्भ 3 में विनिर्दिष्ट स्थानों पर, मूल्यांकन अधिकारी (कृषि भूमि) के रूप में तैनात किए जाते है ।

सारणी

क्रम० सं०	व्यक्तियों के नाम	स्थान
1	2	3
1.	श्री बी० एस० चिर्मडे	धुलिया
2.	श्री मोहन सिंह	कानपुर
3.	श्री आर० एन० वज्रे	मुम्बई

[सं० 71 फा० सं० 328/63/73-ध०क०]

ORDER

New Delhi, the 10th December, 1973

S.O. 501.—The persons specified in column 2 of the Table appended to this order who have been appointed as Valuation Officers under section 12A of the Wealth Tax Act, 1957 are posted as Valuation Officers (Agricultural lands) at places specified in column 3 of the said Table.

TABLE

Sl. No.	Name of the persons	Place
1	2	3
1.	Shri V.S. Chirmade	Dhulia
2.	Shri Mohan Singh	Kanpur
3.	Shri R.N. Vaze	Bombay

[No. 71/F. No. 328/63/73-W. T.]

आदेश

का० आ० 502.—केन्द्रीय प्रत्यक्ष-कर बोर्ड, धन-कर नियम, 1957 के नियम 3क के उपनियम (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निदेश देता है कि इससे उपाबद्ध सारणी के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट प्रत्येक मूल्यांकन अधिकारी, सारणी के स्तम्भ (3) में की तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट आय-कर आयुक्त की अधिकारिता के भीतर के क्षेत्रों में, कृषि-भूमि की बाबत मूल्यांकन अधिकारी के कृत्यों को करेगा ।

सारणी

क्रम० सं०	मूल्यांकन अधिकारी	आयकर आयुक्त
1	2	3
1.	मूल्यांकन अधिकारी (कृषि भूमि), धुलिया	पूना
2.	मूल्यांकन अधिकारी (कृषि भूमि), कानपुर	कानपुर—I और II
3.	मूल्यांकन अधिकारी (कृषि भूमि), मुम्बई	मुम्बई—I से VI तक

[सं० 72/फा० सं० 328/63/73-ध०क०]

ORDER

S.O. 502.—In exercise of the powers conferred by sub-rule (2) of Rule 3A of the Wealth-tax Rules, 1957 the Central Board of Direct Taxes hereby directs that every Valuation Officer specified in column (2) of the Table appended hereto shall perform the functions of a Valuation Officer in respect of : agricultural lands in the areas within the jurisdiction of the Commissioners of Income-tax specified in the corresponding entry in column (3) of the Table.

TABLE

Sl. No.	Valuation Officer	Commissioner of Income-tax
1	2	3
1.	Valuation Officer (Agrl. lands), Dhulia	Poona
2.	Valuation Officer (Agrl. lands), Kanpur.	Kanpur—I & II
3.	Valuation Officer (Agrl. lands), Bombay	Bombay—I to VI

[No. 72/F. No. 328/63/73-W.T.]

आदेश

का० आ० 503.—केन्द्रीय प्रत्यक्ष-कर बोर्ड, धन-कर नियम, 1957 के नियम 3क के उपनियम (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निदेश देता है कि इससे उपाबद्ध सारणी के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट मूल्यांकन अधिकारी, सारणी के स्तम्भ (3) में की तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट आयकर आयुक्तों की अधिकारिता के भीतर के क्षेत्रों में, संयंत्र और मशीनरी की बाबत, मूल्यांकन अधिकारी के कृत्य करेगा ।

सारणी

क्रम० सं०	मूल्यांकन अधिकारी	आय-कर आयुक्त
1	2	3
1.	मूल्यांकन अधिकारी (संयंत्र और मशीनरी)	मुम्बई—1 से 6 तक

[सं० 68/फा० सं० 328/63/73-ध०क०]

ORDER

S.O. 503.—In exercise of the powers conferred by sub-rule (2) of Rule 3A of the Wealth-tax Rules, 1957, the Central Board of Direct Taxes hereby directs that the Valuation Officer specified in column (2) of the Table appended hereto shall perform the functions of a Valuation Officer in respect of plant & machinery in the areas within the jurisdiction of the Commissioners of Income-tax specified in the corresponding entry in column (3) of the Table.

TABLE

Sl. No.	Valuation Officer	Commissioner of Income-tax
1	2	3
1.	Valuation Officer (Plant & Machinery)	Bombay—I to VI

[No. 68/F. No. 328/63/73-W.T.]

आदेश

नई दिल्ली, 13 दिसम्बर, 1973

का० आ० 504.—केन्द्रीय सरकार, संपदा-शुल्क अधिनियम, 1953 (1953 का अधिनियम 34) की धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और अधिसूचना सं० 32/1973 (फा० सं० 301/90/72-संप० शु०), तारीख 26-6-73 में आंशित उपांतरण करते हुए तारीख 26-6-1973 की अधिसूचना की सारणी के क्रम सं० 11 में निम्नलिखित संशोधन करती है :—

सारणी

क्रम सं०	सहायक आयुक्त (निरीक्षण)	उपनियंत्रक (संपदा शुल्क)
1	2	3
11.	रेंज-2, बंगलौर	बंगलौर

2. यह आदेश 15 दिसम्बर, 1973 को प्रवृत्त होगा ।

[सं० 61/फा० सं० 301/122/73-संप० शु०]

वी० डी० वखारकर, अवर सचिव

ORDER

New Delhi, the 13th December, 1973

S.O. 504.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 4 of the Estate Duty Act, 1953 (Act XXXIV of 1953) and in partial modification of Notification No. 32/1973 (F. No. 301/90/72-E.D.) dated 26-6-1973, the Central Government hereby makes the following amendment at Sl. No. 11 of the Table to the Notification dated 26-6-1973.

TABLE

Sl. No.	Inspecting Assistant Commissioner	Deputy Controller of Estate Duty
11.	Range-II, Bangalore	Bangalore

2. This order shall come into force with effect from 15th December, 1973.

[No. 61/F. No. 301/122/73-E.D.]

V.D. WAKHARKAR, Under Secy.

वाणिज्य मंत्रालय

(मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय)

आदेश

नई दिल्ली, 4 फरवरी, 1974

का० आ० 505.—दि सुपरिन्टेन्डिंग इन्जीनियर (प्रोजेक्टस) म० प्र० इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड जबलपुर को कोर्बा थर्मल पावर स्टेशन के लिए फालतू पुर्जों के आयात के लिए सीमा-शुल्क निकासी परमिट सं० जी/जे 3037475 दिनांक 29-12-72 स्वीकृत किया गया था। दि सुपरिन्टेन्डिंग इन्जीनियर (प्रोजेक्ट्स) म० प्र० स्टेट इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड जबलपुर ने यह प्रतिवेदित किया है कि सीमा-शुल्क निकासी परमिट अस्थानस्थ हो गया है और यह निवेदन किया है कि उसी की अनुलिपि प्रति जारी की जाए।

अपने तर्क के समर्थन में आवेदक ने एक शपथ पत्र दाखिल किया है। अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि सीमा-शुल्क निकासी परमिट खो गया है और निदेश देती है कि उक्त सीमा-शुल्क निकासी परमिट की अनुलिपि प्रति जारी की जाए।

मूल सीमा-शुल्क निकासी परमिट रद्द कर दिया गया है। इसी की अनुलिपि प्रति अलग से जारी की जा रही है।

[संख्या एस जी/245/68.69/पी एल एस/बी 1175]

एम० के० उस्मानी, उप-मुख्य नियंत्रक

कृते मुख्य नियंत्रक

MINISTRY OF COMMERCE

(Office of the Chief Controller of Imports and Exports)

ORDER

New Delhi, the 4th February, 1974

S.O. 505.—The Superintending Engineer (Projects) M.P. Electricity Board, Jabalpur was granted CCP No. G/J/3037475 dated 29-12-1972 for the import of spares for Korba Thermal Power Station. The Suptng. Engineer (Projects) M.P. State Electricity Board Jabalpur has reported that a CCP has been misplaced and he has requested to issue duplicate copy of the same.

In support of their contention the applicant has filed an affidavit. The undersigned is satisfied that the C.C.P. has been lost and directs that the duplicate copy of the said C.C.P. be issued.

The original C.C.P. has been cancelled. A duplicate copy of the same is being issued separately.

[No. SG/245/68.69/PLS/B/1175]

S. K. USMANI, Dy. Chief Controller,
for Chief Controller

आदेश

नई दिल्ली, 8 फरवरी, 1974

का० आ० 506.—सर्वश्री भावनगर इलेक्ट्रिसिटी कं०, लि० वरतेज रोड, भावनगर, गुजरात को 9,264 रु० (नौ हजार दो सौ चौंसठ रु० मात्र) का एक आयात लाइसेंस संख्या: पी/एच० 2077803/सी/एक्स एक्स/48/एच/37-38/सीजी-4, दिनांक 1-8-73 स्वीकृत किया गया था। उन्होंने उक्त लाइसेंस की अनुलिपि सीमा-शुल्क कार्यसंबंधी प्रति के लिये इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल सीमा-शुल्क कार्यसंबंधी प्रति आग में जल गई है। उन्होंने आगे बताया है कि मूल सीमा-शुल्क कार्यसंबंधी प्रति किसी भी सीमा-शुल्क प्राधिकारी के पास पंजीकृत नहीं कराई गई थी और उसका बिल्कुल उपयोग नहीं किया गया था।

2. इस तर्क के समर्थन में आवेदक ने नोटरी पब्लिक गुजरात राज्य, भावनगर, अमरेली तथा जूनागढ़ के सम्मुख विधिवत् शपथ लेते हुए एक शपथ पत्र दाखिल किया है। मैं तदनुसार संतुष्ट हूं कि उक्त लाइसेंस की मूल सीमा-शुल्क कार्यसंबंधी प्रति आग में जल गई है। इसलिए यथा संशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955, दिनांक 7-12-1955 की उपधारा 9 (सीसी) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग कर सर्वश्री भावनगर इलेक्ट्रिसिटी कं० लि० भावनगर के नाम जारी किए गए आयात लाइसेंस संख्या : पी०/एच०/2077803/सी/एक्स एक्स/48/एच०/37-38/सीजी/4, दिनांक 1-8-73 की उपर्युक्त मूल सीमा-शुल्क कार्यसंबंधी प्रति को एतद्द्वारा रद्द किया जाता है।

3. लाइसेंसधारी को उक्त लाइसेंस की अनुलिपि सीमा-शुल्क कार्यसंबंधी प्रति अलग से जारी की जा रही है।

[संख्या: एचईपी/बी-2/73-74/सीजी-4]

जे शंकर, उप-मुख्य नियंत्रक

ORDER

New Delhi, the 8th February, 1974

S.O. 506.—M/s. The Bhavnagar Electricity Co., Ltd., Vartej Road, Bhavnagar, Gujarat was granted an import licence No. P/H/2077803/C/XX/48/H/37-38/CG. IV dated 1-8-1973 for Rs. 9,264 (Rupees nine thousand two hundred and sixtyfour only). They have applied for the issue of a duplicate Customs Purposes copy of the said licence on the ground that the original Customs Purposes copy has been burnt in fire. It is further stated that the original Customs Purposes copy was not registered with any Custom authorities and it was not at all utilized.

2. In support of this contention, the applicant has filed an affidavit duly sworn in before Notary Public, Gujarat State Bhavnagar, Amreli and Junagadh. I am accordingly satisfied that the original Customs Purposes copy of the said licence has been burnt in fire. Therefore, in exercise of the powers conferred under sub-clause 9(cc) of the Imports (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended, the said original Customs Purposes copy of Import licence No. P/H/2077803/C/XX/48/H/37-38/CG. IV dated 1-8-1973 issued to M/s. Bhavnagar Electricity Co. Ltd., Bhavnagar is hereby cancelled.

3. A duplicate Customs Purposes copy of the said licence is being issued separately to the licensee.

[No. HEP/B. 2/73-74/CG. IV]

J. SHANKAR, Dy. Chief Controller

आदेश

का० आ० 507.—सर्वश्री बाइलोजिकल इवान्स लि० हैदराबाद को 49,000 रुपये मूल्य का एक लाइसेंस सं० पी०/डी/2023574 दिनांक 8-9-72 सामान्य मुद्रा क्षेत्र से लाइसेंस से संलग्न सूची के अनुसार कच्चे माल के आयात के लिए प्रदान किया गया था। उन्होंने इस कार्यालय से उक्त लाइसेंस की सीमा-शुल्क निकासी प्रति की अनुलिपि जारी करने के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल सीमा-शुल्क निकासी प्रति सीमा-शुल्क कार्यालय,

बम्बई में पंजीकृत कराने के बाद और 3,339 रुपये शेष रहते हुए 45,661 रुपये का उपयोग करने के बाद खो गई है ।

2. अपने तर्क के समर्थन में आवेदकों ने एक शपथ पत्र दाखिल किया है । अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि लाइसेंस सं० पी/डी/2023574, दिनांक 8-9-72 की मूल सीमाशुल्क निकासी प्रति खो गई है और निदेश देता है कि इस की अनुलिपि उनको जारी की जानी चाहिए । मूल सीमाशुल्क निकासी प्रति रद्द की जाती है ।

3 लाइसेन्स की अनुलिपि सीमाशुल्क प्रति अलग से जारी की जा रही है ।

[संख्या सी एच/बी-63(4)ए एम 72/आर एम-3/2017]

आर० के० घोष, उप-मुख्य नियंत्रक

ORDER

New Delhi, the 8th February, 1974

S.O. 507.—M/s. Biological Evans Limited, Hyderabad, were granted licence No. P/D/2023574 dated 8-9-72 under G.C.A. for import of raw materials as per list attached valued at Rs. 49,000/-. They have requested this office for the issue of a duplicate Customs copy of the said licence on the ground that the original Customs copy has been lost after having been registered with Bombay Customs and utilised for Rs. 45,661/-, leaving a balance of Rs. 3,339/-.

2. In support of their contention the applicant have filed an affidavit. The undersigned is satisfied that the original Customs copy of the Licence No. P/D/2023574 dated 8-9-72 has been lost and directs that duplicate Custom copy of the licence should be issued to them. The original Custom copy is cancelled.

3. The duplicate Customs copy of the licence is being issued separately.

[No. Ch/B-63(4)/A.M. 72/R.M. 3/2017]

R. K. GHOSH, Dy. Chief Controller

आदेश

नई दिल्ली, 14 फरवरी, 1974

का० आ० 508.—सर्वश्री ग्राइन्डवैल नोरटन लि०, बम्बई को 1,44,356 रुपये मूल्य का एक आयात लाइसेंस संख्या पी/सी/2063945/ए/एस एच/43/एच/33-34, दिनांक 30-6-1972, प्रदान किया गया था । उन्होंने उक्त लाइसेंस की सीमाशुल्क निकासी प्रति की अनुलिपि जारी करने के लिये इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल सीमाशुल्क निकासी प्रति किसी भी सीमाशुल्क प्राधिकारी से पंजीकृत कराये बिना और बिल्कुल भी उपयोग किये बिना खो गई / अस्थानस्थ हो गई है । इस दावे के समर्थन में आवेदक ने एक शपथपत्र दाखिल किया है ।

2. तदनुसार मैं सन्तुष्ट हूं कि उक्त लाइसेंस की मूल सीमाशुल्क निकासी प्रति खो गई है । इसलिये यथा संशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 दिनांक 7-12-1955 की उप धारा 9(सीसी) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए सर्वश्री ग्रान्डवैल नोरटन लि०, बम्बई को जारी किया गया उक्त लाइसेंस संख्या पी/सी/2063945/ए०/एस०एच०/43/ एच/33-34, दिनांक 30-6-1972 एतद्द्वारा रद्द किया जाता है ।

3. उक्त लाइसेंस की सीमाशुल्क निकासी प्रति की अनुलिपि लाइसेंसधारी को अलग से जारी की जा रही है ।

[सं० सीजी-3/8(59)/71-72/3660]

एस० ए० शेषन, उप-मुख्य नियंत्रक

ORDER

New Delhi, the 14th Feb., 1974

S.O. 508.—M/s. Grindwell Norton Ltd., Bombay were granted an import licence No. P/C/2063945/A/SH/43/H/33-34, dated 30-6-1972 for Rs. 1,44,356 only. They have applied for the issue of a duplicate Customs purposes copy of the said licence on the ground that the original Customs purposes copy has been lost/misplaced without having been registered with any Customs authorities and utilised at all. In support of this contention, the applicant has filed an affidavit.

2. I am accordingly satisfied that the original Customs purposes copy of the said licence has been lost. Therefore in exercise of the powers conferred under Sub-Clause 9 (cc) of the Import (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended, the said licence No. P/C/2063945/A/SH/43/H/33-34 dated 30-6-1972, issued to M/s. Grindwell Norton Ltd., Bombay is hereby cancelled.

3. A duplicate Customs Purposes copy of the said licence is being issued separately to the licensee.

[No. CG. III/8(59)/71-72/3660]

S. A. SESHAN, Dy. Chief Controller

उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

लोहा तथा इस्पात

आदेश

फरीदाबाद, 27 सितम्बर, 1973

का० आ० 509.—सर्वश्री संजीव वूलन मिल्स, 839, इन्डस्ट्रियल एरिया, ए, लुधियाना को कटी लम्बाई में 1.6 मि० मी० और इससे पतली प्राइम एम०एस०सी०आर०सी०ए० शीट और 0.6 प्र० से 1.35 प्र० तक से अधिक कार्बन की मात्रा सहित तथा 2.5 मि० मी० से 0.08 मि०मी० की माप सहित स्प्रिंग स्टील स्ट्रिप मदों के सामान्य मुद्रा क्षेत्र से आयात के लिए अप्रैल, 71—मार्च, 1972 अवधि के लिए 16,300 रु० मूल्य का एक आयात लाइसेंस सं० पी/एस / 8560728/सी/एक्सएक्स/41/डी/33-34, दिनांक 10-11-71 बम्बई पत्तन से पंजीकरण की शर्त के साथ जारी किया गया था । उन्होंने आयात लाइसेंस की सीमाशुल्क निकासी प्रति की अनुलिपि जारी करने के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल सीमाशुल्क निकासी प्रति अस्थानस्थ हो गई है । यह भी बताया गया है कि लाइसेंस का बिल्कुल उपयोग नहीं किया गया था ।

इस तर्क के समर्थन में आवेदक ने एक शपथपत्र दाखिल किया है । मैं संतुष्ट हूं कि आयात लाइसेंस सं० पी/एस/8560728/सी/एक्सएक्स/41/डी/33-34, दिनांक 10-11-71 की सीमाशुल्क निकासी प्रति खो गई है और निदेश देता हूं कि विषयाधीन मूल लाइसेंस रद्द करके सीमाशुल्क निकासी प्रति अनुलिपि आवेदक को जारी की जानी चाहिये ।

[पृ. संख्या पी/एस-14/ए.एम. 72/एन यू/ए यू पी बी/डी सी सी ई/2147]

के० एन० कपूर, उप-मुख्य नियंत्रक

OFFICE OF THE DY. CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS,

(Iron and Steel)

ORDER

Faridabad, the 27th September, 1973

S.O. 509.—M/s. Sanjeev Woollen Mills, 839, Industrial Area A, Ludhiana, were granted an Import Licence No. P/S/8560728/C/XX/41/D/33-34, dated 10-11-1971 for Rs. 16,300 issued under G.C.A. for the items Prime M.S.C.R.C.A. Sheet 1.6 mm. and thinner in cut length and Spring steel Strips with carbon range from above 0.6 per cent to 1.35 per cent and thickness ranging from 2.5 mm. to 0.08 mm. for the period April, 1971 to March, 1972 with the Port of Registration, Bombay. They have applied for duplicate Customs Clearance Purposes Copy of the Import Licence on the ground that the original Customs Clearance Purposes Copy of the Import Licence has been misplaced. It is stated that the licence was not utilised at all.

In support of this contention, the applicant has filed an affidavit. I am satisfied that the Customs Clearance Purposes Copy of Import Licence No. P/S/8560728/C/XX/41/D/33-34, dated 10-11-1971 has been lost and direct that the Duplicate Customs Clearance Purposes copy should be issued to the applicant in cancellation of the original licence in question.

[Endt. No. P/S-14/AM.-72/NU/AUPB/DCCE/2147]

K. N. KAPOOR, Dy. Chief Controller

औद्योगिक विकास, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय

(भारतीय मानक संस्था)

नई दिल्ली, 6 फरवरी, 1974

का० आ० 510.—समय-समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम 1955 के विनियम 3 के उपविनियम (2) और (3) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि नीचे अनुसूची में जिन मानकों के ब्यौरे दिए गए हैं, 1 जून से 30 जून 1972 की अवधि में निर्धारित किए गए हैं

अनुसूची

क्रम संख्या	निर्धारित भारतीय मानक की पद संख्या और शीर्षक	नए भारतीय मानक द्वारा रद्द हुए भारतीय मानक की पदसंख्या और शीर्षक	संक्षिप्त विवरण
1	2	3	4
*1.	IS: 458-1971 कंक्रीट पाइपों (प्रबलन सहित अथवा रहित) की विशिष्टि (**दूसरा पुनरीक्षण**)	IS: 458-1961 कंक्रीट पाइपों (प्रबलन सहित अथवा रहित) की विशिष्टि (**पुनरीक्षित**)	इस मानक में पानी की मेन लाइनों, सीवर, पुलियों और सिंचाई में प्रयुक्त दाब वाले तथा बिना दाब वाले दोनों प्रकार के प्रबलन सहित और सादे सीमेन्ट के पाइपों के विषय में अपेक्षाएं और परीक्षण पद्धतियां दी गई है। (मूल्य रु० 7.50)
2.	IS: 578-1971 उपल्ले के फुलक्रोम चमड़े की विशिष्टि (**दूसरा पुनरीक्षण**)	IS: 568-1964 उपल्ले के फुलक्रोम चमड़े की विशिष्टि (**पुनरीक्षित**)	इस मानक में उपल्ले के क्रोम चमड़े के विषय में अपेक्षाएं और बानगी लेने और परीक्षण की पद्धतियां दी गई हैं। (मूल्य रु० 2.00)
3.	IS: 1418-1972 स्वर्ण और स्वर्णमिश्र धातुओं में सोने की जांच की पद्धति (**पहला पुनरीक्षण**)	IS 1418-1962 स्वर्ण और स्वर्ण-मिश्र धातुओं में सोने की जांच की पद्धति	इस मानक में स्वर्ण और स्वर्णमिश्र धातुओं में सोने की जांच की पद्धति निर्धारित दी गई हैं। (मूल्य रु० 2.50)
4.	IS: 1448 (पी : 11)-1971 उड्डयन ईंधनों का हिमांक (**दूसरा पुनरीक्षण**)	IS: 1448 (पी: 11)-1967 हिमांक (**दूसरा पुनरीक्षण**)	इस पद्धति में उड्डयन ईंधनों (प्रतिलोम इंजनों और टरबाइन इंजनों में प्रयुक्त) में विद्युक्त ठोस पदार्थों का पता करने की क्रियाविधि दी गई हैं। ये ठोस पदार्थ उड़ान के समय अथवा जमीन पर खड़ी स्थिति में ही किसी भी ताप पर विद्युक्त हो सकते हैं। (मूल्य रु० 2.00)
5.	IS: 1498-1970 सामान्य इंजीनियरी कार्यों के लिए मृत्तिकाओं का वर्गीकरण और पहचान (**पहला पुनरीक्षण**)	IS: 1498-1968 सामान्य इंजीनियरी कार्यों के लिए मृत्तिकाओं का वर्गीकरण और पहचान	इस मानक में सामान्य इंजीनियरी कार्यों में प्रयुक्त मृत्तिकाओं का वर्गीकरण और पहचान की प्रणाली दी गई है। यहीं पर दी गई जानकारी इंजीनियरी कार्यों में प्रयुक्त मृत्तिका के उपचार के लिए केवल मार्ग-दर्शन के रूप में मानी जाए। (मूल्य रु० 7.50)
6.	IS: 1825-1971 एल्यूमीनियम की दूध की बाल्टियों की विशिष्टि (**पहला पुनरीक्षण**)	IS: 1825-1961 एल्यूमिनियम की दूध की बाल्टियों की विशिष्टि।	इस मानक में दूध इकट्ठा करने तथा वितरण के लिए काम में आने वाले एल्यूमीनियम की बाल्टियों के विषय में अपेक्षाएं दी गई हैं इस मानक में ये दो प्रकार की बाल्टियां ली गई हैं: (क) दूध वितरण के लिए 10 व 20 लीटर समाई वाली (ख) परिवहन के लिए 20, 30, 40 और 50 लीटर समाई वाली (मूल्य रु० 5.00)
7.	IS: 1841-1971 वेल्डन द्वारा उत्पादित विद्युत् चालक ग्रेड की एल्यूमीनियम छड़ों की विशिष्टि (**पहला पुनरीक्षण**)	IS: 1841-1961 विद्युत कार्यों के लिए वेल्डित एल्यूमिनियम की छड़ों (विद्युत चालक ग्रेड) की विशिष्टि	इस मानक में विद्युत् चालकों के लिए वेल्डन द्वारा उत्पादित 9.50 मिलीमीटर सांकेतिक व्यास वाली विद्युत् चालक ग्रेड की छड़ों के विषय में अपेक्षाएं दी गई हैं। (मूल्य रु० 2.00)
8.	IS: 1875-1971 गढ़ाई की वस्तुओं के लिए कार्बन इस्पात की बिलेम, ब्लूम सिल्लियां और सरिया की विशिष्टि (**तीसरा पुनरीक्षण**)	IS: 1875-1966 गढ़ाई की वस्तुओं के लिए कार्बन इस्पात की बिलेट, ब्लूम सिल्लियां और सरिया की विशिष्टि (**पुनरीक्षित**)	इस मानक में गढ़ाई की वस्तुओं के लिए प्रयुक्त 7 श्रेणियों अर्थात् श्रेणी 1, 2, 3, 3ए, 4, 5 और 6 के कार्बन ग्रेड बिलेट ब्लूम सिल्लियों और सरिया के विषय में अपेक्षाएं निर्धारित की गई हैं (मूल्य रु० 4.00)
9.	IS: 1885 (भाग 5 खंड 3)-1970 विद्युत् तकनीकी शब्दावली भाग 4 इलेक्ट्रॉन और वाल्व खंड 3 सूक्ष्म तरंग ट्यूब और वाल्व	--	इस मानक में सूक्ष्म तरंग इलेक्ट्रॉन ट्यूबों से संबन्धित शब्द और उनकी परिभाषाएं दी गई हैं। (मूल्य रु० 10.50)

*भा० मा० संस्था प्रमाणन मुहर योजना के लिए IS : 458-1971, 1 जुलाई, 1972 से लागू हो गया है।

1	2	3	4
10.	IS : 1891 (भाग 4)-1971 कन्वेयरों और एलीवेटरों के रबड़ के पट्टों की विशिष्टि भाग 4 सफाई के साठ खाद्य पदार्थों की ढुलाई में प्रयुक्त पट्टे	--	इस मानक में खाने की वस्तुओं तथा अन्य ऐसे ही वस्तुओं जिन की ढुलाई में सफाई बरते जाने की आवश्यकता होती है प्रयुक्त कन्वेयर तथा एलीवेटर के रबड़दार केनवेस के पट्टों के विषय में अपेक्षाएं निर्धारित की गई हैं । (मूल्य रु० 4.00)
11.	IS : 1965-1972 वनस्पति तेलों के विरंजन में प्रयुक्त भारत में उत्पन्न विरंजक मिट्टियां (रेह) की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 1965-1962 वनस्पति तेलों के विरंजन में प्रयुक्त भारत में उत्पन्न विरंजक मिट्टियों (रेह) की विशिष्टि	इस मानक में अमलीय तथा उदासीन दोनों प्रकार की विरंजक मिट्टियों अर्थात् रेहों के विषय में अपेक्षाएं दी गई हैं । (मूल्य रु० 2.00)
12.	IS : 2324-1971 सान चढ़ाने के चक्कों (भीतरी स्थिति में सान चढ़ाने के चक्कों को छोड़कर) के माप (पहला पुनरीक्षण)	IS : 2324-1963 सान चढ़ाने के चक्कों के माप	इस मानक में वस्तुओं के आन्तरिक हिस्सों में सान चढ़ाने के चक्कों को छोड़कर अन्य चक्कों के माप निर्धारित किए गए है । (मूल्य रु० 8.50)
13.	IS : 2332-1972 मंजिलों और तल्लों का नामकरण (पहला पुनरीक्षण)	IS . 2332-1963 तल्लों और मंजिलों का नामकरण	इस मानक में इमारतों की विभिन्न मंजिलों और उनके तल्लों को पदनाम देने की एकसमान प्रणाली निर्धारित की गई है । (मूल्य रु० 2.50)
14.	IS : 2554-1971 ढलवां ऐंगिल पट्टियों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 2554-1963 ढलवां ऐंगिल आयरन की पट्टियों की विशिष्टि	इस मानक विशिष्टि में ढलवा ऐंगिल आयरन की पट्टियों के दो ग्रेडों के विषय में अपेक्षाएं की गई हैं । (मूल्य रु० 2.50)
15.	IS : 2639-1972 पापड़ की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 2639-1966 पापड़ की विशिष्टि	इस मानक में पापड़ के संबन्ध में अपेक्षाएं और बानगी लेने तथा परीक्षण की पद्धतियां दी गई हैं । (मूल्य रु० 5.50)
16.	IS : 2720 (भाग 34)-1972 मृत्तिकाओं की परीक्षण पद्धतियां भाग 34 रबड़ के गुब्बारे की पद्धति द्वारा मौके पर मिट्टी का घनत्व ज्ञात करना ।	--	इस मानक में रबड़ के गुब्बारे वाले उपकरण का उपयोग करके कुटी हुई अथवा सुबद्ध (बांडेड) मिट्टी का मौके पर घनत्व निकालने की क्रियाविधि दी गई हैं । (मूल्य रु० 3.50)
17.	IS : 3818-1971 पूरी लम्बाई में लगने वाले (पियानो) कब्जों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS: 3818-1966 पूरी लम्बाई में लगने वाले (पियानो) कब्जों की विशिष्टि	इस मानक में पूरी लम्बाई में लगने वाले (पियानो) कब्जों के विषय में अपेक्षाएं और बानगी लेने और परीक्षण की पद्धतियां दी गई हैं । (मूल्य रु० 2.50)
18.	IS : 4332 (भाग 6)-1972 स्थिरीकृत मृत्तिकाओं के परीक्षण पद्धतियां भाग 6 साधारण कड़ी के तीसरे बिन्दु पर भार देते हुए सीमेंटयुक्त मृत्तिका की नमन सामर्थ्य	—	इस मानक में साधारण कड़ी के तीसरे बिन्दु पर भार देकर सीमेंट युक्त मृत्तिका की नमन सामर्थ्य ज्ञात करने की विधि का वर्णन किया गया है । मृत्तिका (मूल्य रु० 4.00)
19.	IS: 4880 (भाग 6)-1971 जलवाही सुरंगों की डिजाइन की रीति संहिता भाग 6 सुरंग टेक	—	इस मानक में चट्टानों और नग्न स्तर में बनी सुरंगों और बन्दरीकों (शैफ्ट) में लगने वाली इस्पात की टेकों और छतों के काबलों डिजाइन की कसौटियां वर्णित की गई हैं । (मूल्य रु० 3.50)
20.	IS : 5350 (भाग 3)-1971 1000 वोल्ट से अधिक सांकेतिक वोल्टता वाली प्रणालियों के लिए भीतर और खुले में लगने वाले पोर्सलेन के खंभे वाले रोधकों और खंभे वाली रोधक इकाइयों के माप, भाग 3 बाहर लगने वाले पेडेस्टल लगे खंभों वाले रोधक	—	इस मानक 1000 वोल्ट से अधिक और 100 हर्टज से अनधिक आवृत्ति की वोल्टता वाली प्रत्यावर्ती धारा पर काम करने वाले विद्युत संस्थापनों अथवा उपकरणों में खुले में काम आने वाली प्रयुक्त मृत्तिका सामग्रियों के बने पैडस्टल युक्त खम्भे वाले रोधकों और रोधकों की इकाइयों पर लागू होता है । इस मानक में जिन रोधकों को लिया गया है वे प्रारम्भिक रूप से पृथक्कारकों (आईसोलेटर) में अथवा बस-बार के रूप में अथवा फ्यूज टेक के रूप में काम आते हैं । (मूल्य रु० 5.00)
21.	IS : 5474 (भाग 3) 1973 जलयानों के पार्श्व झरोखों की विशिष्टि भाग 3 ढांचे में कब्जों और लगाने के छेदों की स्थिति संबंधी ब्यौरे	—	इस मानक में जलयानों के मध्यम और हल्के प्रकार के पार्श्व झरोखों के ढांचों में धूमुखी रोशनी वाले कांच बिठाने के कब्जों के लिए बनने और लगाने से संबन्धित छेदों की स्थितियां निर्धारित की गई हैं । (मूल्य रु० 2.00)

1	2	3	4
22.	IS: 5474 (भाग 13)-1972 जलयानों के पार्श्व झरोखों की विशिष्टि भाग 13 हल्के प्रकार के कांच होल्डर के ब्यौरे	—	इस मानक में जलयान में हल्के प्रकार के पार्श्व झरोखों के कांच के होल्डर में लगने वाली सामग्री और माप के विषय में अपेक्षाएं दी गई है । (मूल्य रु० 2.00)
23.	IS: 6053 (भाग 2)-1971 जूता उद्योग में प्रयुक्त हाथ के औजारों की विशिष्टि भाग 2 तल्ला काटने की रांपी	—	इस मानक में जूता उद्योग में तल्ला काटने के औजार के रूप में प्रयुक्त रांपी के विषय में अपेक्षाएं और बानगी लेने तथा परीक्षण की पद्धतियां दी गई हैं । (मूल्य रु० 2.50)
24.	IS: 6053 (भाग 3)-1971 जूता उद्योग मे प्रयुक्त हाथ के औजारों की विशिष्टि भाग 3 डिजाइनरों की छूरी	—	इस मानक में जूता उद्योग में प्रयुक्त डिजाइनरों की छूरी के विषय में अपेक्षाएं तथा बानगी लेने की पद्धतियां दी गई है । (मूल्य रु० 2.50)
25.	IS: 6213 (भाग 2)-1971 लुगदी की परीक्षण पद्धतियां भाग 2 लुगदी का मुक्त बहाव ज्ञात करना ।	—	इस मानक में लुगदी के विषय में कनाडीय मानक मुक्त बहाव और शापर राइगलर मुक्त बहाव ज्ञात करने की परीक्षण पद्धतियां दी गई है । (मूल्य रु० 2.50)
26.	IS : 6226 (भाग 1)-1971 धातुओं के रसायनिक विश्लेषण उपकरण सबन्धी सिफारिशें भाग 1 सीधे जला कर कार्बन की मात्रा ज्ञात करना ।	—	इस मानक में धातुओं, उर्वरकों और खनिजों में गुरुत्वमापी और आयतन-मापी पद्धति द्वारा खुले कार्बन की मात्रा ज्ञात करने के लिए प्रयुक्त उपकरणों के विषय में सिफारिश दी गई हैं । (मूल्य रु० 2.50)
27.	IS: 6249-1971 नौवहन में उपयोग के लिए फ्लश वाल्व और फिटिंग की विशिष्टि	—	इस मानक में जलयानों के शौचालयों में काम आने वाले फ्लश वाल्वों, पाइप और रबड़ की सील जोड़ों के विषय मे अपेक्षाएं दी गई है । (मूल्य रु० 2.50)
28.	IS : 6252-1971 लिस्टर्स नमूने की पट्टी बांधने की कैंची की विशिष्टि	—	इस मानक में लिस्टर्स नमूने की पट्टी बांधने की कैंचियों के विषय में माप और अपेक्षाएं दी गई हैं । (मूल्य रु. 3.00)
29.	IS : 6261-1971 अनाजों और पिसे हुए पदार्थों में कीड़े और कुतरकों के लगने के संदूषण की पहिचान सबन्धी विश्लेषण पद्धतियां	—	इस मानक में अनाजो तथा पिसे हुए पदार्थों मे कीड़े और कुतरक लगने के संदूषण का पता लगाने के लिए विश्लेषण पद्धतियां निर्धारित की गई है । (मूल्य रु० 8.00)
30.	IS: 6268-1971 सादे कैलिको करघों के नालों में काम आने वाले सहायक अंगों की विशिष्टि	—	इस मानक में सादे कैलिकों करघों की नालों में काम आने वाले सहायक अंगों जैसे नोक, टंग, पट्टी, क्लिप, पिछला स्प्रिंग, प्रबलन छल्ला, पाटआई, खूंटी और विश्राम पिन के विषय में अपेक्षाएं निर्धारित की गई है । (मूल्य रु० 5.00)
31.	IS : 6272-1971 हवा देने के औद्योगिक पंखों (आदमियों को हवा देने वाले) की विशिष्टि	—	इस मानक में न घूमने वाले हवा देने वाले औद्योगिक पंखों (आदमियों को हवा देने वाले) के विषय में अपेक्षाएं और परीक्षण पद्धतियां दी गई हैं । ये पंखे सामान्य रूप से औद्योगिक उपयोग के लिए होते है, और एक-फेजी तथा तीन फेजी एसी सर्किटों पर काम करते हैं । (मूल्य रु० 6.50)
32.	IS : 6284-1971 गेहूं माड़ने के लिए बिजली से चलने वाले अचल थ्रेशर की परीक्षण संहिता	—	इस संहिता में बिजली से चलने वाले गेहूं माड़ने के अचल थ्रेशर की कार्य प्रवता और उसका टिकाऊपन ज्ञात करने के लिए परीक्षण पद्धतियां दी गई हैं । (मूल्य रु० 6.50)
33.*	IS : 6285-1971 की चालन वाले मिलिंग कटर और मिलिंग आर्बर की अंतर्विनिमियता संबन्धी माप	—	इस मानक में की-चालन वाले मिलिंग कटरों और मिलिंग आर्बरों की अंतर्विनिमियता सबन्धी माप निर्धारित किए गए हैं । (मूल्य रु० 3.00)

*भा मा संस्था प्रमाणन मुहर योजना के लिए IS : 6285-1971, 1 दिसम्बर, 1973 से लागू हो गया ।

1	2	3	4
34.	IS : 6287-1971 चीनी की मिठाइयों की बानगी लेने तथा विश्लेषण की पद्धति	—	इस मानक में चीनी से बनी-बनाई मिठाइयों (कनफेक्सनरी) की बानगी लेने तथा विश्लेषण की पद्धतियां दी गई हैं। (मूल्य रु. 9.50)
35.	IS : 6289-1971 विकलांगता संबन्धी इपीफाईसील स्टैपल की विशिष्टि	—	इस मानक में विकलांगता सर्जरी में अधिवर्धन (इपीफाईसील) के लिए प्रयुक्त स्टैपल के विषय में माप संबन्धी तथा अन्य अपेक्षाएं निर्धारित की गई हैं। (मूल्य रु० 3.00)
36.	IS:6295-1971 ऊंचे आक्षाशों और/या शून्य के नीचे ताप वाले प्रदेशों में पानी की सप्लाई और जल निकास की रीतिसंहिता	—	इस संहिता में उन विशेष बातों के विषय में सिफारिशें दी गयी हैं जिनका ध्यान देश के ऊंचे आक्षाशों या शून्य से नीचे के ताप वाले प्रदेशों में पानी की सप्लाई अथवा सफाई सम्बन्धी प्रणाली का आयोजन अथवा उसकी डिजाइन तैयार करते समय रखा जाना चाहिए। (मूल्य रु० 5.00)
37.	IS:6299-1971 एकवर्णी फोटोग्राफ प्रिंटों के धरने-उठाने, परीक्षण और संग्रहण की संदर्शिका	—	इस मानक में सिलवर हैलाइड इमलशन चढ़े कागज पर प्रिंट किए संवेद्य सामग्री के निर्माताओं द्वारा दी गई हिदायतों के अनुसार तैयार किए गए एक वर्णी फोटोग्राफ प्रिंटों को लम्बी अवधि तक ठीक स्थिति में बनाए रखने के उद्देश्य से उनका प्रतिबिम्ब ठीक रखने उचित रूप से धरने-उठाने तथा दिखाने और सग्रह करने की परिवालीय स्थितियों के सम्बन्ध में मार्ग-दर्शन दिया गया है। (मूल्य रु० 2.00)
38.	IS:6302-1971 भवर हौद की विशिष्टि .	—	इस मानक में क्षति ग्रस्त अंग की सिकाई के लिए प्रयुक्त भवर हौद के सम्बन्ध में लगने वाली सामग्री, आकृति, माप, निर्माण, कारीगरी, फीनिश और सुरक्षा सम्बन्धी अपेक्षाएं दी गई हैं। (मूल्य रु० 2.50)
39.	IS:6304-1971 चिपकी पट्टियों वाली सीसा अम्ल प्रकार की अचल सेलों तथा बैटरियों की विशिष्टि	—	इस मानक में चिपकाकर लगाई हुई पट्टियों वाली अचल सेलों और बैटरियों के सम्बन्ध में माप, समाई और कार्यप्रदता सम्बन्धी अपेक्षाएं दी गई हैं। (मूल्य रु० 4.00)
40.	IS:6313 (भाग 1)—1971 इमारतों में दीमक रोधी उपायों की रीतिसंहिता भाग 1 निर्माण सम्बन्धी उपाय	—	इस मानक में इमारतों में जमीन से नीचे से लगने वाली दीमक को रोकने के लिए निर्माण के दौरान किए जाने वाली दीमक-रोधी उपाय बताए गए है। (मूल्य रु० 6.50)
41.	*IS:6314-1971 एक कोना गोल करने वाले मिलिंग कटर की विशिष्टि	—	इस मानक में एक कोना गोल करने वाले मिलिंग कटरों के विषय में माप तथा अन्य अपेक्षाएं निर्धारित की गई है। (मूल्य रु० 3.00)
42.	IS:6315-1971 वजनी दरवाजों के लिए फर्श में लगाने वाली स्प्रिंगों (द्रव नियंत्रित) की विशिष्टि	—	इस मानक में 125 किग्रा से कम वजन वाले खड़े दरवाजों में फर्श में अदृश्य रूप से लगने वाले स्प्रिंगों (द्रव नियन्त्रित) के विषय में अपेक्षाएं दी गई हैं। (मूल्य रु० 4.00)
43.	*IS:6322-1971 अवनत मिलिंग कटर की विशिष्टि	—	इस मानक में अवनत मिलिंग कटरों के विषय में माप तथा अन्य अपेक्षाएं दी गई हैं। (मूल्य रु० 3.00)
44.	*IS:6323-1971 उत्तल मिलिंग कटरों की विशिष्टि	—	इस मानक में उत्तल मिलिंग कटरों के विषय में माप तथा अन्य अपेक्षाएं दी गई हैं। (मूल्य रु० 3.00)
45.	*IS:6324-1971 एक कोणीय मिलिंग कटर की विशिष्टि	—	इस मानक में एक कोणीय मिलिंग कटरों के विषय में माप और अन्य अपेक्षाएं दी गई हैं। (मूल्य रु० 3.00)
46.	*IS:6325-1971 द्विकोणीय मिलिंग कटरों की विशिष्टि	—	इस मानक में द्विकोणीय मिलिंग कटरों के विषय में माप और अपेक्षाएं दी गई है। (मूल्य रु० 3.00)
47.	IS:6331-1971 स्वचल वाहनों में प्रयुक्त भूरे लोहे की ढली वस्तुओं सम्बन्धी विशिष्टि	—	इस मानक में स्वचल वाहनों तथा सम्बद्ध उद्योगों में काम आनेवाली भूरे लोहे की ढली वस्तुओं के विषय में अपेक्षाएं दी गई हैं। (मूल्य रु० 3.50)

*भा. मा. संस्था प्रमाणन मुहर योजना के लिए IS:6314-1971, IS:6322-1971, IS:6323-1971, IS:6324-1971, IS:6325-1971, 1 दिसम्बर, 1973 से लागू हो गया।

1	2	3	4
48.	IS:6332-1971 पहले से ढली दोपलिया कोश (सेल) अंगों के उपयोग द्वारा फर्शों और छतों के निर्माण की रीतिसंहिता	—	इस मानक में पहले से ढले कीपनुमा कोशों के उद्योग द्वारा बनने वाले फर्शों और छतों के निर्माण के ब्यौरे दिए गए हैं। (मूल्य रु० 5.50)
49.	IS:6343-1971, 40 किलोग्राम तक वजन वाले हल्के दरवाजे के डोर क्लोजर (वायु नियंत्रित) की विशिष्टि	—	इस मानक में 40 किलोग्राम तक वजन वाली हल्के दरवाजे पर लगने वाले डोर क्लोजर (वायु नियन्त्रित) के विषय में अपेक्षाएं दी गई हैं। (मूल्य रु० 4.00)
50.	IS:6345-1971 उतराने और डुबाने सम्बन्धी विश्लेषण के लिए कोयले की बानगी लेने की पद्धतियां	—	इस मानक में कोयले क धुलन क्षमता सम्बन्धी लक्षणों तथा धोने के हौदों की कार्यकुशलता के मूल्यांकन के लिए कोयले के डुबाने और उतराने के विश्लेषण के सम्बन्ध में बानगी लेने की पद्धतियां दी गई है। (मूल्य रु० 2.50)
51.	IS:6350-1971 जूते के क्रीम की विशिष्टि	—	इस मानक में सामान्य रूप से चमड़े के जूतों पर लगाए जाने योग्य मोम के इमलसन वाली जूते के क्रीम के विषय में अपेक्षाएं और बानगी लेने तथा परीक्षण की पद्धतियां दी गई हैं। (मूल्य रु० 3.50)
52.	IS:6360-1971 लैक्टो बोन बोन की विशिष्टि	—	इस मानक में लैक्टो बोन-बोन के विषय में अपेक्षाएं और बानगी लेने तथा परीक्षण की पद्धतियां दी गई है। (मूल्य रु० 2.50)
53.	IS:6368-1971 रबड़ और रबड़ कैनवेस के जूतों की बानगी लेने की पद्धति	—	इस मानक में ऐसे जूतों की बानगी लेने तथा मानक अनुरूप होने की कसौटियां दी गई है जिनका उपल्ला पूर्ण रूप या आंशिक रूप से रबड़ अथवा कैनवेस के बना हो और तल्ला रबड़ का हो। (मूल्य रु० 2.50)
54.	IS:6398 1971 जोड़रहित और वेल्डकृत पाइपों और नलियों के लिये विद्युत भंवरधार परीक्षण की रीतिसंहिता	—	इस मानक मे जोड़रहित और वेल्डकृत पाइपों और नलियों तथा नलिकाकार वस्तुओं में दोषों का पता लगाने के लिए विद्युत भंवरदार पद्धतियां दी गई हैं। ये पाइप तथा नलियां 3 से 63 मिमी बाहरी व्यास वाली तथा उनकी दीवारों की मोटाई 3 मिमी तक हो सकती है। ये मानक एक सामान काट क्षेत्र और संघटन वाले लौह और अलौह पाइपों पर लागू होता है। (मूल्य रु० 3.50)
55.	IS:6405-1971, कैथाजेथाइन, खाद्य श्रेणी की विशिष्टि		इस मानक में खाद्य श्रेणी के कैथा जैथाइन के विषय में अपेक्षाएं परीक्षण की पद्धतियां दी गई है। (मूल्य रु० 2.50)
56.	IS:6408-1971 माडुलीय समंजन सम्बन्धी सिफारिशें भवन निर्माण उद्योग में छूटों का उपयोग	—	इस मानक में भवन निर्माण उद्योग में माप सम्बन्धी छूटों का एक सामान रूप से लागू करने का आधार बताया गया है। (मूल्य रु० 5.00)
57.	IS:6418-1971 सामान्य इंजीनियरिंग कार्यों के लिए ढलवां लोहे और वर्द्ध ढलवां लोहे के फ्लेंजों की विशिष्टि	—	इस मानक मे सामान्य इंजीनियरी कार्यों के लिए प्रयुक्त ढलवा लोहे अथवा वर्द्ध ढलवा लोहे के फ्लेंजों को लिया गया है। ये फ्लेंज तेल, पानी, भात, संपीडित वायु तथा अन्य असंक्षारक द्रवों के लिए 0° से 300 से० तक के ताप पर उपयोग किए जा सकते है। (मूल्य रु० 5.50)
58.	IS:6450-1971 डेरी उद्योग के लिए रबड़ की विशिष्टि	—	इस मानक में तेल प्रतिरोधी तथा अप्रतिरोधी ऐसे वल्कनीकृत रबड़ों के विषय में अपेक्षाएं और बानगी लेने तथा परीक्षण की पद्धतियां दी गई हैं जो डेरी उद्योग मे 10° से० तक काम के लिए रबड़ के हिस्सों के निर्माण में काम आते हैं (मूल्य रु० 4.00)
59.	IS:6452-1972 संरचनात्मक उपयोग के लिए उच्च एल्युमिना सीमेंट की विशिष्टि	—	इस मानक में उच्च एल्युमिना सीमेंट (हेंग) के देश के ठंडे प्रदेशों प्रदेशो मे (10° से० से कम पर लगतार) उपयोग के लिए संरचनात्मक इमारता सामग्री के रूप मे विशिष्टि अपेक्षाएं दी गई है (मूल्य रु० 2.50)
60.	IS:6459-1972 मिट्टी पलटने के लिए पशुओं द्वारा खींचे जाने वाले द्विपक्षीय हल	—	इस मानक में पशुओं द्वारा खींचे जाने वाले दोनों तरफ से काम आने वाले मिट्टी पलटने के हलों में लगने वाली सामग्री तथा उनके माप निर्धारित किए गए हैं। (मूल्य रू० 3.50)

1	2	3	4
61	IS:6472-1971 चश्मो के टिटयुक्त काचों की सामान्य अपेक्षाएं	—	इस मानक में धूप के चश्मों तथा टिटयुक्त लेंस बनाने के काम आने वाले टिटयुक्त दृष्टि सम्बन्धी कांच के विषय में अपेक्षाएं दी गई हैं। (मूल्य रु० 2.50)
62	IS:6473-1972 आंख की रोशनी जांचने के लेंस के सेट की विशिष्टि	—	इस मानक में आंख के रोशनी जांचने के कार्य में काम आने वाले लेंसों की मुख्य बातें दी गई हैं। इन लेंसों से आंख के कमजोरी की नाप की जाती है। (मूल्य रु० 5.50)
63.	IS:6490-1971 कपड़ों की दुर्नम्यता ज्ञात करने की पद्धतियां-कैन्टीलीवर परीक्षण	—	इस मानक में किसी भी रेशे अथवा दो या तीन प्रकार के मिले-जुले रेशों से बने कपड़ों की दुर्नम्यता ज्ञात करने की पद्धति निर्धारित की गई है। (मूल्य रु० 2.50)
64.	IS:6501-1972 स्टिल फूअर नमूने के विकलांगता सम्बन्धी गोज फोर्सेप्स की विशिष्टि	—	इस मानक में विकलांगता सर्जरी में प्रयुक्त स्टिल फूअर नमूने के गोज फोर्सेप्स के सम्बन्ध में माप तथा अन्य अपेक्षाएं निर्धारित की गई हैं। (मूल्य रु० 30.00)

इन भारतीय मानकों की प्रतियां, भारतीय मानक संस्था, 9-बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली और उसके शाखा कार्यालयों (1) 'माधवा' नूरमोहमद शेख मार्ग, खानपुर, अहमदाबाद-1 (2) 'एफ' ब्लाक यूनिटी बिल्डिंग नरसिंहराज स्क्वायर, बंगलौर-2 (3) 534 सरदार वल्लभ भाई रोड, बम्बई-7 (4) 5 चौरंगी एप्रोच, कलकत्ता-13 (5) 5-9-20 1/2 एचिसन अली लेन हैदराबाद-1 (6) 117/418 बी सर्वोदय नगर कानपुर (7) 54 जनरल पैटर्स रोड, मद्रास-2 और (8) बी सी 1 बिल्डिंग (तीसरी मंजिल) गांधी मैदान, पूर्वी पटना, से प्राप्त की जा सकती हैं।

[सं० सी एम डी/13:2]

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT, SCIENCE & TECHNOLOGY

(Indian Standards Institution)

New Delhi, the 6 February, 1974

S. O. 510.—In pursuance of sub-regulations (2) and (3) of regulation 3 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, as amended from time to time, the Indian Standards Institution hereby notifies that the Indian Standard(s), particulars of which are mentioned in the Schedule given hereafter, have been established during the period 1 June to 30 June 1972;

SCHEDULE

Sl. No.	No. and Title of the Indian Standard Established	No. and Title of the Indian Standard if any, superseded by the new Indian Standard	Brief Particulars
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	*IS:458-1971 Specification for concrete pipes (withand without reinforcement) **(Second Revision)**	IS: 458-1961 Specification for concrete pipes (with and without reinforcement) **(Revised)**	This standard covers the requirements and test for reinforced and unreinforced cement concrete pipes, of both pressure and non-pressure varieties used for water mains, sewers, culverts and irrigation. (Price Rs. 7.50)
2.	*IS: 578-1971 Specification for full-chrome upper leather **(Second Revision)**	IS: 578-1964 Specification for full-chrome upper leather **(Revised)**	This standard prescribes the requirements, methods of sampling and test for full-chrome upper leather. (Price Rs. 2.00)
3.	IS:1418-1972 Method for assaying of gold in gold and gold alloys **(First Revision)**	IS: 1418-1962 Method for assaying of gold and gold alloys	This standard prescribes the method for assaying of gold in gold and gold alloys (Price Rs. 2.50)
4.	IS-1448 [P:11]-1971 Freezing point of aviation fuels **(Second Revision [P:11])**	IS: 1448 [P:11]:1967 Freezing point **(First Revision)**	This method describes a procedure for the detection of separated solids in aviation (reciprocating engine and turbine engine) fuels at any temperature likely to be encountered during flight or on the ground. (Price Rs. 2.00)
5.	IS:1498:1970 Classification and identification of soils for general engineering purposes **(First Revision)**	IS: 1498-1959 Classification and identification of soils for general engineering purposes	This standard covers a system for classification and identification of soils for general engineering purposes. The information given in this standard should be considered as for guidance only for treating the soil for engineering purposes. (Price Rs. 7.50)

* For purposes of ISI Certification Marks Schemes, IS: 458-1971 shall come into force with effect from 1 July, 1972.

(1)	(2)	(3)	(4)
6.	IS: 1825-1971 Specification for aluminium milk cans **(First Revision)**	IS: 1825-1961 Specification for aluminium milk cans	This standard prescribes the requirement for aluminium milk cans used for collection and distribution of fluid milk. This standard covers cans of: (a) rated capacity of 10 and 20 litres for delivery cans; and (b) 20, 30 40 and 50 litres for transport cans. (Price Rs. 5.00)
7.	IS: 1841-1971 Specification for EC grade aluminium rod produced by rolling **(First Revision)**	IS: 1841-1961 Specification for rolled aluminium rods (electrical conductor grade) for electrical purposes	This standard covers the requirements for EC grade rods 9.50 mm in nominal diameter, produced by rolling for electrical conductors. (Price Rs. 2.00)
8.	IS: 1875-1971 Specification for carbon steel billets, blooms, slabs and bars for forgings **(Third Revision)**	IS: 1875-1966 Specification for carbon steel billets, blooms and slabs for forgings **(Revised)**	This standard covers the requirements for seven classes of carbon steel billets, blooms, slabs and bars for forgings designated as Classes 1, 2, 3, 3A, 4, 5 and 6.(Price Rs.4.00)
9.	IS: 1885 (Part IV/Sec 3)-1970 Electrotechnical vocabulary Part IV *Electron tubes* and valves Section 3 Microwave tubes and valves	—	This standard covers definitions of terms relating to microwave electron tubes. (Price Rs. 10.50)
10.	IS: 1891 (Part IV)-1971 Specification for rubber conveyor and elevator belting Part IV Hygienic belting	—	This standard covers the requirements for rubberized canvas hygienic conveyor belting intended for handling foodstuffs and other products which require hygienic handling. (Price Rs. 4 00)
11.	IS: 1965-1972 Specification for bleaching earths of Indian Origin used for bleaching vegetables oils **(First Revision)**	IS: 1965-1961 Specification for bleaching earths of Indian origin used for decolorizing vegetable oils	This standard prescribes the requirements for bleaching earths, acidic as well as neutral. (Price Rs. 2.00)
12.	IS: 2324-1971 Dimensions for grinding wheels (Other than internal grinding wheels) **(First Revision)**	IS: 2324-1963 Dimensions for grinding wheels	This standard lays down dimensions for grinding wheels other than internal grinding wheels. (Price Rs. 8.50)
13.	IS: 2322-1972 Nomenclature of floors and and storeys **(First Revision)**	IS: 2332-1963 Nomenclature of floors and storeys	This standard lays down a uniform system for the designation of floors and storeys in buildings. (Price Rs. 2.50)
14.	IS: 2554-1971 Specification for cast iron angle plates **(First Revision)**	IS: 2554-1963 Specification for cast iron angle plates	This standard lays down the requirements for two grades of cast iron angle plates (Price Rs. 5.50)
15.	IS: 2639-1972 Specification for **PAPAD** **(First Revision)**	IS: 2639-1964 Specification for **PAPAD**	This standard prescribes the requirements and the methods of sampling and test for **PAPAD.** (Price Rs. 5.50)
16.	IS: 2720 (Part XXXIV)-1972 Methods of test for soils Part XXXIV Determination of density of soil in-place by rubber-balloon method	—	This standard covers the procedure for determining the density in place of compacted or firmly bonded soils using a rubber-balloon apparatus. (Price Rs. 3.50)
17.	IS: 3818-1971 Specification for continuous (Piano) hinges **(First Revision)**	IS: 3818-1966 Specification for continuous (Piano) hinges	This standard lays down the requirements for continuous (Piano) hinges. (Price Rs. 2.50)
18.	IS: 4332 (Part VI)- 1972 Methods of test for stabilized soils Part VI Flexural strength of soil-cement using simple beam with third-point loading	—	This standard covers the procedure for determining the flexural strength of soil-cement by the use of a simple beam with third-point loading. (Price Rs. 4.00)
19.	IS: 4880 (Part VI)-1971 Code of practice for design of tunnels conveying water Part VI Tunnel supports	—	This standard covers the criteria for design of steel supports and roof bolts for tunnels and shafts in rock and soft strata. (Price Rs. 3.50)
20.	IS: 5350 (Part III)-1971 Dimensions of indoor and outdoor porcelain post insulators and post insulator units for systems with nominal voltages greater than 1,000 V Part III Outdoor pedestal post insulators	—	This standard applies to pedestal type post insulator and post insulator units of ceramic materials intended for outdoor service in electrical installations or equipment operating on alternating current with a rated voltage greater than 1,000 V and a frequency not greater than 100 Hz. The insulators covered by this standard are primarily intended for use in isolators (disconnectors) or as bus bar or as fuse supports. (Price Rs. 5.00)
21.	IS: 5474 (Part III)-1972 Specification for ships' side scuttles Part III Details of position of lugs and securing holes on the frame	—	This standard gives the position of lugs for glass holder hinge, deadlight hinge, swing bolts and securing holes on the frame of medium and light type ships' side scuttles. (Price Rs. 2.00)
22.	IS: 5474 (Part XIII)-1972 Specification for ships' side scuttles Part XIII Details of glass holder, light type	—	This standard specifies the materials and dimensions of glass holder for light type ships' side scuttles. (Price Rs. 2.00)

(1)	(2)	(3)	(4)
23.	IS: 6053 (Part II)-1971 Specification for hand tools for footwear industry Part II Bottom cutting knife ((Rampi)	—	This standard prescribes the requirements, methods of sampling and test for bottom cutting knife ((RAMPI), used in footwear industry for cutting bottom components. (Price Rs. 2.50)
24.	IS: 6053 (Part III)-1971 Specification for hand tools for footwear industry Part III Designers' knife	—	This standard prescribes the requirements, methods of sampling and test for designers' knife, used in footwear industry. (Price Rs. 2.50)
25.	IS: 6213 (Part II)-1971 Methods of test for pulp Part II Determination of freeness of pulp	—	This standard prescribes the methods of test for determination of Canadian Standard Freeness and Schopper Reigler Freeness of pulp. (Price Rs. 2.50)
26.	IS:6226 (Part I)-1971 Recommendations for apparatus for chemical analysis of metals Part I Determination of carbon by direct combustion	—	This standard recommends apparatus used for determination of total carbon in metals, ores and minerals by gravimetric and volumetric methods. (Price Rs. 2.50)
27.	IS: 6249-1971 Specification for flush valves and fittings for marine use	—	This standard covers the requirements for flush valves, flush pipes and rubber seal connections for use with water closets on board ships. (Price Rs. 2.50)
28.	IS: 6252-1971 Specification for scissors bandage, Lister's pattern	—	This standard lays down dimensions and requirements of Lister's pattern bandage scissors. (Price Rs. 3.00)
29.	IS: 6261—1971 Methods of analysis for detection of insect and rodent contamination in grains and milled products	—	This standard prescribes methods of analysis for detection of insect and rodent contamination in grains and milled products. (Price Rs. 8.00)
30.	IS: 6268-1971 Specification for Accessories for use in shuttles for plain calico looms	—	This standard prescribed requirements of accessories, such as tip, tongue, plate clip, back spring, reinforcement ring, pot eye, peg and rest pin for use in shuttles for use in shuttles for plain claico looms. (Price Rs. 5.00)
31.	IS: 6272-1971 Specification for industrial cooling fans (Man coolers)	—	This standard specifies the requirements and methods of test of industrial cooling fans (man coolers) non-oscillating, suitable for use on single-phase and 3-phase ac circuits, intended for normal industrial use. (Price Rs. 6.50)
32.	IS: 6284-1971 Test code for stationary power thresher for wheat	—	This code prescribes the method of testing of stationary power threshers for wheat to evaluate their performance and durability. (Price Rs. 6.00)
33.	*IS: 6285-1971 Dimensions for interchangeability of milling cutters and milling arbors with key drive	—	This standard specifies dimensions for interchangeability of milling cutters and milling arbors with key drive. (Price Rs. 3.00)
34.	IS: 6287-1971 Methods of sampling and analysis for sugar confectionery.	—	This standard prescribes the methods of sampling and analysis for sugar confectionery (Price Rs. 9.50)
35.	IS : 6289-1971 Specification for staple, epiphyseal, orthopaedic.	—	This standard prescribes dimensional and other requirements for staple used for epiphyseal arrest in orthopaedic surgery. (Price Rs. 3.00.)
36.	IS : 6295-1971 Code of practice for water supply and drainage in high altitudes and/or sub-zero temperature regions.	—	This code gives recommendations regarding the factors to be given consideration while planning and designing water supply and sanitation system peculiar to high altitudes and/or sub-zero temperature regions of the country. (Price Rs. 5.00)
37.	IS : 6299-1971 Guide for handling, testing and storage of monochrome photographic prints.	—	This standard gives guidance for ensuring stability of image, proper handling and display and ambient conditions of storage to achive prolonged life for monochrome photographic prints on paper coated with silver halide emulsion and processed in accordance with the instructions issued by the manufacturers of the sensitized material in use. (Price Rs. 2.00)
38.	IS : 6302-1971 Specification for whirlpool bath	—	This standard lays down the requirements pertaining to materials, shape, dimensions, manufacture, workmanship, finish and safety for whirlpool baths. (Price Rs. 2.50)

* For purposes of ISI Certification Marks Scheme, IS:6285-1971 shall come into force with effect from 1 December 1973.

1	2	3	4
39.	IS: 6304-1971 Specification for stationary cells and batteries, lead-acid type with pasted plates.	—	This standard covers dimensions, capacities and performance requirements of stationary cells and batteries using pasted type plates. (Price Rs. 4.00)
40.	IS: 6313 (Part I)-1971 Code of practice for anti-termite measures in buildings Part I Constructional measures.	—	This standard covers anti-termite constructional measures for the control of subterranean termites in buildings. (Price Rs. 6.50)
41.	*IS: 6314-1971 Specification for single corner rounding milling cutters.	—	This standard prescribes dimensions and requirements for single corner rounding milling cutters. (Price Rs. 3.00)
42.	IS: 6315-1971 Specification for floor springs (Hydraulically regulated) for heavy doors.	—	This standard covers the requirements for concealed type floor springs (hydraulically regulated) for vertical doors weighing not more than 125 kg. (Price Rs. 4.00)
43.	*IS: 6322-1971 Specification for concave milling cutters.	—	This standard prescribes dimensions and requirements for concave milling cutters (Price Rs. 3.00)
44.	*IS: 6323-1971 Specification for convex milling cutters.	—	This standard prescribes dimensions and requirements for convex milling cutters (Price Rs. 3.00)
45.	*IS : 6324-1971 Specification for single angle milling cutters.	—	This standard prescribes dimensions and requirements for single angle milling cutters (Price Rs. 3.00)
46.	*IS: 6325-1971 Specification for double angle milling cutters.	—	This standard prescribes dimensions and requirements for double angle milling cutters (Price Rs. 3.00)
47.	IS: 6331-1971 Specification for automotive grey iron castings.	—	This standard covers the requirements for grey iron castings used in automobile and allied industries. (Price Rs. 3.50)
48.	IS: 6332-1971 Code of practice for construction of floors and roofs using precast doublycurved shell units.	—	This standard covers the details of construction of floors and roofs built with precast funicular shells. (Price Rs. 5.50)
49.	IS: 6343-1971 Specification for door closers (Pneumatically regulated) for light doors weighing upto 40 kg.	—	This standard covers the requirements for door closers (Pneumatically regulated) for use on light doors weighing up to 40 kg. (Price Rs. 4.00)
50.	IS: 6345-1971 Methods of sampling of coal for float and sink analysis.	—	This standard prescribes the methods of sampling of coal for float and sink analysis for the purpose of evaluating the washability characteristics of coal and efficiency of washing baths. (Price Rs. 2.50)
51.	IS: 6350-1971 Specification for shoe cream	—	This standard prescribes the requirements and methods of sampling and test for waxemulsion type shoe cream suitable for general application to leather footwear. (Price Rs. 3.50)
52.	IS: 6360-1971 Specification for lacto bonbon	—	This standard covers the requirements and the methods of sampling and tests for lacto bonbons. (Price Rs. 2.50)
53.	IS: 6368-1971 Methods for sampling of rubber and rubber combination footwear.	—	This standard prescribes the methods of sampling and criterial for conformity for rubber footwear whose upper may be wholly or partly made of rubber or canvas and sole made of rubber. (Price Rs. 2.50)
54.	IS: 6398-1971 Code of practice for eddy current testing of seamless and welded pipes and tubes.	—	This standard prescribes the methods of eddy current detection of defects in seamless and welded pipes and tubular products of outer diameter from 3 to 63 mm and of wall thickness upto 3 mm. This standard is applicable to ferrous and non-ferrous pipes of uniform cross-section and composition. (Price Rs. 3.50)
55.	IS: 6405-1971 Specification for canthaxanthine, food grade.	—	This standard prescribes requirements and methods of test for canthaxanthine, food grade. (Price Rs. 2.50)
56.	IS: 6408-1971 Recommendations for modular co-ordination—application of tolerances in building industry.	—	This standard lays down the basis for uniform application of dimensional tolerances in building industry. (Price Rs. 5.00)

*For purposes of ISI Certification Marks Scheme, IS: 6314-1971, IS: 6322-1971, IS: 6323-1971, IS: 6324-1971 and IS: 6325-1971 shall come into force with effect from 1 December 1973.

1	2	3	4
57.	IS: 6418-1971 Specification for cast iron and malleable cast iron flanges for general engineering purposes.	—	This standard covers cast iron and malleable cast iron flanges for general engineering purposes. The flanges shall be applicable from 0° to 300° C for oil, water, steam, compressed air, gases and other non-corrosive fluids. (Price Rs. 5.50)
58.	IS: 6450-1971 Specification for rubbers for the dairy industry.	—	This standard prescribes the requirements and methods of sampling and test for vulcanized non-oil resistant and oil resistant rubbers used in the manufacture of rubber parts for the dairy industry suitable for use up to −10°C. (Price Rs. 4.00)
59.	IS: 6452-1972 Specification for high alumina cement for structural use.	—	This standard covers the manufacture of high alumina cement (HAG) and the specific requirements for its use as a structural building material in the colder regions of our country (continuously 18°C and below). (Price Rs. 2.50)
60.	IS: 6459-1972 Specification for two-way animal drawn mouldboard plough shares.	—	This standard specifies the material and dimensions of two-way animal drawn mouldboard plough shares. (Price Rs. 3.50)
61.	IS: 6472-1971 General requirements for tinted ophthalmic glass.	—	This standard specifies requirements of tinted ophthalmic glass used for making sunglasses and tinted lenses. (Price Rs. 2.50)
62.	IS: 6473-1972 Specification for trial spectacle lens sets.	—	This standard specifies the features of eye testing trial lens sets which allow the anomalous refraction to be tested. (Price Rs. 3.50)
63.	IS: 6490-1971 Method for determination of stiffness of fabrics—cantilever test.	—	This standard prescribes a method for determination of stiffness of fabrics made from any textile fibre or a blend of two or more textile fibres. (Price Rs. 2.50)
64.	IS: 6501-1972 Specification for forceps, gouge, orthopaedic, Stille Luer's pattern.	—	This standards prescribes dimensions and other requirements for gouge forceps of Stille Luer's pattern used in orthopaedic surgery. (Price Rs. 3.00)

Copies of these Indian Standards are available for sale with the Indian Standards Institution, Manak Bhavan, 9 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-1 and also its branch offices at (i) 'Sadhna' Nurmohamed Shaikh Marg, Khanpur, Ahmedabad-1 ; (ii) F Block, Unity Bldg., Narasimharaja Square, Bangalore-2; (iii) 534 Sardar Vallabhbhai Patel Road, Bombay-7, (iv) 5 Chowringhee Approach, Calcutta-13; (v) 5-9-201/2-A (First Floor), Chirag Ali Lane, Hyderabad-1; (vi) 117/418 B Sarvodaya Nagar; Kanpur-5; (vii) 54 General Patters Road, Madras-2 and (vii) B.C.I. Building (3rd Floor) Gandhi Maidan East, Patna-4.

[No. CMD/13 : 2]

नई दिल्ली, 8 फरवरी, 1974

का. आ. 511.—समय-समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिन्ह) विनियम 1955 के विनियम 8 के उपविनियम (1) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि 30 लाइसेंस जिनके ब्यौरे नीचे अनुसूची में दिए गए है लाइसेंसधारियों को मानक संबंधी मुद्रा लगाने के अधिकार देते हुए माह सितम्बर 1972 में स्वीकृत किए गए है :—

अनुसूची

क्रम संख्या	लाइसेंस संख्या (सी एम/एल—)		वैधता की अवधि		लाइसेंसधारी का नाम और पता	लाइसेंस के अधीन वस्तु/प्रक्रिया और तत्संबंधी : पदनाम
			से	तक		
(1)	(2)		(3)	(4)	(5)	(6)
1.	सी एम/एल-3149	8-9-1972	16-9-1972	15-9-1973	मैसर्स एम० आर० ट्रेडर्स 35/ए मुरारी पुकुर रोड कलकत्ता-4	चाय की पेटियों के लिए प्लाईवुड के तख्ते— IS : 10-1970
2.	सी एम/एल-3150	12-9-1972	16-9-1972	15-9-1973	वि रेयाट्स ऐग्रीकल्चरल प्रोड्यूस् कोआपरेटिव मार्केटिंग सोसायटी लि० बंगलौर-मैसूर रोड 58 वां और 59 वां मील, (वि मैसूर एसीटेट केमिकल्स लि० के सामने) मांड्या (कर्नाटक)	मुर्गियों का चुग्गा— IS : 1374-1968
3	सी एम/एल-3151	13-9-1972	16-9-1972	15-9-1973	मैसर्स अरोड़ा एलुमिनियम एण्ड एलाइड वर्क्स प्रा० लि० कसिया रोड, देवरिया (उ० प्र०)	पिटवां एलुमिनियम के बर्तन ग्रेड केवल एम आई सी— IS : 21-1959

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
4. सी एम/एल–3152 . . 13-9-1972		16-9-1972	15-9-1973	मैसर्स परोगिया मेटल इंडस्ट्रीज 106-धर्मतल्ला रोड घुसुरी-हावड़ा-7	संरचना इस्पात (मानक किस्म)—— IS : 226–1969
5. सी एम/एल-3153 . . 13-9-1972		16-9-1972	15-9-1973	,,	संरचना इस्पात (साधारण किस्म)—— IS : 1977–1969
6 सी एम/एल-3154 . . 15-9-1972		16-9-1972	15-9-1973	दि कंक्रीट कान्स्ट्रक्शन कं० 26, नीलगंज रोड, बेलघारिया कलकत्ता-58 (इनका कार्यालय, 29, वाटरलू स्ट्रीट कलकत्ता में है)	कंक्रीट परीक्षण के लिए घनाकार सांचे—— IS : 516–1959
7. सी एम/एल-3155 . . 15-9-1972		16-9-1972	15-9-1973	मैसर्स एलाइड रेजिन एण्ड केमिकल्स लि०, बजबज, ट्रंक रोड, रामपुर गोबिन्दपुर डाकघर जिला 24-परगना (पं० बंगाल) (इनका कार्यालय 13, कैमेक स्ट्रीट, कलकत्ता-27 मे है)	हैक्सामिथाइल, टेट्रामीन (हैक्सामीइन) IS : 4306–1967
8. सी एम/एल-3156 . . 15-9-1972		1-10-1972	30-9-1973	मैसर्स एथरशाइन इलेक्ट्रिकल वर्क्स (इ) 10/61, इंडस्ट्रियल एरिया कीर्तिनगर, नई दिल्ली	तांबे के चालकों वाले पी वी सी रोधित और पी वी सी खोल वाले कवच चढ़े नियंत्रण केबल्स 12 कोर तक और 4 मि मी^{2}, 1.1 किवो—— IS : 1554 (भाग 1)–1964
9 सी एम/एल-3157 . . 15-9-1972		16-9-1972	15-9-1973	मैसर्स शा वैलेस एण्ड कं० लि०, 8/9 मम्बू चेट्टी स्ट्रीट, मद्रास-1	रोकर स्प्रेयर—— IS : 3062–1965
10. सी एम/एल-3158 . . 15-9-1972		16-9-1972	15-9-1973	मैसर्स वीनस डिस्टिलरीज 6वां क्रास मागदी रोड, बंगलौर-23	जिन—— IS : 3100–1967
11. सी एम/एल-3159 . . 15-9-1972		16-9-1972	15-9-1973	मैसर्स गोल्डन स्टील कारपोरेशन, प्रा० लि०, 64-जी टी रोड, (नार्थ) लिलुआ, हावड़ा (पं० बंगाल)	1. पार्लियामेंट कब्जे—— IS : 362–1968 2. टक्कर वाले कब्जे IS : 1341–1970
12. सी एम/डी-3160 . . 15-9-1972		1-9-1972	31-8-1973	मैसर्स महावीर इंडस्ट्रीज, कड़वा पट्टीदार वाड़ी, रुवापाड़ी रोड, भावनगर (गुजरात)	18-लीटर समाई वाले वर्गाकार टिन—— IS : 916–1966
13. सी एम/एल-3161 . . 15-9-1972		16-9-1972	15-9-1973	वेवीवयाल (सेल्स) प्रा० लि० तुलसीराम गुप्त मिल्स इस्टेट, रिए रोड, दारूखाना बम्बई-10	डी डी टी धूलन पाउडर—— IS · 564–1961
14 सी एम/एल-3162 . . 20-9-1972		1-10-1972	30-9-1973	मैसर्स इंडिया फायर ब्रिक्स एण्ड इंसूलेशन कम्पनी लिमिटेड, रामगढ़ डाकघर मरार, जिला हजारीबाग (बिहार)	सामान्य ताप कार्य के लिए अग्नि मिट्टी के ऊष्मासह वर्ग 'ए'—— IS : 6–1967
15. सी एम/एल-3163 . . 22-9-1972		1-10-1972	30-9-1973	मैसर्स कृषि डिस्क्स प्रा० लि० सी-1–सी 6, इंडस्ट्रियल एरिया परसा खेड़ा, बरेली (इनका कार्यालय, 50 सिविल लाइन्स बरेली में है)	भारी अवतल चकतियां, जुताई में प्रयुक्त चापी मार्ग वाली गोल नियंत्रक छेद युक्त साइज 4 मि मी मोटाई की 610 मि मी वाली—— IS : 4366 (भाग 1)–1972
16. सी एम/एल-3164 . . 22-9-1972		1-10-1972	30-9-1973	मैसर्स विदर्भ कोआपरेटिव मार्केटिंग सोसायटी लि०, अमरावती-बाडनेरा रोड, अमरावती से चौथा मील, पोस्ट बाक्स सं० 46, अमरावती । (इनका कार्यालय फैक्टरी डिवीजन अमरावती नागपुर में है)	बी एच सी धूलन पाउडर—— IS : 561–1962
17. सी एम/एल-3165 . . 22-9-1972		16-9-1972	15-9-1973	मैसर्स पटेल टिन मैन्यु कं०, निकट चौखुडिया महादेव रखियल, रोड, अहमदाबाद-23	13 लीटर समाई वाले टिन; IS : 916; 1966

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
18	सी एम/एल-3166 . . 22-9-1972	1-10-1972	30-9-1973	मैसर्स ट्रांसफार्मर मैन्यु० इन्डस्ट्रीज, कपेलीधर, ध्रागध्रा (गुजरात)	इकहरी कोर वाले बिना खोलदार एल्युमिनियम चालको वाले पी वी सी रोधित केवल, 250/440 वोल्ट चालक—— IS . 694 (भाग 2)—1969
19	सी एम/एल-3167 . . 22-9-1972	1-10-1972	30-9-1973	मैसर्स लक्ष्मी मेटल वर्क्स, सराय हकीम, लक्ष्मी भवन, अलीग	मार्टिस नाले (खड़ी प्रकार के) 65 मिमी साइज 2 लीवर—— IS . 2209—1970
20	सी एम/एल-3168 . 26-9-1972	1-10-1972	30-9-1973	मैसर्स टेक्सपूल कम्पनी लि० पप्पानायकन-पलयम, कोयम्बटूर-18 इनका कार्यालय गणपति कोयम्बटूर-6 (तामिलनाडु) में है।	निम्नलिखित रेटिंग के खड़े प्रकार के इंजन 307 कि वा (5 हा पा) 1500 चक्र प्रति मिनट टाइप 4 एस एन आर 2 बी—— IS 1601—1960
21.	सी एम/एल-3169 . . 27-9-1972	1-10-1972	30-9-1973	मैसर्स कारोमंडल केमिकल्स 82/3, इल्लुपा तोपे सेंबगाडु गांव, तिरूवोत्तियुर मद्रास-19 (इनका कार्यालय 48 स्पर्टैंक रोड, चिनपुट, मद्रास-31 में है)	बी एच सी धूलन पाउडर—— IS : 561—1962
22.	सी एम/एल-3170 . . 28-9-1972	1-10-1972	30-9-1973	दि जनरल इंजीनियरी कम्पनी, मेट्टुपल्लयम रोड, कोयम्बटूर-11 (तमिलनाडु)	जलकल कार्यो के लिए स्लूस वाल्व श्रेणी 2 टाइप 100 मिमी साइज वाले—— IS : 780—1969
23.	सी एम/एल-3171 . . 28-9-1972	1-10-1972	30-9-1973	मैसर्स नेल्लीमरला जूट मिल्स क० लि०, नेल्लीमरला, विजयनगरम (आन्ध्र प्रदेश) (इनका कार्यालय 3, नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता में है)	बी-ट्विल पटसन बोरे—— IS : 2566—1965
24	सी एम/एल-3172 . . 28-9-1972	16-1-1973	15-1-1974	मैसर्स अमर डाई-केम लिमिटेड शाहद कल्याण (महाराष्ट्र)	आरको-क्लोरोएनीलीन—— IS : 4334—1967
25.	सी एम/एल-3173 . . 28-9-1972	16-1-1973	15-1-1974	,,	मेटाक्लोरोएनीलीन—— IS : 4335—1967
26.	सी एम/एल-3174 . 28-9-1972	16-1-1973	15-1-1974	,,	पैरा-क्लोरोएनीलीन—— IS : 4336—1967
27	सी एम/एल-3175 . 28-9-1972	16-1-1973	15-1-1974	,,	2,5—डाइक्लोरोएनीलीन—— IS 1526—1968
28.	सी एम/एल-3176 . . 28-9-1972	16-1-1973	15-1-1974	,,	पैरा-एनीसिडीन—— IS . 5646—1970
29.	सी एम/एल-3177 . 28-9-1972	16-1-1973	15-1-1974	,,	पैरा-टॉल्युईडीन—— IS . 5647—1970
30.	सी एम/एल-3178 . . 28-9-1972	16-1-1973	15-1-1974	,,	आर्थो-टॉल्युईडीन—— IS : 5649—1970

[सं० सी एम डी/13 : 11]

डी० दास गुप्ता, उप-महानिदेशक

New Delhi, the 8th February, 1974

S.O. 511.—In pursuance of sub-regulation (1) of Regulation 8 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, as amended from time to time, the Indian Standards Institution hereby notifies that thirty licences, particulars of which are given in the following Schedule, have been granted during the month of September 1972 authorizing the licencees to use the Standard Marks:

SCHEDULE

Sl. No.	Licence No. (CM/L-)	Period of Validity From	To	Name and Address of the Licencee	Article/Process covered by the Licences and the Relevant IS:Designation
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	CM/L-3149 8.9.1972	16.9.1972	15.9.1973	M/s M.R. Traders, 35/A, Murari-pukur Road, Calcutta-4	Tea-chest plywood panels IS:10-1970
2.	CM/L-3150 12.9.1972	16.9.1972	15.9.1973	The Ryots Agricultural Produce Co-operative Marketing Society Ltd, Bangalore-Mysore Road, 58th & 59th Mile, (Opp: Mysore Acetate & Chemicals Ltd) Mandya (Karnatak)	Poultry Feeds— IS: 1374
3.	CM/L-3151 13.9.1972	16.9.1972	15.9.1973	M/s Arora Aluminium & Allied Works Pvt. Ltd., Kasia Road, Deoria (U.P.)	Wrought aluminium utensils Grade Grade: 'SIC' only IS: 21-1959
4.	CM/L-3152 13.9.1972	16.9.1972	15.9.1973	M/s. Parolia Metal Industries, 106, Dharamtolla Road, Ghusuri, Howrah-7	Structural Steel (Standard Quality) IS: 226-1969
5.	CM/L-3153 13.9.1972	16.9.1972	15.9.1973	—do—	Structural Steel (Ordinary Quality) IS: 1977-1969
6.	CM/L-3154 15.9.1972	16.9.1972	15.9.1973	The Concrete Construction Co., 26, Nilganj Road, Belgharia, Calcutta-56 having their office at 29, Waterloo Street, Calcutta-1	Cube moulds for concrete testing IS: 516-1959
7.	CM/L-3155 15.9.1972	16.9.1972	15.9.1973	M/s Allied Resins & Chemicals Ltd., Budge Budge Trunk Road, Rampur, Gobindpur P.O. Distt. 24 Parganas (W.B.) having their Registered Office at 13, Camac Street, Calcutta-17.	Hexamethyle-netetramine (Hexamine) IS: 4306-1967
8.	CM/L-3156 15.9.1972	1.10.1972	30.9.1973	M/s Evershine Electricals Works (I), 10/61, Industrial Area, Kirti-Nagar, New Delhi	PVC insulated and PVC sheathed armoured control cables with copper condustors upto 12 cores and 4 mm^2 ,1.1 Kv IS: 1554(Pt I)-1964
9.	CM/L-3157 15.9.1972	16.9.1972	15.9.1973	M/s. Shaw Wallace & Co. Ltd, 8/9, Thambu Chetty Street, Madras-1	Rocker Sprayer— IS: 3062-1965
10.	CM/L-3158 15.9.1972	16.9.1972	15.9.1973	M/s Venus Distilleries, 6th Cross, Magadi Road, Bangalore-23	Gin— IS: 4100-1967
11.	CM/L-3159 15.9.1972	16.9.1972	15.9.1973	M/s Golden Steel Corporation Pvt. Ltd, 64, G.T. Road (North), Liluah, Howrah (West Bengal)	(1) Parliament hinges— IS: 3621968 (2) Butt hinges—IS: 1341-1970
12.	CM/L-3160 15.9.1972	1.9.1972	31.8.1973	M/s. Mahavir Industries, Kadva Patidar Wadi Ruwapari Road, Bhavnagar (Gujarat)	18 Litre Square Tins— IS: 916-1966
13.	CM/L-3161 15.9.1972	16.9.1972	15.9.1973	M/s Devidayal (Sales) Pvt. Ltd., Tulsiram Gupta Mills Estate, Reay Road, Darukhana, Bombay-10	DDT Dusting Powders— IS: 564-1961
14.	CM/L-3162 20.9.1972	1.10.1972	30.9.1973	M/s India Firebricks and Insulation Company Limited, Ramgarh, P.O. Marar, Distt. Hazaribagh (Bihar)	Moderate Heat Duty Fireclay Refractories, Group A- IS: 6-1967
15.	CM/L-3163 22.9.1972	1.10.1972	30.9.1973	M/s Krishi Discs Pvt. Ltd., C-1-C6, Industrial Area, Persa Khera, Barcilly having their Registered Office at 50-Civil Lines, Bareilly	Agricultural tillage disc type plain concave disc with control circular hole with key-way, size 610 mm of 4 mm thickness; —IS: 4366 (Part I)-1972
16.	CM/L-3164 22.9.1972	1.10.1972	30.9.1973	M/s Vidharbha Co-operative Marketing Society Ltd, Amravati, Badnera Road, 4th Mile from Amravati, Post Box No. 46, Amravati having their office at Nagpur, Factory Division Amravati	BHC Dusting Powders— IS: 561-1962

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
17.	CM/L-3165 22.9.1972	16.9.1972	15.9.1973	M/s Patel Tin Manufacturing Co, Near Chakudia Mahadev, Rakhial Road, Ahmedabad-23	18 Litre Square Tins—IS: 916-1966
18.	CM/L-3166 22.9.1972	1.10.1972	30.9.1973	M/s Transformer Manufacturing Industries, Kapeli Dhar, Dhrangadhra (Gujarat)	PVC insulated cables, single core, unsheathed, 250/440 volts grade with aluminium conductor—IS: 694 (Part II) -1964
19.	CM/L-3167 22.9.1972	1.10.1972	30.9.1973	M/s Laxmi Metal Works, Sarai Hakim, Laxmi, Bhawan, Aligarh	Mortice locks (Vertical type) 65 mm size 2 lever—IS: 2209-1970
20.	CM/L-3168 26.9.1972	1.10.1972	30.9.1973	M/s Textool Company Limited, Pappanaickenpalayam, Coimbatore-18 having their office at Ganapathy, Coimbatore-6 (Tamil Nadu)	Vertical diesel engines of the following ratings: 307 kw (5 HP), 1500 R.P.M., Type 4S-Sr2B-IS: 1601-1960
21.	CM/L-3169 27.9.1972	1.10.1972	30.9.1973	M/s Coromandal Chemicals, 82/3, Illuppa Thope, Sathangadu Village, Tiruvottiyur, Madras-19 having their office at 48, Spurtank Road, Chitput, Madras-31	BHC Dusting Powders—IS: 561-1962
22.	CM/L-3170 28.9.1972	1.10.1972	30.9.1973	The General Engineering Company, Mettupalayam Road, Coimbatore-11 (Tamil Nadu)	Sluice valves for waterworks purposes, class II type, of sizes upto and including 100 mm—IS: 780-1969
23.	CM/L-3171 28.9.1972	1.10.1972	30.9.1972	M/s Nellimarla Jute Mills Co Ltd, Nellimarla, Vizianagram (A.P.) having their office at 3, Netaji Subhas Road, Calcutta	B-Twill Jute Bags—IS: 2566-1965
24.	CM/L-3172 28.9.1972	16.1.1973	15.1.1974	M/s Amar Dye-Chem Limited Shahad, Kelyan (Maharashtra)	Ortho-Chloroaniline—IS: 4334-1967
25.	CM/L-3173 28.9.1972	16.1.1973	15.1.1974	—do—	Metachloraoniline—IS: 4335-1967
26.	CM/L-3174 28.9.1972	16.1.1973	15.1.1974	—do—	Para-Chloraoniline—IS: 4336-1967
27.	CM/L-3175 28.9.1972	16.1.1973	15.1.1974	—do—	2, 5-Dichloroaniline—IS: 4526-1968
28.	CM/L-3176 28.9.1972	16.1.1973	15.1.1974	—do—	Para-Anisidine—IS: 5646-1970
29.	CM/L-3177 28.9.1972	16.1.1973	15.1.1974	—do—	Para-Toluidine—IS: 5647-1970
30.	CM/L-3178 28.9.1972	16.1.1973	15.1.1974	—do—	Ortho-Toluidine—IS: 5649-1970

[No. CMD/13:11]

D. DAS GUPTA, Deputy Director General

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

नई दिल्ली, 8 फरवरी, 1974

का०आ० 512.—यतः, कोयला वाले क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 4 की उपधारा (1) के अधीन, भारत सरकार इस्पात और खान मंत्रालय (खान विभाग) की अधिसूचना सं० का०आ० 1134, तारीख 28 फरवरी, 1972 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट और उससे उपाबद्ध अनुसूची में पुनः प्रस्तुत क्षेत्र में 3302.00 एकड़ (लगभग) अथवा 1336.25 हैक्टेयर्स (लगभग अथवा 5 16 वर्ग मील (लगभग) परिमाप की भूमि में कोयले के लिए पूर्वेक्षण करने के अपने आशय की सूचना दी थी ;

और यतः उक्त भूमि के संबंध में, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के अधीन, नोटिस जारी नहीं किया गया है ;

अतः, अब उक्त धारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा 28 फरवरी 1974 से प्रारंभ के छः महीने की अवधि को ऐसी अवधि के रूप में निर्दिष्ट करती है जिसमें केन्द्रीय सरकार उक्त भूमि को अर्जित करने या उस प्रकार की भूमि पर कोई अधिकार प्राप्त करने के अपने आशय की सूचना दे सके ।

ड्राइंग सं० राजस्व 43/71
तारीख 8-9-71
(पूर्वेक्षण के लिए अधिसूचित क्षेत्र)

अनुसूची

पाटनसोंगी खण्ड

कैम्प्टी कोयला क्षेत्र

क्रम सं०	ग्राम	तहसील	मौजा सं०	जिला क्षेत्र	टिप्पणियां
1.	पाटनसोंगी	सोनेर	--	नागपुर	भाग
2.	बलोती	,,	--	,,	,,
3.	इलतुर	,,	35	,,	,,
4	कोडास	,,	52	,,	,,
5.	पीपला	,,	33	,,	,,
6.	रेनाला	,,	183	,,	,,
7.	दहगांव	,,	108	,,	,,
8.	नादुकपाणी	नागपुर	--	,,	पूर्ण
9.	बाबुलखेरा	,,	--	,,	भाग
10.	चिशौली	,,	--	,,	,,
11.	खापा	,,	--	,,	,,

कुल क्षेत्र 3302.00 एकड़ (लगभग)
या 1336.25 हैक्टेयर्स (लगभग)
या 5.16 वर्ग मील

सीमा वर्णन

क--ख लाइन ग्राम पाटनसोंगी और बलोती से होकर गुजरती है।

ख--ग लाइन ग्राम बलोती, बाबुलखेरा, चिसौली, खापा, पीपला और दहगांव से होकर गुजरती है।

ग--घ लाइन ग्राम देहगांव और रेनाला से होकर गुजरती है।

घ--ङ लाइन, कोयला वाले क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 की धारा 4(1) (का० आ० 3428 तारीख 20-8-69) के अधीन विज्ञप्त ग्राम रनाला और दहगांव, अर्थात कैम्प्टी खण्ड 'ख' प्रसार की भागतः सामान्य सीमा के साथ होकर गुजरती है।

ङ--च लाइन, कोयला वाले क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 की का०आ० 3428 तारीख 20-8-69 के अधीन विज्ञप्त ग्राम दहगांव, पीपला और कोडास (सड़क की भागतः उत्तरी सीमा के साथ) जो कैम्प्टी खण्ड 'ख' प्रसार की भागतः सामान्य सीमा के साथ होकर गुजरती है।

च--छ लाइन, कोयला वाले क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम 1957 की का० आ० 3248 तारीख 20-8-69 के अधीन, विज्ञप्त ग्राम कोडास, ग्राम इजेपुर और कोडास इसापुर और एलतुर की भागतः सामान्य सीमा अर्थात कैम्प्टी खण्ड 'ख' प्रसार की भागतः सामान्य सीमा के साथ होकर गुजरती है।

छ--क लाइन ग्राम कोडास, एलतुरा और पाटनसोंगी से होकर गुजरती है और प्रारंभिक बिन्दु "क" पर मिलती है।

[फा० सं० को० 3-2(6)/71को० 5]

ए०एस० देशपाण्डे, अवर सचिव

New Delhi, the 8th February, 1974.

S.O.512.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Steel and Mines (Department of Mines) S.O. No. 1134, dated the 28th February, 1972, issued under sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government gave notice of its intention to prospect for coal in lands measuring 3302.00 acres (approximately) or 1336.25 hectares (approximately) or 5.16 square miles (approximately) in the locality specified in the Schedule appended to that notification and reproduced in the Schedule appended hereto;

And whereas in respect of the said lands, no notice under sub-section (1) of section 7 of the said Act has been given;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the said sub-section (1) of section 7, the Central Government hereby specifies a further period of six months commencing from the 28th February, 1974, as the period within which the Central Government may give notice of its intention to acquire the said lands or any rights in or over such lands.

DRG No. Rev. 43/71.
Dated 8-9-71

(Showing lands notified for prospecting)

SCHEDULES

Patansaongi Block
Kamptee Coalfield
MAHARASHTRA

Sl. No.	Village	Tahsil	Mouza No.	District	Area	Remarks
1.	Patansaongai.	Saoner	—	Nagpur		Part
2.	Beloti .	"	—	"		"
3.	Eltur .	"	35	"		"
4.	Kodas .	"	52	"		"
5.	Pipla .	"	33	"		"
6.	Ranala .	"	183	"		"
7.	Dahegaon	"	108	"		"
8.	Nadukpani	Nagpur	—	"		Full
9.	Babulkhera	"	—	"		Part
10.	Chichauli	"	—	"		"
11.	Khapa .	"	—	"		"

TOTAL Area.—3302.00 acres (Approximately)
or 1336.25 hectares (approximately)
or 5.16 Sq. Miles

BOUNDARY DESCRIPTION:

A—B Line passes through villages Patansaongi and Beloti.

B—C Line passes through villages Beloti, Babulkhera, Chichauli, Khapa, Pipla and Dahegaon.

C—D Line passes through villages Dahegaon and Ranala.

D—F Line passes through villages Ranala and Dehegaon (i.e. along the part common boundary of Kamptee Block 'B' Extension notified under section 4 (1) of Coal, Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 vide S.O. No. 3428 dated 20-8-69).

E—F Line passes through villages Dahegaon, Pipla and Kodas (along the part northern boundary of the road) which is also along the part common boundary of Kamptee Block (B) Extension notified under section 4 (1) of Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 vide S.O. 3428 dated 20-8-69.

F—G Line passes through villages Kodas, along the part common boundary of village Isapur and Kodas, Isapur and Elture (i.e. along the part common boundary of Kamptee Block 'B' Extension notified under section 4(1) of Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 vide S.O. 3428 dated 20-8-69.

G—A Line passes through villages Kodas, Elture and Patansaongi and meets at starting point 'A'.

[F. No. C3-2 (6)/71-65.]

A. S. DESPHANDE, Under Secy.

पैट्रोलियम और रसायन मंत्रालय

(पेट्रोलियम विभाग)

नई दिल्ली, 7 फरवरी, 1974

का०आ० 513--यतः इस संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट और पैट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकारों का अर्जन) अधिनियम, 1962 की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन प्रकाशित भारत सरकार की अधिसूचना द्वारा गुजरात राज्य के कलोल तेल क्षेत्र में व्यधन स्थल के 134 से फ्लेयर प्वाइंट तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिए उस संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित कर लिया गया है ।

और यतः तेल और प्राकृतिक गैस आयोग ने 15-7-71 को उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (1) में निर्दिष्ट संक्रिया को पर्यवसित कर दिया है ।

अब अतः पैट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकारों का अर्जन) नियमावली 1963 के नियम 4 के अधीन सक्षम प्राधिकारी उक्त तारीख को उपरनिर्दिष्ट संक्रिया के पर्यवसान के रूप में एतद्द्वारा अधिसूचित करता है ।

अनुसूची

डी० एम० के 134 से फ्लेयर प्वाइंट तक पाइपलाइन की संक्रिया के पर्यवसान के लिए

मंत्रालय का नाम	गांव	सर्वेक्षण संख्या	भारत के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख	संक्रिया के पर्यवसान की तारीख
पैट्रोलियम और रसायन	कलोल	1874	29-7-72	15-7-1971

[संख्या 11/4/71-लेबर एण्ड लेजिस)]

जे० पी० बालीवाला

गुजरात के लिए अधिनियम के अन्तर्गत सक्षम प्राधिकारी

MINISTRY OF PETROLEUM AND CHEMICALS

(Department of Petroleum)

New Delhi, the 7th February, 1974

S.O. 513.—Whereas by the notification of Government of India as shown in the schedule appended hereto and issued under sub-section (i) of section 6 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 the Right of User has been acquired in the lands specified in the schedule appended thereto for the transport of Petroleum from drill site No. K-134 to Flare Point in Kalol oil field in Gujarat State.

And whereas the Oil and Natural Gas Commission has terminated the operations referred to in clause (i) of sub-section (1) of section 7 of the said Act on 15-7-71.

Now, therefore, under Rule 4 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Rules 1963, the Competent Authority hereby notified the said date as the date of termination of operation referred to above.

SCHEDULE

TERMINATION OF OPERATION OF PIPELINE FROM D.S.K—134 to Flare Point

Name of Ministry	Village	S.O. No.	Date of publication in the gazette of India.	Date of Termination of operation.
Petroleum and Chemicals	Kalol	1874	29-7-72	15-7-71

(No. 11/4/71-L&L)

J. P. BALIWALA

Competent Authority under the Act for Gujarat.

नई दिल्ली, 14 फरवरी, 1974

का०आ० 514--यतः पेट्रोलियम, पाइपलाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पैट्रोलियम और रसायन मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का०आ०सं० 2027 तारीख 9-7-73 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था ।

और यतः सक्षम प्राधिकारी के उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है ।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है ।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है ।

और, आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निदेश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बंधकों से मुक्त रूप में, इस घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा ।

अनुसूची

के-67 से सी० टी० एफ० तक पाइप लाइन के लिए

राज्य : गुजरात जिला : मेहसाय तालुका : कलोल

गांव	सर्वेक्षण संख्या	हैक्टर	ए आर ई	पी ए आर ई
1	2	3	4	5
सैज	98/2	0	01	35
	100/1	0	07	65
	100/2	0	05	40
	100/3	0	05	40
	100/4	0	05	70
	101/2	0	01	00
	74/6	0	03	00
	74/7	0	02	85
	73/1	0	08	10
	73/3	0	04	80
	73/4	0	05	10
	1524/1	0	00	60
	1524/2	0	05	10
	71/1	0	06	37
	71/2	0	05	33
	71/3	0	02	85
	1525/1	0	02	10
	70/3	0	05	04
	1530/1	0	12	10
	1530/2	0	03	35
	1531/1ए	0	01	00

1	2	3	4	5
	1528/1	0	08	10
	1528/3	0	12	45
	1535/1	0	02	30
	1535/2	0	06	15
	1535/3	0	08	00
	1536/1	0	07	05
	वी०पी० कार्ट ट्रेक	0	01	39
	1470/1	0	42	52
	1441	0	04	50
	1442	0	08	40
	1443	0	01	95
	1462/1	0	01	20
	1449	0	09	00
	1447	0	04	35
	1448/1	0	04	35
	1448/2	0	08	77
	वी०पी० कार्ट ट्रेक	0	01	20
	1227	0	03	07
	1224/1	0	04	12
	1225	0	05	40
	1226/2	0	07	50
	1226/3	0	03	90
	1205/ए	0	05	25
	1205/बी	0	06	60
	1205/सी	0	01	00
	1202/1/1	0	06	53
	1202/1/2	0	01	00
	1206	0	04	80
	1200/1	0	01	42
	1202	0	08	40
	1199	0	01	00
	1198/1	0	05	70
	1195/1	0	01	00
	1196/1	0	04	50
	1196/4	0	05	25
	1196/5	0	01	00
	1196/2	0	06	00
	1184/3	0	04	50
	1184/4	0	02	10
	1184/1	0	02	70
	1183/1	0	05	55
	1183/1	0	04	50
	वी० पी० कार्ट ट्रेक	0	05	72
	982	0	04	35
	993	0	16	05
	984	0	02	40
	976	0	10	80

[सं० 12016/1/73-एल एण्ड एल/1]

(Department of Petroleum)

New Delhi, the 14th February, 1974

S.O. 514.—Whereas by a notification of the Govt. of India in the Ministry of Petroleum and Chemicals (Department of Petroleum) S.O. No. 2027 dated 9-7-73 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipelines ;

AND WHEREAS the Competent Authority has under sub-section (1) of section 6 of the said Act, submitted report to the Government ;

AND FURTHER WHEREAS the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification ;

NOW THEREFORE in exercise of the Power conferred by sub-section (1) of the section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines. ;

AND FURTHER in exercise of the power conferred by sub-section (4) of that Section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from all encumbrances.

SCHEDULE

For Pipeline From K-67 to C.T.F.

STATE : GUJARAT DISTRICT : MEHSANA TALUKA : KALOL

Village	Survey No.	Hectare	Are	P. Are.
1	2	3	4	5
SAIJ	98/2	0	01	35
	100/1	0	07	65
	100/2	0	05	40
	100/3	0	05	40
	100/4	0	05	70
	101/2	0	01	00
	74/6	0	03	00
	74/7	0	02	85
	73/1	0	08	10
	73/3	0	04	80
	73/4	0	05	10
	1524/1	0	00	60
	1524/2	0	05	10
	71/1	0	06	37
	71/2	0	05	33
	71/3	0	02	85
	1525/1	0	02	10
	70/3	0	05	04
	1530/1	0	12	10
	1530/2	0	03	35
	1531/1/A	0	01	00
	1528/1	0	08	10
	1528/3	0	12	45
	1535/1	0	02	30
	1535/2	0	06	15
	1535/3	0	08	00
	1536/1	0	07	05
	V.P. Cart Track	0	01	39
	1470/1	0	42	52
	1441	0	04	50
	1442	0	08	40
	1443	0	01	95
	1462/1	0	01	20
	1449	0	09	00
	1447	0	04	35
	1448/1	0	04	35
	1448/2	0	08	77
	V.P. Cart Track	0	01	20
	1227	0	03	07
	1224/1	0	04	12
	1225	0	05	40
	1226/2	0	07	50

2	3	4	5
1226/3	0	03	90
1205/A	0	05	25
1205/B	0	06	60
1205/C	0	01	00
1202/1/1	0	06	53
1202/1/2	0	01	00
1206	0	04	80
1200/1	0	01	42
1202	0	08	40
1199	0	01	00
1198/1	0	05	70
1195/1	0	01	00
1196/1	0	04	50
1196/4	0	05	25
1196/5	0	01	00
1196/2	0	06	00
1184/3	0	04	50
1184/4	0	02	10
1184/1	0	02	70
1183/1	0	05	55
1183/3	0	04	50
V.P. Cart Track	0	05	72
982	0	04	35
993	0	16	05
984	0	02	40
976	0	10	80

[No. 12016/1/73-L&L/I]

का०आ०सं० 515.—यतः पेट्रोलियम, पाइपलाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का०आ०सं० 2082 तारीख 9-7-73 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी के उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और, आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निदेश देती कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बंधकों से मुक्त रूप में, इस घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

के - 121 से जी०जी०एस० - 8 तक पाइपलाइन

राज्य : गुजरात जिला : मेहसाणा तालुका : कालोल

गांव	सर्वेक्षण संख्या	हैक्टर	ए आर आई	पी ए आर ई
1	2	3	4	5
कलोल	1218	0	14	15
	1217	0	06	95
	1183/2	0	03	29
	1182	0	04	27
	1181	0	03	66
	1179/1/6	0	04	27
	1179/2	0	07	32
	986	0	01	00
	987	0	08	05
	988	0	06	83
	989	0	10	98
	990	0	02	44
	996	0	07	69
	997	0	06	71
	999	0	03	66
	940	0	13	42
	1000	0	01	22

[सं० 12016/1/73-एल एण्ड एल/1/II]

S.O. 515.— WHEREAS by a notification of the Govt. of India in the Ministry of Petroleum and Chemicals (Department of Petroleum) S.O. No. 2082 dated 9-7-73 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipelines ;

AND WHEREAS the Competent Authority has under sub-section (1) of section 6 of the said Act, submitted report to the Government ;

AND FURTHER WHEREAS the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification ;

NOW THEREFORE in exercise of the Power conferred by sub-section (1) of the section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the sehedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines ;

AND FURTHER in exercise of the power conferred by sub-section (4) of that Section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from all encumbrances.

SCHEDULE

PIPELINE FROM K-121 TO G.G.S.VIII

STATE : GUJARAT DISTRICT : MEHSANA TALUKA : KALOL

Village	Survey No.	Hectare	Are	P. Are.
KALOL	1218	0	14	15
	1217	0	06	95
	1183/2	0	03	29
	1182	0	04	27
	1181	0	03	66
	1179/1/6	0	04	27
	1179/2	0	07	32
	986	0	01	00
	987	0	08	05
	988	0	06	83
	989	0	10	98
	990	0	02	44
	996	0	07	69
	997	0	06	71
	999	0	03	66
	940	0	13	42
	1000	0	01	22

[No. 12016/1/-73-L&L/II]

का० आ० 516.—यतः पेट्रोलियम, पाइपलाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का०आ०सं० 2599 तारीख 30-8-73 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और, आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निदेश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बंधकों से मुक्त रूप में, इस घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

131 से जी०जी०एस० - 4 तक पाइपलाइन

राज्य : गुजरात	जिला : मेहसाणा		तालुका : कालोल	
गांव	खंड सं०	हैक्टर	ए.आर.ई.	पी.ए.आर.ई
धामसाना	489	0	02	02
	कार्ट ट्रेक	0	00	36
	492	0	13	42
	519	0	16	11
	515	0	17	69
	कार्ट ट्रेक	0	00	61
	671	0	05	36
	667	0	05	18
	666	0	23	19
	663	0	02	26
	667	0	00	50
	678	0	09	76
	661	0	07	25
	कार्ट ट्रेक	0	00	50
	806	0	12	32
	808	0	05	00
	813	0	07	10
	814	0	10	55
	827	0	09	88
	766	0	13	61
	835	0	09	23
	834	0	13	54
	881	0	07	32

[सं० 12016/1/73-एल एण्ड एल/3]

बी० आर० भल्ला, अवर सचिव

S.O. 516.—WHEREAS by a notification of the Govt. of India in the Ministry of Petroleum and Chemicals (Department of Petroleum) S.O. No. 2599 dated 30-8-73 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipelines ;

AND WHEREAS the Competent Authority has under sub-section (1) of section 6 of the said Act, submitted report to the Government ;

AND FURTHER WHEREAS the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification ;

NOW THEREFORE in exercise of the Power conferred by sub-section (1) of the section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines ;

AND FURTHER in exercise of the power conferred by sub-section (4) of that Section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from all encumbrances.

SCHEDULE

PIPELINE FROM 131 TO G.G.S. IV

STATE : GUJARAT DISTRICT : MEHSANA TALUKA : KALOL

Village	Block No.	Hectare	Are	P. Are
DHAMASANA	489 . .	0	02	02
	Cart Track .	0	00	36
	492 . .	0	13	42
	519 . .	0	16	11
	515 . .	0	17	69
	Cart Track .	0	00	61
	671 . .	0	05	36
	667 . .	0	05	18
	666 . .	0	23	19
	663 . .	0	02	26
	667 . .	0	00	50
	678 . .	0	09	76
	661 . .	0	07	25
	Cart Track .	0	00	50
	806 . .	0	12	32
	808 . .	0	05	00
	813 . .	0	07	10
	814 . .	0	10	55
	827 . .	0	09	88
	766 . .	0	13	61
	835 . .	0	09	23
	834 . .	0	13	54
	881 . .	0	07	32

No. 12016/1/73-L&L/]

B. R. BHALLA, Under Secy.

कृषि मंत्रालय

(कृषि विभाग)

नई दिल्ली, 17 फरवरी, 1974

का० आ० 517.—वेसन श्रेणीकरण और चिह्नन नियम, 1973 का निम्नलिखित प्रारूप जिसे केन्द्रीय सरकार, कृषि उपज (श्रेणीकरण और चिन्हन) अधिनियम, 1937 (1937 का 1) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, बनाने की प्रस्थापना करती है, उक्त धारा द्वारा यथा अपेक्षित उन सब व्यक्तियों की जानकारी के लिए जिनका उससे प्रभावित संभाव्य है, प्रकाशित किया जाता है और यह सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख के एक महिने के बाद विचार किया जाएगा ।

2 उक्त प्रारूप के बारे में जो आक्षेप या सुझाव किसी व्यक्ति से विनिर्दिष्ट तारीख के पूर्व प्राप्त होंगे, उन पर केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किया जाएगा ।

वेसन श्रेणीकरण और चिन्हन नियम, 1973

1 **संक्षिप्त नाम और लागू होना** .—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम वेसन (चने का आटा) श्रेणीकरण और चिह्नन नियम, 1973 है ।

(2) ये भारत में तैयार किए गए वेसन के सम्बन्ध में लागू होंगे ।

2 **परिभाषाएं** इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ में अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) 'कृषि विपणन सलाहाकार' से भारत सरकार का कृषि विपणन सलाहाकार अभिप्रेत है ,

(ख) 'प्राधिकृत पैकर' से ऐसा व्यक्ति या व्यक्तियों का निकाय अभिप्रेत है जिसे साधारण श्रेणीकरण और चिह्नन नियम, 1937 के नियम 3 के अधीन वेसन के संबंध में प्राधिकरण प्रमाण पत्र दिया गया है ।

(ग) 'अनुसूची' से इन नियमों में संलग्न अनुसूची अभिप्रेत है ।

3. **श्रेणी अभिधान** . भारत में तैयार किए गए वेसन की क्वालिटी को उपदर्शित करने वाला श्रेणी अभिधान वह होगा जो अनुसूची 4 के स्तम्भ 1 में दिया गया है ।

4 **क्वालिटी का परिभाषा** . श्रेणी अभिधान द्वारा उपदर्शित क्वालिटी वह होगी जो अनुसूची 4 के स्तम्भ 2 से 7 में उक्त अभिधान के सामने दी गई है ।

5. **श्रेणी अभिधान चिन्हन** . (1) श्रेणी अभिधान चिन्हन कृषि विपणन सलाहकार द्वारा प्रदत्त लेबल के या कृषि विपणन सलाहकार द्वारा सम्यक रूप से अनुमोदित प्रतिचित्र के रूप में होगा ।

(2) लेबल के रूप में श्रेणी अभिधान चिह्नन अनुसूची 1 में दिए गए डिजाइन के अनुरूप होगा ।

(3) प्रतिचित्र के रूप में श्रेणी अभिधान चिह्नन का आकार, अनुसूची 2 दिए गए और कृषि विपणन सलाहकार द्वारा अनुमोदित डिजाइन के अनुसार, पात्र के आकार के अनुसार घटा दिया जाएगा ।

6. **चिह्नन की पद्धति** (1) श्रेणी अभिधान चिह्नन कृषि विपणन सलाहकार द्वारा अनुमोदित रीति से, प्रत्येक पात्र पर ठीक से चिपकाया जाएगा या मुद्रित किया जाएगा ।

(2) प्रत्येक पात्र पर ऐसी विशिष्टियां ऐसी रीति से जो कृषि विपणन सलाहकार द्वारा समय समय पर विनिर्दिष्ट की जाएं, भी स्पष्ट रूप से चिह्नित होंगी ।

(3) प्राधिकृत पैकर, कृषि विपणन सलाहकार का पूर्व अनुमोदन अभिप्राप्त करने के पश्चात्, पात्र पर, उक्त अधिकारी द्वारा अनुमोदित रीति से, अपना प्राइवेट व्यापार चिह्नन, चिह्नित कर सकेगा, परन्तु यह तब जब कि व्यापार चिह्नन इन नियमों के अनुसार पात्र पर चिपकाए गए श्रेणी अभिधान चिह्नन से उपदर्शित क्वालिटी या श्रेणी से भिन्न क्वालिटी या श्रेणी दर्शित न करें ।

7 **पैकिंग की पद्धति** . (1) पैक करने के लिए केवल जूट, कपड़े, कागज या पालीथीन के बने हुए मजबूत ,स्वच्छ और शुष्क पात्र ही प्रयुक्त किए जाएंगे तथा पात्र कीटग्रस्तता या फंगस संदूषण से और किसी अवांछनीय गंध से भी मुक्त होंगे ।

(2) पात्र कृषि विपणन सलाहकार द्वारा अनुमोदित रीति से दृढ़ता से बन्द और सील किए जाएंगे ।

(3) प्रत्येक पैकेज में एक ही श्रेणी अभिधान का वेसन होगा ।

8. **प्राधिकरण-प्रमाणपत्र की विशेष शर्तें** : प्राधिकृत पैकर द्वारा साधारण श्रेणीकरण और चिह्नन नियम, 1937 के नियम 4 में विनिर्दिष्ट शर्तों के अतिरिक्त, अनुसूची 3 में उल्लिखित शर्तों का कृषि विपणन सलाहकार के समाधानप्रद रूप में अनुपालन किया जाएगा ।

अनुसूची 1

(नियम 5(2) देखिए)

(अंग्रेजी अनुसूची में देखिए)

अनुसूची 2

(नियम 5(3) देखिए)

अनुसूचि 3

(नियम 8 देखिए)

प्राधिकरण-प्रमाण पत्र की विशेष शर्तें :—

(क) प्राधिकृत पैकर, वेसन तैयार करने या भंडार करने या दोनों के लिए तथा उसकी पैकिंग के लिए स्वच्छ स्वास्थ्यप्रद वातावरण में स्थित, कृषि विपणन सलाहकार द्वारा अनुमोदित, उपयुक्त परिसर पर स्वामित्व रखेगा या उस तक उसकी पहुंच होगी ।

(ख) प्राधिकृत पैकर वेसन के परीक्षण के लिए ऐसी व्यवस्था करेगा जैसी कृषि विपणन सलाहकार द्वारा विनिर्दिष्ट की जाए और वेसन के नमूने उन केन्द्रीय प्रयोगशालाओं को भेजेगा जो उसके द्वारा समय समय पर विनिर्दिष्ट की जाए ।

(ग) प्राधिकृत पैकर, इस निमित्त कृषि विपणन सलाहकार द्वारा सम्यकतः प्राधिकृत निरीक्षण अधिकारियों को वे सब सुविधाएं प्रदान करेगा जो आवश्यक हों ।

(घ) नमूनाकरण, विश्लेषण और पैकिंग की पद्धतियों के संबन्ध में उन सब अनुदेशों का जो कृषि विपणन सलाहकार द्वारा जारी किए जाएं, पूर्ण रूप से अनुपालन किया जाएगा ।

(ङ) कर्मचारी स्वस्थ और स्वच्छ होंगे और किन्हीं संसर्गी या संचारी रोगों से मुक्त होंगे ।

अनुसूची 4

बेसन (चने का आटा) के श्रेणी अभिधान और क्वालिटी की परिभाषाएं

श्रेणी अभिधान	भार के आधार पर* अधिकतम प्रतिशत	कुल भस्म* (शुष्क आधार पर) भार के आधार पर अधिकतम प्रतिशत	अम्ल* अविलेय भस्म (शुष्क आधार पर) भार के आधार पर अधिकतम प्रतिशत	एल्कोहाली* अम्लता (H_2SO_4 जैसा)-90 प्रतिशत एल्कोहाल में भार के आधार पर अधिकतम प्रतिशत	कच्चा प्रोटीन* N × 6.26 शुष्क आधार पर भार के आधार पर न्यूनतम प्रतिशत	साधारण लक्षण
1	2	3	4	5	6	7
मानक	12.5	4.0	0.35	0.1	21.0	बेसन केवल शुद्ध, साफ सूखे छिलके निकाले हुए चने (सेर एरिटिनम) को पीस कर प्राप्त किया गया उत्पाद होगा और किसी विजातीय पदार्थ, मिलाए गए रंजक, द्रव्य और परिरक्षकों से रहित होगा। यह कीटग्रस्तता और फंगसेग्रस्तता और कृन्तक संदूषण से भी रहित होगा निन्यानवे प्रतिशत बेसन 500 मिक्रन आई. एस. की छलनी से छाना जाएगा। यह केसरी दाल (लेथेरस सेटीवस) के आटे के किसी सम्मिश्रण से रहित होगा।

भा० मा० 24.60/1963 से लिया गया

[सं० 12-13/71-ए० एम]

टी० डी० मखीजानी, अवर सचिव

MINISTRY OF AGRICULTURE
(Department of Agriculture)

New Delhi, the 17th December, 1973.

S.O. 517.—The following draft of the Besan Grading and Marking Rules, 1973 which the Central Government propose to make in exercise of the powers conferred by section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937) is published, as required by the said section for the information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration after one month from the date of publication of this notification.

2. Any objection or suggestion which may be received from any person with respect to the said draft before the date specified, will be considered by the Central Government.

The Besan Grading and Marking Rules, 1973

1. **Short title and application:-** (1) These rules may be called the Besan (Gram Flour) Grading and Marking Rules 1973.
(2) They shall apply to Besan prepared in India.

2. **Definitions:-** In these rules, unless the context otherwise requires:-

(a) "Agricultural Marketing Adviser" means the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India;

(b) "authorised packers" means a person or a body of persons who has been granted a certificate of authorisation under rule 3 of the General Grading and Marking Rules, 1937, in relation to Besan;

(c) "Schedule" means a schedule appended to these rules.

3. **Grade designation:-** Grade designation to indicate the quality of Besan prepared in India shall be as set out in column 1 of Schedule IV.

4. **Definition of quality:-** The quality indicated by the grade designation shall be as set out against the said designation in columns 2 to 7 of Schedule IV.

5. **Grade designation Mark:-** (1) The grade designation mark shall consist of a label supplied by the Agricultural Marketing Adviser or a replica duly approved by the Agricultural Marketing Adviser.

(2) The grade designation mark in the form of a label shall conform to the design set out in Schedule I.

(3) The size of the grade designation mark in the form of a replica shall be reduced according to the size of the container as per design given in schedule II and approved by the Agricultural Marketing Adviser.

6. **Method of Marking:-** (1) The grade designation mark shall be securely affixed to or printed on, each container in a manner approved by the Agricultural Marketing Adviser.

(2) Each container shall also be clearly marked with such particulars and in such manner as may, from time to time, be specified by the Agricultural Martketing adviser.

(3) An authorised packer may, after obtaining the prior approval of the Agricultural Marketing Adviser, mark his private trade mark on a container in manner approved by the said officer, provided the trade mark does not represent a quality or grade different from that indicated by the grade designation mark affixed to the container in accordance with these rules.

7. **Method of packing:-** (1) Only sound, clean and dry containers made of jute, cloth, paper or polythene shall be used for packing and the containers shall be free from any insect infestation of fungus contamination and also from any undesirable smell.
(2) The containers shall be securely closed and sealed in the manner approved by the Agricultural Marketing Adviser.
(3) Each package shall contain Besan of the same grade designation only.

8. **Special conditions of Certificate of Authorisation:-** In addition to conditions specified in rule 4 of the General Grading and Marking Rules 1937, the conditions set out in Schedule III shall be observed by the authorised packer to the satisfaction of the Agricultural Marketing Adviser.

Schedule I

See Rule 5(2)

Schedule II

See Rule 5(3)

Schedule III

[See rule 8]

Special conditions of Certificate of Authorisation:-

(a) The authorised packer shall own or have access to a suitable premises located in a clean hygienic environment for handling or storage or for both and packing of Besan approved by the Agricultural Marketing Adviser.

(b) The authorised packer shall make such arrangments for testing Besan as may be specified by the Agricultural Marketing Adviser and samples of Besan shall be forwarded to such Central Laboratories as may be specified by him from time to time.

(c) The authorised packer shall provide all such facilities as may be necessary to the Inspecting Officers duly authrosied by the Agricultural Marketing Adviser in this behalf.

(d) All instructions regarding the methods of sampling, analysis and packing which may be issued by the Agricultural Marketing Adviser shall be strictly observed.

(e) The operatives shall be in sound health and shall be clean and free from any contagious or communicable diseases.

Schedule IV

Grade designations and definitions of quality of Basan (gram flour)

Grade Designation	Moisture % by weight Max.	Total ash.* (on dry basis) % by weight Max.	Acid* isol. ash (on dry basis) % by weight Max.	Alcoholic* Acidity (as H_2SO_4) in 90% alcohol % by weight Max.	Crude protein* (N x 6.26) (on dry basis) % by weight Min.	General Characteristics
1	2	3	4	5	6	7
Standard	12.5	4 0	0.35	0.1	21.0	Besan shall be the product obtained by milling pure, clean, dried decuticled gram (Cicer arietinum) only and shall be free from any extraneous matter added colouring matter and preservatives. It shall also be free from insect and fungus infestation and rodent contamination. Ninety-nine percent of the material shall pass through 500 microns I.S. sieve. It shall be free from any admixture of flour of Khesari dal (Lathyrus sativus).

*Adopted from IS 24 00/1963.

[No. 13-12/71-AM]

T. D. MAKHIJANI, Under Secy.

(खाद्य विभाग)

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 1973

का० आ० 518.—का० आ० 800 (अ) केन्द्रीय सरकार, आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 (1955 का 10) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, फल उत्पाद आदेश, 1955 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित आदेश करती है, अर्थात् :—

1. (1) इस आदेश का नाम फल उत्पाद (संशोधन) आदेश, 1973 है।

(2) यह आदेश 1 जनवरी, 1974 को प्रवृत्त होगा।

2. फल उत्पाद आदेश, 1955 (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त आदेश कहा गया है) में, खण्ड 5 में, उप-खण्ड (2) के स्थान पर निम्नलिखित उप-खण्ड रखा जाएगा, अर्थात :—

"(2) निम्नलिखित फीसें, जो समुचित फीस हैं, उप-खण्ड (1) के अधीन एक बार या उसके भाग में देय होगी, अर्थात् :—

(क) गृह मापमान	100 रु०
(ख) कुटीर मापमान	250 रु०
(ग) (I) लघु मापमान—प्रवर्ग (क)	400 रु०
(II) लघु मापमान—प्रवर्ग (ख)	600 रु०
(घ) बृहत मापमान	1500 रु०
(ङ) रिलेबलर	500 रु०

3. उक्त आदेश में, खण्ड 9 के पश्चात, निम्नलिखित खण्ड अन्त: स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

"9क. प्रत्येक विनिर्माता, जो कोई उत्पाद-शुल्क नहीं देता है, प्ररूप 'घ' और प्ररूप 'ङ' में विभिन्न कच्ची सामग्री की प्राप्ति, फलों और वनस्पति-उत्पाद के विनिर्माण में उनका उपभोग और तैयार खाद्य के व्ययन की बाबत अद्यतन लेखा रखेगा।"

4. उक्त आदेश में, खण्ड 13 में, पैरा (ग) में "एक अवधि में दो बार से अधिक नहीं" शब्दों का लोप कर दिया जाएगा।

5. उक्त आदेश में, प्रथम अनुसूची में,—

(1) प्ररूप 'क' में, मद 2 के पश्चात, निम्नलिखित मद अन्त:स्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

2(क) परिष्कृत उत्पादों के माल गोदामों। भण्डारों का पता";

(2) प्ररूप 'ग' के पश्चात, निम्नलिखित प्ररूप अन्त: स्थापित किए जाएंगे, अर्थात :—
प्ररूप 'घ' और 'ङ'।

6. उक्त आदेश में, द्वितीय अनुसूची में,—

(1) भाग 1 (क) में, पैरा 13 के स्थान पर, निम्नलिखित पैरा रखा जाएगा, अर्थात् :—

"13. किसी ऐसे व्यक्ति को, जो संक्रामक या संसर्गज रोग से ग्रस्त है, कारखाने में काम नहीं करने दिया जाएगा। फल उत्पाद के विनिर्माण में लगे सभी कर्मकारों के लिए, वर्ष में एक बार यह सुनिश्चित करने के लिए कि वे संक्रामक, संसर्गज और अन्य रोगों से मुक्त है, चिकित्सीय परीक्षण का इन्तजाम किया जाएगा। किसी रजिस्ट्रीकृत चिकित्सीय व्यवसायी द्वारा हस्ताक्षरित इन परीक्षाओं के अभिलेख निरीक्षणार्थ रखे जाएंगे।

फल उत्पादों के विनिर्माण में लगे हुए कर्मकारों का, वर्ष में एक बार अंतड़ीसम्बन्धी रोगों के लिए टीका लगाया जाएगा और चेचक का टीका लगाया जाएगा और उसका एक प्रमाण-पत्र निरीक्षणार्थ रखा जाएगा।

महामारी की दशा में, सभी कर्मकारों को टीका लगाया जाएगा

(2) भाग (1) (ख) में, :—

(क) "कारखानों के निम्नानुसार से प्रवर्ग किए जाएंगे" शब्दों के साथ प्रारम्भ होने वाले और 'शर्बत और कृत्रिम सिरका" के साथ समाप्त

होने वाले शब्दों के स्थान पर निम्नलिखित शब्द, कोष्टक, अक्षर और अंक रखे जाएंगे, अर्थात् :—

"कारखानों के निम्नानुसार प्रवर्ग किए जाएंगे :—

(क) "**वृहत मापमान**—वे कारखाने जिनकी प्रतिदिन फल उत्पाद की अधिष्ठापित क्षमता दो मीटरी टन से अधिक हो या जिनका वार्षिक उत्पादन 250 मीटरी टन से अधिक हो।

(ख) **लघु मापमान**—वे कारखाने जिनका प्रतिदिन फल उत्पाद की अधिष्ठापित क्षमता दो मीटरी टन तक हो और जिनका वार्षिक उत्पादन 50 मीटरी टन से अधिक हो और 250 टन से अधिक न हो।

(ग) **कुटीर मापमान**—वे कारखाने जिनका फल उत्पाद का कुल वार्षिक उत्पादन 10 टन से अधिक हो किन्तु 50 टन से कम हो।

(घ) **गृह मापमान**—वे कारखाने जिनका फल उत्पाद का कुल वार्षिक उत्पादन टीनबंद वनस्पति के सिवाय 10 मीटरी टन से अधिक न हों।

लघु मापमान कारखानों के निम्नानुसार और आगे प्रवर्ग (क) और (ख) में समूह बनाए जाएंगे :—

प्रवर्ग (क) कारखानों को फल उत्पाद के विनिर्माण के लिए अनुज्ञप्त किया जाएगा जिनकी अधिष्ठापित क्षमता प्रतिदिन एक मीटरी टन से अनधिक होगी और वार्षिक उत्पादन 50 मीटरी टन से 100 मीटरी टन के बीच होगा।

प्रवर्ग (ख) कारखानों को फल उत्पादन के विनिर्माण के लिए अनुज्ञप्त किया जाएगा जिनकी प्रतिदिन अधिष्ठापित क्षमता दो मीटरी टन से अनधिक होगी और वार्षिक उत्पादन 100 मीटरी टनों से 250 मीटरी टनों के बीच होगा।

(ख) "भण्डारों और कार्यालय स्थान को अपवर्जित करते हुए विनिर्माण—परिसरों का निम्नतम क्षेत्र" शीर्षक के अधीन प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियां रखी जाएंगी, अर्थात् :—

(1) गृह मापमान	25 वर्ग मीटर
(2) कुटीर मापमान	60 वर्ग मीटर
(3) लघु मापमान	
(i) प्रवर्ग (क)	100 वर्ग मीटर
(ii) प्रवर्ग (ख)	150 वर्ग मीटर
(4) *वृहत मापमान	300 वर्ग मीटर

"(मशीनरी द्वारा घिरा हुआ क्षेत्र विनिर्माण—क्षेत्र के 50 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा)"

(ग) "मशीनरी और उपकरण की बाबत निम्नतम आवश्यकता" शीर्षक के नीचे :—

(i) स्तम्भ (3) में, उप-शीर्षक "लघु मापमान" के स्थान पर "कुटीर और लघु मापमान" उप-शीर्षक रखा जाएगा;

(ii) क्रम सं० 1 के सामने, स्तम्भ (3) में, इस प्रकार रखा गया उप-शीर्षक "कुटीर और लघु मापमान" के अधीन, मद 1 के पश्चात् निम्नलिखित मद अन्तःस्थापित की जाएगी, अर्थात् :

"1(क) कच्चे कोयले या किसी ईंधन से चलने वाली भट्ठियां जिनके धुएं को बाहर निकालने के लिए समुचित प्रबन्ध हो।"

(3) भाग 2 (क) के पश्चात्, निम्नलिखित भाग अन्तःस्थापित किए जाएंगे, अर्थात् :—

"**भाग 2 (ख)**

टीनबंद आम गूदा (प्राकृतिक) का प्रारूप विनिर्देशन

उत्पाद	किस्म	कुल विलयशील ठोस	साधारण लक्षण
आम गूदा	आम की कोई उपयुक्त किस्म	12.1 से कम न हो	आम गूदा अच्छी तरह पके हुए फल से निकाला जाएगा। इसमें उस आम की किस्म के विशिष्टस्वाद के लक्षण होंगे जिससे यह निकाला गया है। समरूप उत्पाद के लिए सामग्री को निम्नतम 1.5 मिली मीटर की जाली वाली छलनी से छाना जाएगा। यह पकी हुई सुवास, काला चिन्ह, बाहरी पदार्थ, अर्थात् छिलके का भाग, रेशेदार पदार्थ लार्वा और अन्य कीटों या उनके अंशों से विमुक्त होगा। 37 से० पर उष्मायन किया जाने पर इसके गूदे में जीवाणु वृद्धि का कोई चिन्ह नहीं होगा। उत्पाद में समुद्रतल पर कोई निश्चित दबाव वर्णित नहीं होगा।

आधान पर गूदा-निकालने में प्रयुक्त किए गए आम की किस्म स्पष्टतः और सहज दृश्यतः चिन्हित की जाएगी।

भाग 2 (ग)

टीनबंद आम गूदा (मिष्ट) का प्रारूप विनिर्देशन

उत्पाद	किस्म	कुल विलयशील ठोस	निम्नतम अम्लता	साधारण लक्षण
टीनबंद आम गूदा (मिष्ठ)	आम की कोई उपयुक्त किस्म	15% से कम न हो	0.3% सिट्रिक अम्ल	आम गूदा अच्छी तरह पके हुए फल से निकाला जाएगा। इसमें उस आम की किस्म के विशिष्टस्वाद के लक्षण होंगे जिससे यह निकाला गया है। समरूप उत्पाद के लिए सामग्री को निम्नतम 1.5 मिली मीटर की जाली वाली छलनी से छाना जाएगा। यह पकी हुई सुवास, काला चिन्ह बाहरी पदार्थ अर्थात् छिलके का भाग, रेशेदार पदार्थ लार्वा और अन्य कीटों या उनके अंशों से विमुक्त होगा। 37° सें पर उष्मायन किए जाने पर इसके गूदे में जीवाणु वृद्धि का कोई चिन्ह नहीं होगा। उत्पाद में समुद्रतल पर कोई निश्चित दबाव वर्णित नहीं होगा।

आधान पर गूदा-निकालने में प्रयुक्त किए गए आम की किस्म स्पष्टतः और सहज-दृश्यतः चिह्नित की जाएगी ।

भाग 2 (घ)

संश्लिष्ट पेय (सुगन्धित मीठा वातित जल) के लिए प्रारूप विनिर्देश ।

उत्पाद	किस्म	कुल विलेय-शील ठोस	परिभाषा और साधारण लक्षण
सुगन्धित मीठा वातित जल	एक या सम्मिश्र सुगंधित सहित मीठा वातित जल	निम्नतम 8%	वातित जल से समुचित रूप से मुद्रित आधान में दबाव युक्त कार्बन डाइ-ऑक्साइड सहित संसिक्त पीने योग्य जल अभिप्रेत है और जिसमें निम्नलिखित में से कोई एकल या सम्मिश्रण रूप में अन्तर्विष्ट हों :— शर्करा, तरल ग्लूकोस, द्राक्षशर्करा शहद, मोनोहाइड्रेट, प्रतीप शर्करा, फल शर्करा सैकरीन 100 भाग से प्रति दस लाख से अनधिक, सारतत्व फल और वनस्पति (वजन के आधार पर 10% से कम) और आज्ञप्त सुगंध, रंग, पदार्थ, विटामिन, परिरक्षण, पायसीकारक तथा स्थायीकारक एजेन्ट, सिट्रिक अम्ल, टार्टरिक अम्ल, फॉस्फोरिक अम्ल, मेलिक अम्ल, सोडियम, कैल्शियम तथा मैग्नीशियम का लवण, कैफीन 200 भाग प्रति दस लाख से अनधिक और भोज्य गोंद, और जिलेटिन । उत्पाद में वजन के आधार पर शुद्ध अन्तर्वस्तु की कुल शर्करा 5% से कम नहीं होगी ।

शुद्ध वजन घोषित किया जा सकेगा या न किया जा सकेगा ।

भाग 2 (ङ)

मीठे वातित पेय का, फलों का रस या गूदा या टुकड़ों सहित प्रारूप विनिर्देश

उत्पाद	किस्म	कुल विलय-शील ठोस	फल और वनस्पति मिश्रण की निम्नतम प्रतिशतता	परिभाषा और साधारण लक्षण
1	2	3	4	5
फलों के रस या गूदे या टुकड़ों में अन्तर्विष्ट मीठा वातित जल	फल, वनस्पति रस या गूदा या टुकड़ों सहित मीठा वातित जल	निम्नतम 10%	फलों के रस या गूदे या टुकड़ों या किसी फल के अन्य सम्मिश्रण के रूप में 10%	वातित जल से समुचित रूप से मुद्रित आधान में दबावयुक्त कार्बनडाइ-ऑक्साइड सहित संसिक्त पीने योग्य जल अभिप्रेत है और जिसमें निम्नलिखित में से कोई एकल या सम्मिश्रण के रूप में अन्तर्विष्ट हो ।
				शर्करा, तरल ग्लूकोस, द्राक्षशर्करा शहद, मोनोहाइड्रेट, प्रतीप शर्करा, फल शर्करा, सारतत्व फल तथा वनस्पति (वजन के आधार पर 100% से कम), और आज्ञप्त सुगन्ध, रंग, पदार्थ विटामिन, परिरक्षण, पायसीकारक, तथा स्थायीकारक एजेन्ट, सिट्रिक अम्ल, टार्टरिक अम्ल, मेलिक अम्ल, सोडियम, कैल्शियम तथा मैग्नीशियम का लवण और भोज्य गोंद ।

आधानों पर अन्तर्वस्तुओं का शुद्ध वजन घोषित किया जा सकेगा या नहीं किया जा सकेगा ।

(4) भाग XIII (ख) के पश्चात निम्नलिखित भाग अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् —

"भाग XIII (ग)

इमली सान्द्र के लिए प्रारूप विनिर्देश

उत्पाद	अम्लता की, जैसे टार्टरिक अम्ल निम्नतम प्रतिशतता	अम्ल में विलयशील भस्म	कुल विलय-शील ठोस	फफूंद कीटों आदि से दोष मुक्ति	साधारण लक्षण
इमली सान्द्र	9	0.8% से अनधिक	65% से कम न हो	फफूंद जीवित या मृत कीटों की गन्ध और मृणक दूषण से मुक्त	उत्पाद पकी हुई इमली से निकाला जाएगा । इमली सार उचित रूप से छना हुआ होगा और मूलवृन्त के टुकड़ों और रेशेदार पदार्थ से मुक्त होगा । सांद्र में इमली की सुगन्ध के लक्षण होंगे । जलन और किसी अन्य आपत्तिजनक गन्ध तथा स्वाद से रहित होगा । इसकी उत्तम क्वालिटी होगी डिब्बाबंद इमली सान्द्र में समुद्रतल पर कोई निश्चित दबाव नहीं होगा ।

प्रारूप 'घ'

(खण्ड 9 क देखिए)

दैनिक उत्पादन रजिस्टर (उत्पादक के विभिन्न प्रवर्ग के लिए पृथक पृष्ठ)

क्र० तारीख संख्या	विनिर्मित उत्पाद का नाम	प्रयुक्त आवश्यक कच्चा माल			
		फल		वनस्पति	
		फल/वनस्पति का नाम	ली गई मात्रा कि० ग्राम	तैयार माल कि०	चीनी कि० ग्राम
1	2	3	4	5	6	7

प्रयुक्त अन्य पदार्थ जैसे सिट्रिक अम्ल, पेक्टिन	विनिर्मित उत्पाद की क्वालिटी		
	पैक का आकार	यूनिटों की संख्या	कि० ग्राम
8	9	10	11

निर्देश स्टाक रजिस्टर		टिप्पण
तारीख	प्रविष्टि	
12	13	14

प्रारूप 'ङ'

(खण्ड 9 क देखिए)

स्टाक रजिस्टर (फल उत्पाद की विभिन्न मदों के लिए पृथक पृष्ठ रखे जाएंगे)

तारीख	विद्यमान स्टाक कि० ग्राम	प्राप्तियां: प्राप्ति का विवरण, (निर्देश उत्पादन रजिस्टर) तारीख	प्रविष्टि	स्टाक जो प्राप्त हुआ हो कि० ग्राम	कुल स्टाक कि० ग्राम
1	2	3	4	5	6

व्ययद व्यक्ति स्टाक कि० ग्राम	व्ययद का विवरण (बीजक/कैश मेमों तारीख सहित)	अतिशेष कि० ग्राम	टिप्पण
7	8	9	10

[फा० सं० 9(4)/73-एफ एम बी-4]

आर० एम० सरीन, अवर सचिव

दिल्ली विकास प्राधिकरण

(सार्वजनिक सूचना)

नई दिल्ली, 23 फरवरी, 1974

का. आ. 519.—दिल्ली डवेल्पमेंट एक्ट 1957 (1957 की संख्या 61) की धारा 11 के अन्तर्गत जिसे नियम 5 एवं 15 दिल्ली डवेल्पमेंट (मुख्य योजना तथा क्षेत्रीय विकास योजना) रुल्ज 1959 के साथ पढ़ा जाए।

एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि :—

(ए) केन्द्रीय सरकार ने दिल्ली डवेल्पमेंट एक्ट 1957 (1957 की संख्या 61) की धारा 9 की उप-धारा (2) के अन्तर्गत क्षेत्र (जोन्स) एफ-4 (सफदरजंग) तथा आई-1 (नरेला-टाउनशीप) के जोनल डवेल्पमेंट प्लान्स स्वीकृत कर दिये हैं।

(बी) स्वीकृत योजनाओं (प्लान्स) की प्रतियां का निरीक्षण दिल्ली विकास प्राधिकरण, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली -1 में सभी कार्यशील दिनों में 11 बजे से 3 बजे तक किया जा सकता है।

[सं. एफ 16(163)/73-एम. पी.]

हरदेव नाथ फोतेदार, सचिव

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY

PUBLIC NOTICE

New Delhi, the 23rd February, 1974

S.O. 519.—Notice under Section 11 of the Delhi Development Act, 1957 (No. 61 of 1957) read with Rules 5 and 15 of the Delhi Development (Master Plan and Zonal Development Plan) Rules, 1959.

Notice is hereby given that :—

(a) The Central Government have under sub-section (2) of Section 9 of the Delhi Development Act, 1957 (No. 61 of 1957), approved the zonal development plans for Zones F-4 (Safdarjang) and I-1 (Narela-Township).

(b) Copies of the plans, as approved, may be inspected at the office of the Delhi Development Authority Vikas Bhawan, Indraprastha Estate, New Delhi-1 between the hours of 11-00 a.m. and 3-00 p.m. on all working days.

[No. F. 16(163)/73-MP]

H. N. FOTEDAR, Secy.

संचार विभाग

(डाक तार बोर्ड)

नई दिल्ली, 14 फरवरी, 1974

का. आ. 520.—स्थायी आदेश संख्या 627, दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किये गये भारतीय तार नियम, 1951 के नियम 434 के खंड [II] के पैरा (क) के अनुसार डाक-तार महानिदेशक के हिम्मतनगर टेलीफोन केन्द्र में दिनांक 16-3-1974 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निश्चय किया है।

[सं० 5-8/78 पी० एच० बी०]

MINISTRY OF COMMUNICATIONS

(P & T Board)

New Delhi, the 14th February 1974

S. O. 520.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Posts and Telegraphs, hereby specifies the 16-3-1974 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in HIMATNAGAR Telephone Exchange, Gujarat Circle.

[No. 5-8/78-PHB.]

नई दिल्ली, 14 फरवरी, 1974

का० आ० 521.—स्थायी आदेश संख्या 627, दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किए गए भारतीय तार नियम, 1951 के नियम 434 के खंड III के पैरा (क) के अनुसार डाक-तार महानिदेशक ने पट्टुकोटई टेलीफोन केन्द्र में दिनांक 16-3-74 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निश्चय किया है।

[सं 5—5/74—पी०एच०बी०]

पी०सी० गुप्ता,
सहायक महानिदेशक (पी०एच०बी०)

New Delhi, the 14th February, 1974

S. O. 521.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Posts and Telegraphs, hereby specified the 16-3-1974 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in PATTUKOTTAI Telephone Exchange, Tamil Nadu Circle.

[No. 5-5/74-PHB]

P. C. GUPTA,
Assistant Director General (PHB)

रेल मंत्रालय
(रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, 25 जनवरी, 1974

का० आ० 522—रेल दुर्घटना (क्षतिपूर्ति) नियम 1950 के नियम 4 के उप-नियम (1) के साथ पठित भारतीय रेल अधिनियम 1890 (1890 का 9) की धारा 82-बी० द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार, रेल मंत्रालय, (रेलवे बोर्ड) के दिनांक 28 जनवरी, 1960 की अधिसूचना सं० 893-टी०जी०iv/58/3 का अधिक्रमण करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा इस अधिसूचना में अनुबद्ध अनुसूची के कालम 1 में विनिर्दिष्ट प्रत्येक राज्य और संघ-शासित प्रदेश के सम्बन्ध में अनुसूची के कालम 2 में विनिर्दिष्ट अधिकारियों को, अपने-अपने अधिकार-क्षेत्र में होने वाली छोटी-मोटी दुर्घटनाओं से उत्पन्न होने वाले क्षति पूर्ति के सभी दावों की जांच करने और उसे निर्धारित करने के लिए, पदेन दावा आयुक्त के रूप में नियुक्त करती है।

अनुसूची

राज्य का नाम	अधिकारी का पदनाम
(1)	(2)
1. आन्ध्र प्रदेश	1 जिला न्यायाधीश, अनन्तपुर
	2. ,, ,, चित्तूर
	3. ,, ,, कुडपा
	4. ,, ,, ईस्ट गोदावरी (काकिनाड़ा)
	5. ,, ,, वैस्ट गोदावरी (इलूरु)
	6. ,, ,, गुन्तूर
	7. ,, ,, कृष्णा
	8 ,, ,, करनूल
	9 ,, ,, नेल्लोर
	10. ,, ,, श्री काकुलम
	11. ,, ,, विशाखापत्तनम
	12. ,, ,, आदिलाबाद
	13. ,, ,, खाममम
	14. ,, ,, करीमनगर
	15. ,, ,, महबूबनगर
	16 ,, ,, मेदक
	17. ,, ,, नालगोण्डा
	18 ,, ,, निजामाबाद
	19 ,, ,, वारंगल
	20. ,, ,, हैदराबाद
	21 ,, ,, ओंगल
	22 मुख्य न्यायाधीश, सिटी सिविल कोर्ट, हैदराबाद
2 असम	1. उप-आयुक्त कामरूप (जोरहाट)
	2. ,, ,, नवगाव
	3. ,, ,, सिबसागर (जोरहाट)
	4 ,, ,, खालपाड़ा (धुबरी)
	5. ,, ,, दारंग (तेजपुर)
	6. ,, ,, लखीमपुर (उत्तरी लखीमपुर)
	7. ,, ,, डिब्रूगढ़
	8 ,, ,, उत्तरी कछार हिल्स (हलोंग)
	9. ,, ,, मिकिर हिल्स (डिफू)
	10. ,, ,, कछार (सिलचर)
3 बिहार	1. जिला न्यायाधीश, पटना
	2. ,, ,, गया
	3. ,, ,, भागलपुर
	4 ,, ,, मुंगेर
	5. ,, ,, पूर्णिया
	6. ,, ,, हजारीबाग
	7 ,, ,, शाहाबाद (आरा)
	8. ,, ,, दरभंगा (लहेरिया सराय)
	9 ,, ,, सारन (छपरा)
	10. ,, ,, चम्पारन (मोतीहारी)
	11. ,, ,, संथाल परगना (दुमका)
	12. ,, ,, धनबाद
	13. ,, ,, सिंघभूम (चाय बासा)
	14. ,, ,, मुजफ्फरपुर
	15. ,, ,, सहरसा
	16. ,, ,, पलामू
	17 न्यायिक आयुक्त, छोटा नागपुर (रांची)
4. चण्डीगढ़ प्रशासन	1. जिलाधीश, चण्डीगढ़
5 दिल्ली प्रशासन	1. अतिरिक्त जिला न्यायाधीश, दक्षिण जिला, दिल्ली
	2. ,, ,, ,, उत्तरी जिला, दिल्ली
	3 ,, ,, ,, मध्य जिला, दिल्ली
6. गोवा, दमन एवं दीव प्रशासन	1. जिलाधीश, गोवा (पंजीम)
7. गुजरात	1 सिविल न्यायाधीश (सीनियर डिवीजन), नरोल
	2. सिविल न्यायाधीश (सीनियर डिवीजन), भरूच
	3. सिविल न्यायाधीश (सीनियर डिवीजन), गोधरा
	4 सिविल न्यायाधीश (सीनियर डिवीजन), नडियाद
	5. सिविल न्यायाधीश (सीनियर डिवीजन), सूरत
	6 सिविल न्यायाधीश (सीनियर डिवीजन), बड़ौदा
	7 सिविल न्यायाधीश (सीनियर डिवीजन), मेहसाना

(1)	(2)
	8. सिविल न्यायाधीश (सीनियर डिवीजन), हिम्मत नगर
	9. सिविल न्यायाधीश (सीनियर डिवीजन), पालनपुर
	10. सिविल न्यायाधीश (सीनियर डिवीजन), भावनगर
	11. सिविल न्यायाधीश (सीनियर डिवीजन), जामनगर
	12. सिविल न्यायाधीश (सीनियर डिवीजन), सुरेन्द्र नगर
	13. सिविल न्यायाधीश (सीनियर डिवीजन), राजकोट
	14. सिविल न्यायाधीश (सीनियर डिवीजन), गोंडल
	15. सिविल न्यायाधीश (सीनियर डिवीजन), मोर्वी
	16. सिविल न्यायाधीश (सीनियर डिवीजन), जूनागढ़
	17. सिविल न्यायाधीश (सीनियर डिवीजन), पोरबन्दर
	18. सिविल न्यायाधीश (सीनियर डिवीजन), भुज
	19. सिविल न्यायाधीश (सीनियर डिवीजन), अमरेली
	20. सिविल न्यायाधीश (सीनियर डिवीजन), वलसाड़ (खमारी में)
8. हरियाणा	1 जिलाधीश हिसार
	2 ,, रोहतक
	3 ,, गुड़गांव
	4 ,, करनाल
	5 ,, अम्बाला
	6. ,, महेन्द्रगढ़ (नारनौल)
	7. उप आयुक्त, भोंद
9. हिमाचल प्रदेश	1. जिलाधीश, सहासू (कसुम्पती)
	2. ,, मण्डी
	3 ,, कांगड़ा (धर्मशाला)
	4. ,, शिमला
10. जम्मू एवं काश्मीर	1 उप आयुक्त, जम्मू (जिला जम्मू)
	2. ,, कठुआ (जिला कठुआ)
11. कर्नाटक (मैसूर)	1. जिला एवं सत्र न्यायाधीश, बेंगलूर, मुख्यालय बेंगलूर
	2. जिला एवं सत्र न्यायाधीश, बेलगांव, मुख्यालय बेलगांव
	3. जिला एवं सत्र न्यायाधीश, बेलारी, मुख्यालय बेलारी
	4. जिला एवं सत्र न्यायाधीश, बीदर, मुख्यालय बीदर
	5. जिला एवं सत्र न्यायाधीश, बीजापुर, मुख्यालय बीजापुर
	6. जिला एवं सत्र न्यायाधीश, चिकमागलूर, मुख्यालय चिकमागलूर
	7. जिला एवं सत्र न्यायाधीश चित्रदुर्ग, मुख्यालय चित्रदुर्ग
	8. जिला एवं सत्र न्यायाधीश, कुर्ग, मुख्यालय मेरकारा
	9 जिला एवं सत्र न्यायाधीश, धारवाड़, मुख्यालय धारवाड़
	10. जिला एवं सत्र न्यायाधीश, गुलबर्गा, मुख्यालय गुलबर्गा
	11. जिला एवं सत्र न्यायाधीश, हसन, मुख्यालय हसन
	12 जिला एवं सत्र न्यायाधीश, उत्तरी कनारा, मुख्यालय करवाड़
	13. जिला एवं सत्र न्यायाधीश, दक्षिण कनारा, मुख्यालय मंगलौर
	14 जिला एवं सत्र न्यायाधीश, कोलार, मुख्यालय कोलार
	15. जिला एवं सत्र न्यायाधीश, माड्या, मुख्यालय मांड्या
	16 जिला एवं सत्र न्यायाधीश, मैसूर, मुख्यालय मैसूर
	17. जिला एवं सत्र न्यायाधीश, रायचूर, मुख्यालय रायचूर
	18. जिला एवं सत्र न्यायाधीश, शिमोगा, मुख्यालय शिमोगा
	19. जिला एवं सत्र न्यायाधीश, तमकुर, मुख्यालय तमकुर
12 केरल	1. जिला एवं सत्र न्यायाधीश (कार्यकारी न्यायिक), तिरुअनन्तपुरम, मुख्यालय तिरुअनन्तपुरम
	(अ) अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश (कार्यकारी न्यायिक), तिरुअनन्तपुरम मुख्यालय तिरुअनन्तपुरम
	2 जिला एवं सत्र न्यायाधीश (कार्यकारी न्यायिक), क्वीलन
	(क) प्रथम अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश (कार्यकारी न्यायिक), क्वीलन
	(ख) द्वितीय अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, (कार्यकारी न्यायिक), क्वीलन
	3 जिला एवं सत्र न्यायाधीश (कार्यकारी न्यायिक), कोट्टायम
	(क) अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश (कार्यकारी न्यायिक), कोट्टायम (मुख्यालय कोट्टायम)
	4. जिला एवं सत्र न्यायाधीश (कार्यकारी न्यायिक अल्लेपी
	(क) अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश (कार्यकारी न्यायिक) अल्लेपी (तकेलीकरा) (मुख्यालय अल्लेपी)
	5. जिला एवं सत्र न्यायाधीश (कार्यकारी न्यायिक) एर्णाकुलम
	(क) अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश (कार्यकारी न्यायिक), एर्णाकुलम

(1)	(2)
	(ख) अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश (कार्यकारी न्यायिक), एर्णाकुलम एवं राज्य परिवहन अपीली अधिकरण, एर्णाकुलम (मुख्यालय एर्णाकुलम)
	6. जिला एवं सत्र न्यायाधीश (कार्यकारी न्यायिक) त्रिचूर (मुख्यालय त्रिचूर)
	7. जिला एवं सत्र न्यायाधीश (कार्यकारी न्यायिक,) पालघाट (क) अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश (कार्यकारी न्यायिक), पालघाट (मुख्यालय पालघाट)
	8. जिला एवं सत्र न्यायाधीश (कार्यकारी न्यायिक), कोजीकोड (क) अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश (कार्यकारी न्यायिक), कोजीकोड (ख) अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश (कार्यकारी न्यायिक), कोजीकोड (मुख्यालय कोजीकोड)
	9. जिला एवं सत्र न्यायाधीश (कार्यकारी न्यायिक) कणणार (तेल्लीच्चेरी) (मुख्यालय तेल्लीच्चेरी) (क) अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश (कार्यकारी न्यायिक), कणणार (तेल्लीच्चेरी) (मुख्यालय तेल्लीच्चेरी)
	10. जिला एवं सत्र न्यायाधीश (कार्यकारी न्यायिक), मंजेरी (मुख्यालय मंजेरी)
13. मध्य प्रदेश	1. जिला एवं सत्र न्यायाधीश, राजस्व जिला जबलपुर (मुख्यालय जबलपुर)
	2. जिला एवं सत्र न्यायाधीश, राजस्व जिला सिवनी एवं मांडला (मुख्यालय सिवनी)
	3. जिला एवं सत्र न्यायाधीश, राजस्व जिला रायपुर (मुख्यालय रायपुर)
	4. जिला एवं सत्र न्यायाधीश, राजस्व जिला बिलासपुर (मुख्यालय बिलासपुर)
	5. जिला एवं सत्र न्यायाधीश, राजस्व शहडोल (मुख्यालय शहडोल)
	6. जिला एवं सत्र न्यायाधीश, राजस्व जिला सागर (मुख्यालय सागर)
	7. जिला एवं सत्र न्यायाधीश, राजस्व जिला दमोह (मुख्यालय दमोह)
	8. जिला एवं सत्र न्यायाधीश, राजस्व जिला छिन्दवाड़ा (मुख्यालय छिन्दवाड़ा)
	9. जिला एवं सत्र न्यायाधीश, राजस्व जिला नरसिम्हपुर (मुख्यालय नरसिम्हपुर)
	10. जिला एवं सत्र न्यायाधीश, राजस्व जिला बालाघाट (मुख्यालय बालाघाट)
	11. जिला एवं सत्र न्यायाधीश, राजस्व जिला होशंगाबाद (मुख्यालय होशंगाबाद)
	12. जिला एवं सत्र न्यायाधीश, राजस्व जिला पूर्वी नीमाड़ खंडवा (मुख्यालय खंडवा)
	13. जिला एवं सत्र न्यायाधीश, राजस्व जिला पश्चिम नीमाड़ खारगांव (मुख्यालय मंडलेश्वर)
	14. जिला एवं सत्र न्यायाधीश, राजस्व जिला रेवा (मुख्यालय रेवा)
	15. जिला एवं सत्र न्यायाधीश, राजस्व जिला छतरपुर एवं टीकमगढ़ (मुख्यालय छतरपुर)
	16. जिला एवं सत्र न्यायाधीश, राजस्व जिला ग्वालियर (मुख्यालय ग्वालियर)
	17. जिला एवं सत्र न्यायाधीश, राजस्व जिला शिवपुरी एवं दतिया (मुख्यालय शिवपुरी)
	18. जिला एवं सत्र न्यायाधीश, राजस्व जिला गुना एवं राजगढ़ (मुख्यालय गुना)
	19. जिला एवं सत्र न्यायाधीश, राजस्व जिला देवास एवं शाजापुर (मुख्यालय देवास)
	20. जिला एवं सत्र न्यायाधीश, राजस्व जिला इन्दौर (मुख्यालय इन्दौर)
	21. जिला एवं सत्र न्यायाधीश, राजस्व जिला उज्जैन (मुख्यालय उज्जैन)
	22. जिला एवं सत्र न्यायाधीश, राजस्व जिला धार (मुख्यालय धार)
	23. जिला एवं सत्र न्यायाधीश, राजस्व जिला झाबुआ (मुख्यालय झाबुआ)
	24. जिला एवं सत्र न्यायाधीश, राजस्व जिला रतलाम (मुख्यालय रतलाम)
	25. जिला एवं सत्र न्यायाधीश, राजस्व जिला मंदसौर (मुख्यालय मंदसौर)
	26. जिला एवं सत्र न्यायाधीश, राजस्व जिला सीहोर एवं रायसेन (मुख्यालय भोपाल)
	27. जिला एवं सत्र न्यायाधीश, राजस्व जिला विदिशा (मुख्यालय विदिशा)
	28. जिला एवं सत्र न्यायाधीश, राजस्व जिला रायगढ़ (मुख्यालय रायगढ़)
	29. जिला एवं सत्र न्यायाधीश, राजस्व जिला सरगुजा (मुख्यालय अम्बिकापुर)
	30. जिला एवं सत्र न्यायाधीश, राजस्व जिला दुर्ग (मुख्यालय राजनान्द गांव)
	31. जिला एवं सत्र न्यायाधीश, राजस्व जिला बस्तर (मुख्यालय जगदलपुर)
	32. जिला एवं सत्र न्यायाधीश, राजस्व जिला भिण्ड (मुख्यालय भिण्ड)
	33. जिला एवं सत्र न्यायाधीश, राजस्व जिला मोरेना (मुख्यालय मोरेना)
	34. जिला एवं सत्र न्यायाधीश, राजस्व जिला सतना एवं पन्ना (मुख्यालय सतना)
	35. जिला एवं सत्र न्यायाधीश, राजस्व जिला बेतुल (मुख्यालय बेतुल)
14. महाराष्ट्र	1. सिविल न्यायाधीश (सीनियर डिवीजन) थाना
	2. ,, ,, अहमदाबाद
	3. ,, ,, धूलिया
	4. ,, ,, जलगांव
	5. ,, ,, नासिक

(1)	(2)
	6 ,, ,, शोलापुर
	7. ,, ,, पूना
	8 ,, ,, सतारा
	9. ,, , अलीबाग
	10. ,, ,, कोल्हापुर
	11. ,, ,, सांगली
	12. ,, ,, औरंगाबाद
	13. ,, ,, भीर
	14 ,, ,, नान्देड
	15. ,, ,, लातूर
	16. ,, ,, उस्मानाबाद
	17. ,, ,, परभणी
	18. ,, ,, अकोला
	19. ,, ,, वाशीम
	20. ,, ,, बुलढाना
	21. ,, ,, खामगाव
	22. ,, ,, अमरावती
	23. ,, , अचलपुर
	24. ,, ,, दरयापुर
	25. ,, ,, यवतमाल
	26. ,, ,, नागपुर
	27. ,, ,, भंडारा
	28. सिविल न्यायाधीश (वरिष्ठ विभाजन), चांदा
	29. ,, ,, वर्धा
15 नागालैण्ड	1. उप आयुक्त, कोहिमा (मुख्यालय दीमापुर)
	2. ,, तुएनसांग (मुख्यालय दीमापुर)
16. उड़ीसा	1. जिलाधीश, कटक (मुख्यालय कटक)
	2 ,, पुरी (मुख्यालय पुरी)
	3. ,, बालासोर (मुख्यालय बालासोर)
	4. ,, सम्बलपुर (मुख्यालय सम्बलपुर)
	5. ,, गंजाम (मुख्यालय चनरापुर)
	6. ,, कोरापुट (मुख्यालय कोरापुर)
	7. ,, मयूरगंज (मुख्यालय बारीपदा)
	8. ,, धेन्कानाल (मुख्यालय धेन्कानाल)
	9. ,, सुन्दरगढ़ (मुख्यालय सुन्दरगढ़)
	10. ,, केंवझर (मुख्यालय केंवझर)
	11. ,, बोलांगिरि (मुख्यालय बोलांगिरि)
	12. ,, कालाहाण्डी (मुख्यालय भवानी पटना)
	13. ,, खंडामल (मुख्यालय कुलबनी, अब जोड़ खंडामल)
17. पांडिचेरी प्रशासन	1. प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, पांडिचेरी
18. पंजाब	1. जिलाधीश, होशियारपुर (मुख्यालय होशियारपुर)
	2 ,, जलंधर (मुख्यालय जलंधर)
	3. ,, लुधियाना (मुख्यालय लुधियाना)
	4. ,, फिरोजपुर (मुख्यालय फिरोजपुर)
	5. ,, अमृतसर (मुख्यालय अमृतसर)
	6. ,, गुरुदासपुर (मुख्यालय गुरुदासपुर)
	7 ,, पटियाला (मुख्यालय पटियाला)
	8. ,, संगरूर (मुख्यालय संगरूर)
	9. जिलाधीश, कपूरथला (मुख्यालय कपूरथला)
	10. ,, भटिण्डा (मुख्यालय भटिण्डा)
	11 ,, रोपड़ (मुख्यालय रोपड़)
19. राजस्थान	1. जिलाधीश, अजमेर (मुख्यालय अजमेर)
	2. ,, अलवर (मुख्यालय अलवर)
	3. ,, बांसवाड़ा (मुख्यालय बांसवाड़ा)
	4. ,, बाड़मेर (मुख्यालय बाड़मेर)
	5. ,, भरतपुर (मुख्यालय भरतपुर)
	6. ,, भिलवाड़ा (मुख्यालय भिलवाड़ा)
	7. ,, बीकानेर (मुख्यालय बीकानेर)
	8. ,, बूंदी (मुख्यालय बून्दी)
	9. ,, चित्तौरगढ़ (मुख्यालय चित्तौरगढ़)
	10. ,, चुरु (मुख्यालय चुरु)
	11. ,, डूंगरपुर (मुख्यालय डूंगरपुर)
	12. ,, गंगानगर (मुख्यालय गंगानगर)
	13. ,, जैपुर (मुख्यालय जैपुर)
	14. ,, जैसलमेर (मुख्यालय जैसलमेर)
	15. ,, जालोर (मुख्यालय जालोर)
	16. ,, झालावाड़ (मुख्यालय झालावाड़)
	17. ,, जोधपुर (मुख्यालय जोधपुर)
	18 ,, झुनझुनू (मुख्यालय झुन्झुनू)
	19. ,, कोटा (मुख्यालय कोटा)
	20. ,, नागौर (मुख्यालय नागौर)
	21. ,, पाली (मुख्यालय पाली)
	22. ,, सवाईमाधोपुर (मुख्यालय सवाई माधोपुर)
	23. ,, सीकर (मुख्यालय सीकर)
	24. ,, सिरोही (मुख्यालय सिरोही)
	25. ,, टोंक (मुख्यालय टोंक)
	26. ,, उदयपुर (मुख्यालय उदयपुर)
20. तमिलनाडु	1. जिला एवं सत्र न्यायाधीश, उत्तरी आरकोट (मुख्यालय वेलोर)
	2. ,, ,, (मुख्यालय कोयम्बटूर)
	3. ,, ,, कोयम्बटूर पूर्वी (मुख्यालय एरोड)
	4. ,, ,, मदुरै (मुख्यालय मदुरै)
	5. ,, ,, कोयम्बटूर (एवं नीलगिरि मुख्यालय कोयम्बटूर)
	6. ,, तंजाउर (पूर्वी) (मुख्यालय तंजाउर)
	7. ,, तंजाउर (पश्चिमी) (मुख्यालय तंजाउर)

(1)	(2)
	8. जिला न्यायाधीश सोमनाथपुरम (मुख्यालय मदुरै)
	9. ,, धर्मपुरी (मुख्यालय कृष्णगिरी)
	10. ,, तिरुनेलवेली (मुख्यालय तिरुनेलवेली)
	11. ,, कन्याकुमारी (मुख्यालय कन्याकुमारी)
	12. ,, सलेम (मुख्यालय सलेम)
	13. ,, चिंगलपेट (मुख्यालय चिंगलपेट)
	14. ,, तिरुचिरापल्लि (मुख्यालय तिरुचिरापल्लि)
	15. ,, दक्षिण आरकाटर (मुख्यालय कुड्डालोर)
	16. जिलाधीश, कायम्बटूर (मुख्यालय कोयम्बटूर) (सम्पूर्ण कोयम्बटूर एवं नीलगिरि राजस्व जिला)
	17. प्रधान न्यायाधीश, सिटी सिविल कोर्ट, मद्रास शहर
21. त्रिपुरा प्रशासन	1. जिलाधीश एवं सम्हरणा, उत्तरी त्रिपुरा (मुख्यालय कैलाशहर)
22 उत्तर प्रदेश	1 अतिरिक्त जिलाधीश (न्यायिक), देहरादून (मुख्यालय देहरादून)
	2. अतिरिक्त जिलाधीश (न्यायिक), सहारनपुर (मुख्यालय सहारनपुर)
	3. अतिरिक्त जिलाधीश (न्यायिक) मुजफ्फरनगर (मुख्यालय मुजफ्फरनगर)
	4. अतिरिक्त जिलाधीश (न्यायिक), मेरठ (मुख्यालय मेरठ)
	5. अतिरिक्त न्यायाधीश (न्यायिक), बुलंदशहर (मुख्यालय बुलन्दशहर)
	6. अतिरिक्त जिलाधीश (न्यायिक), अलीगढ़ (मुख्यालय अलीगढ़)
	7. अतिरिक्त जिलाधीश (न्यायिक), मथुरा (मुख्यालय मथुरा)
	8. अतिरिक्त जिलाधीश (न्यायिक), आगरा (मुख्यालय आगरा)
	9. अतिरिक्त जिलाधीश (न्यायिक), मैनपुरी (मुख्यालय मैनपुरी)
	10. अतिरिक्त जिलाधीश (न्यायिक), एटा (मुख्यालय एटा)
	11. अतिरिक्त जिलाधीश (न्यायिक), बरेली (मुख्यालय बरेली)
	12. अतिरिक्त जिलाधीश (न्यायिक), बिजनौर (मुख्यालय बिजनौर)
	13. अतिरिक्त जिलाधीश (न्यायिक), बदायूं (मुख्यालय बदायूं)
	14. अतिरिक्त जिलाधीश (न्यायिक), मुरादाबाद (मुख्यालय मुरादाबाद)
	15. अतिरिक्त जिलाधीश (न्यायिक) रामपुर (मुख्यालय रामपुर)
	16. अतिरिक्त जिलाधीश (न्यायिक), शाहजहांपुर (मुख्यालय शाहजहांपुर)
	17. अतिरिक्त जिलाधीश (न्यायिक), पीलीभीत (मुख्यालय पीलीभीत)
	18 अतिरिक्त जिलाधीश (न्यायिक) फर्रुखाबाद (मुख्यालय फर्रुखाबाद)
	19 अतिरिक्त जिलाधीश (न्यायिक), इटावा (मुख्यालय इटावा)
	20. अतिरिक्त जिलाधीश (न्यायिक), कानपुर (मुख्यालय कानपुर)
	21 अतिरिक्त जिलाधीश (न्यायिक) फतेहपुर (मुख्यालय फतेहपुर)
	22. अतिरिक्त जिलाधीश (न्यायिक), इलाहाबाद (मुख्यालय इलाहाबाद)
	23. अतिरिक्त जिलाधीश (न्यायिक), झांसी (मुख्यालय झांसी)
	24. अतिरिक्त जिलाधीश (न्यायिक), जालौन (मुख्यालय जालौन)
	25 अतिरिक्त जिलाधीश (न्यायिक), हमीरपुर (मुख्यालय हमीरपुर)
	26. अतिरिक्त जिलाधीश (न्यायिक), बान्दा (मुख्यालय बांदा)
	27. अतिरिक्त जिलाधीश (न्यायिक), वाराणसी (मुख्यालय वाराणसी)
	28. अतिरिक्त जिलाधीश (न्यायिक), मिरजापुर (मुख्यालय मिरजापुर)
	29. अतिरिक्त जिलाधीश (न्यायिक), जौनपुर (मुख्यालय जौनपुर)
	30. अतिरिक्त जिलाधीश (न्यायिक), गाजीपुर (मुख्यालय गाजीपुर)
	31. अतिरिक्त जिलाधीश (न्यायिक), बलिया (मुख्यालय बलिया)
	32. अतिरिक्त जिलाधीश (न्यायिक), गोरखपुर (मुख्यालय बलिया)
	33. अतिरिक्त जिलाधीश (न्यायिक), देवरिया (मुख्यालय देवरिया)
	34. अतिरिक्त जिलाधीश (न्यायिक), बस्ती (मुख्यालय बस्ती)
	35. अतिरिक्त जिलाधीश (न्यायिक), आजमगढ़ (मुख्यालय आजमगढ़)
	36 अतिरिक्त जिलाधीश (न्यायिक), नैनीताल (मुख्यालय नैनीताल)
	37. अतिरिक्त जिलाधीश (न्यायिक), गढ़वाल (मुख्यालय गढ़वाल)
	38. अतिरिक्त जिलाधीश टेहरी गढ़वाल (मुख्यालय टेहरी गढ़वाल)
	39. अतिरिक्त जिलाधीश लखनऊ (मुख्यालय लखनऊ)
	40. अतिरिक्त जिलाधीश उन्नाव (मुख्यालय उन्नाव)
	41 अतिरिक्त जिलाधीश रायबरेली (मुख्यालय राय बरेली)
	42. अतिरिक्त जिलाधीश सीतापुर (मुख्यालय सीतापुर)

1	2
	43. अतिरिक्त जिलाधीश हरदोई (मुख्यालय हरदोई)
	44. अतिरिक्त जिलाधीश खीरी (मुख्यालय खीरी)
	45. अतिरिक्त जिलाधीश फैजाबाद (मुख्यालय फैजाबाद)
	46. अतिरिक्त जिलाधीश बहराइच
	47. अतिरिक्त जिलाधीश सुलतानपुर (मुख्यालय सुलतानपुर)
	48. अतिरिक्त जिलाधीश गोण्डा (मुख्यालय गोंडा)
	49. अतिरिक्त जिलाधीश प्रतापगढ़ (मुख्यालय प्रतापगढ़)
	50. अतिरिक्त जिलाधीश बाराबंकी (मुख्यालय बाराबंकी)
23. पश्चिम बंगाल	1. जिला न्यायाधीश हवड़ा (मुख्यालय हवड़ा)
	2. जिला न्यायाधीश हुगली (मुख्यालय चिनसुराह)
	3. जिला न्यायाधीश बर्दवान (मुख्यालय बर्दवान)
	4. जिला न्यायाधीश मिदनापुर (मुख्यालय मिदनापुर)
	5. जिला न्यायाधीश बांकुरा (मुख्यालय बांकुरा)
	6. जिला न्यायाधीश बीरभूमि (मुख्यालय बीरभूम)
	7. जिला न्यायाधीश पुरूलिया (मुख्यालय पुरुलिया)
	8. जिला न्यायाधीश 24-परगना (मुख्यालय अलीपुर)
	9. जिला न्यायाधीश नदिया (मुख्यालय कृष्णानगर)
	10. जिला न्यायाधीश मुर्शिदाबाद (मुख्यालय बहरामपुर)
	11. जिला न्यायाधीश पश्चिम दीनाजपुर एवं मालदा (मुख्यालय मालदा)
	12. जिला न्यायाधीश जलपाईगुड़ी एवं दार्जिलिंग (मुख्यालय जलपाईगुड़ी)
	13. जिला न्यायाधीश कूच बिहार (मुख्यालय कूच बिहार)

[स० टी० जी० 2/1026/29]

पी० एन० कालड़ा,

कृते सचिव

MINISTRY OF RAILWAY

(Railway Board)

New Delhi, the 25th January, 1974

S. O. 522—In exercise of the powers conferred by section 82-B of the Indian Railways Act, 1890 (9 of 1890), read with sub-rule (1) of rule 4 of the Railway Accidents (Compensation) Rules 1950 and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Railways (Railway Board) No. 893—TGIV/58/3 dated the 28th January, 1960, the Central Government hereby appoints in respect of each of the States and Union Territories specified in column 1 of the Schedule annexed hereto, the officers specified against each in column 2 thereof as the **Ex-Officio** Claims Commissioner for enquiring into and determining all claims for compensation arising out of minor accidents occurring within their respective jurisdictions.

SCHEDULE

Name of State	Designation of Officer
1	2
1. Andhra Pradesh	1. District Judge, Anantpur
	2. ,, ,, Chittor
	3. ,, ,, Cuddapah
	4. ,, ,, East Godavari (Kakinada)
	5. ,, ,, West Godavary (Eluru)
	6. ,, ,, Guntur
	7. ,, ,, Krishna
	8. ,, ,, Kurnool
	9. ,, ,, Nellore
	10. ,, ,, Srikakulam
	11. ,, ,, Visakhapatnam
	12. ,, ,, Adilabad
	13. ,, ,, Khamam
	14. ,, ,, Karimnagar
	15. ,, ,, Mahabubnagar
	16. ,, ,, Mokak
	17. ,, ,, Nalgonda
	18. ,, ,, Nizamabad
	19. ,, ,, Warangal
	20. ,, ,, Hyderabad
	21. ,, ,, Ongole
	22. Chief Judge, City Civil Court Hyderabad.
2. Assam	1. Deputy Commissioner, Kamrup (Gauhati)
	2. Deputy Commissioner Nowgong
	3. Deputy Commissioner Sibsagar (Jorhat)
	4. Deputy Commissioner Goalpara (Dhubri)
	5. Deputy Commissioner Darrang (Tezpur)
	6. Deputy Commissioner Lakhimpur (North Lakhimpur).
	7. Deputy Commissioner Dibrugarh
	8. Deputy Commissioner North Cachar Hills (Hallong).
	9. Deputy Commisioner Mikir Hills (Diphu).
	10. Deputy Commissioner Cachar (Silchar).
3. Bihar	1. District Judge, Patna
	2. ,, ,, Gaya
	3. ,, ,, Bhagalpur
	4. ,, ,, Monngyr
	5. ,, ,, Purnea
	6. ,, ,, Hazaribagh
	7. ,, ,, Shahabad (Arrah)
	8. ,, ,, Darbhanga (Laheriasarai)
	9. ,, ,, Saran (Chapra)
	10. ,, ,, Champaran (Motihari)
	11. ,, ,, Santhal Paraganas (Dumka)
	12. ,, ,, Dhanbad
	13. ,, ,, Singbhum (Chaibasa)
	14. ,, ,, Muzaffarpur
	15. ,, ,, Saharsa
	16. ,, ,, Palamau

1	2
	17. Judicial Commissioner, Chotanagpur (Ranchi).
4. Chandigarh Administration	1. District Magistrate, Chandigarh
5. Delhi Administration	1. Addl. Distt. Magistrate, South Distt. Delhi. 2. Addl. Distt. Magistrate, North Distt. Delhi. 3. Addl. Distt. Magistrate, Central Distt. Delhi.
6. Goa, Daman and Diu Administration	1. District Magistrate, Goa (Panjim)
7. Gujarat	1. Civil Judge (Senior Division), Narol 2. Civil Judge (Senior Division), Broach 3. Civil Judge (Senior Division), Godhra 4. Civil Judge (Senior Division), Nadiad 5. Civil Judge (Senior Division), Surat 6. Civil Judge (Senior Division), Baroda 7. Civil Judge (Senior Division), Mahsana 8. Civil Judge (Senior Division), Himatnagar. 9. Civil Judge (Senior Division), Palanpur 10. Civil Judge (Senior Division), Bhavnagar. 11. Civil Judge (Senior Division), Jamnagar 12. Civil Judge (Senior Division), Surendranagar 13. Civil Judge (Senior Division), Rajkot 14. Civil Judge (Senior Division), Gondal 15. Civil Judge (Senior Division), Morvi 16. Civil Judge (Senior Division), Junagadh 17. Civl Judge (Senior Division), Porbandar 18. Civil Judge (Senior Division), Bhuj 19. Civil Judge (Senior Division), Amroli 20. Civil Judge (Senior Division), Bulsar at Navsari.
8. Haryana	1. District Magistrate, Hissar 2. District Magistrate, Rohtak 3. District Magistrate, Gurgaon 4. District Magistrate, Karnal 5. District Magistrate, Ambala 6. District Magistrate, Mahendergarh (Narnaul) 7. Deputy Commissioner, Jind.
9. Himachal Pradesh	1. District Magistrate, Mahasu (Kasumpti). 2. District Magistrate, Mandi. 3. District Magistrate, Kangra (Dharamsala). 4. District Magistrate, Simla.
10. Jammu and Kashmir	1. Dy. Commissioner, Jammu (Jammu Distt) 2. Dy. Commissioner, Kathua (Kathua Distt).
11. Karnataka (Mysore)	1. District & Sessions Judge, Bangalore, H.Q. at Bangalore. 2. District & Sessions Judge, Belgam H.Q. at Belgam. 3. District & Sessions Judge, Bellary H.Q. at Bellary. 4. District & Sessions Judge, Bidar H.Q. at Bidar. 5. District & Sessions Judge, Bijapur H.Q. at Bijapur. 6. District & Sessions Judge, Chickomagalur, H.Q. at Chickomagalur. 7. District & Sessions Judge, Chitradurga, H.Q. at Chitradurga. 8. District & Sessions Judge, Coorg, H.Q. at Mercara. 9. District & Sessions Judge, Dharwar, H.Q. at Dharwar. 10. District & Sessions Judge, Gulbarga, H.Q. at Gulbarga. 11. District & Sessions Judge, Hassan, H.Q. at Hassan. 12. District & Sessions Judge, North Kanara, H.Q. at Karwar. 13. District & Sessions Judge, South Kanara, H.Q. at Mangalore. 14. District & Sessions Judge, Kolar, H.Q. at Kolar. 15. District & Sessions Judge, Mandya, H.Q. at Mandya. 16. District & Sessions Judge, Mysore, H.Q. at Mysore. 17. District & Sessions Judge, Raichur, H.Q. at Raichur. 18. District & Sessions Judge Shimoga, H.Q. at Shimoga. 19. District & Sessions Judge, Tumkur, H.Q. at Tumkur.
12. Kerala	1. District and Sessions Judge (H.Q. at Trivandrum) (Executive/Judicial) Trivandrum. (a) Add. Distt. and Session Judge (H.Q. at Trivendrum) (Executive/Judicial) Trivandrum. 2. District and Sessions Judge (Executive/Judicial) Quilon. (a) 1st Addl. Dist. & Session Judge (Executive/Judicial) Quilon. (b) 2nd Addl. Dist. & Session Judge (Executive/Judicial) Quilon. 3. District and Sessions Judge (Executive/Judicial) Kottayam. (a) Addl. District and Sessions Judge (H.Q. at Kottayam) (Executive/Judicial) Kottayam. 4. District and Sessions Judge (Executive/Judicial) Alleppey. (a) Addl. District and Session Judge (Navelikara) (H.Q. at Alleppey) (Executive/Judicial) Alleppey. 5. District and Sessions Judge (Executive/Judicial) Ernakulam. (a) Addl. District and Sessions Judge Parur (Executive/Judicial) Ernakulam. (b) Addl. District and Session Judge & State Transport Appellate Tribunal Ernakulam. (H.Q. at Arnakulam) (Executive/Judicial) Ernakulam. 6. District and Sessions Judge (H.Q. at Trichur) (Executive/Judicial) Trichur. 7. District and Sessions Judge (Executive/Judicial) Palghat. (a) Addl. District and Sessions (Spl. Judge) (H.Q. at Palghat) (Executive/Judicial) Palghat. 8. District and Sessions Judge (Executive/Judicial) Kozhikode. (a) Addl. District and Sessions Judge (Executive/Judicial) Kozhikode.

1	2
	(b) Addl. District and Sessions Judge (H.Q. at Kozhikode) (Executive/ Judicial) Kozhikode.
	9. District and Sessions Judge (H.Q. at Tellicherry) (Executive/Judicial) Cannanore (Tollicherry)
	(a) Addl. Dist. and Sessions Judge (Executive/Judicial) (Tellicherry)
	10. District and Sessions Judge, (H.Q. at Manjeri) (Executive/Judicial) Manjeri
13. Madhya Pradesh	1. District and Session Judge Revenue District Jabalpur (H.Q. at Jabalpur),
	2. District and Session Judge Revenue District Seoni and Mandla. (H.Q. at Seoni).
	3. District and Session Judge, Revenue district Raipur, (H.Q. at Raipur).
	4. District and Session Judge, Revenue District Bilaspur, (H.Q. at Bilaspur).
	5. District and Session Judge, Revenue District Shahdol and Sindhi, (H.Q. at Shahdol)
	6. District and Session Judge, Revenue District Sagar, (H.Q. at Sagar).
	7. District and Session Judge, Revenue District Damoh, (H.Q. at Damoh)
	8. District and Session Judge, Revenue District Chhindwara, (H.Q. at Chhindwara)
	9. District and Session Judge, Revenue District Narsimhapur, (H.Q. at Narsimhapur)
	10. District and Session Judge, Revenue District Balaghat, (H.Q. at Balaghat)
	11. District and Sessions Judge Revenue District Hoshangabad, (H.Q. at Hoshangabad)
	12. District and Session Judge, Revenue District East Nimar Khandwa, (H.Q. at Khandwa)
	13. District and Session Judge, Revenue District West Nimar Khargone (H.Q. at Mandleshwar)
	14. District and Session Judge, Revenue District Rewa, (H.Q. at Rewa).
	15. District and Session Judge, Revenue District Chhatarpur and Tikamgarh (H.Q. at Chhatarpur)
	16. District and Session Judge Revenue District Gwalior (H.Q. at Gwalior)
	17. District and Session Judge Revenue District Shivpuri and Datia, (H.Q. at Shivpuri)
	18. District and Session Judge, Revenue District Guna and Rajgarh (Biora) (H.Q. at Guna)
	19. District and Session Judge Revenue District Dewas and Shajapur (H.Q. at Dewas)
	20. District and Session Judge Revenue District Indore (H.Q. at Indore)
	21. District and Session Judge Revenue District Ujjain (H.Q. at Ujjain)
	22. District and Session Judge Revenue District Dhar (H.Q. at Dhar)
	23. District and Session Judge Revenue District Jhabua (H.Q. at Jhabua)
	24. District and Session Judge Revenue District Ratlam (H.Q. at Ratlam)
	25. District and Session Judge Revenue District Mandsaur (H.Q. at Mandsaur)
	26. District and Session Judge Revenue District Sehore and Raisen (H.Q. at Bhopal)
	27. District and Session Judge Revenue District Vidisha (H.Q. at Vidisha)
	28. District and Session Judge Revenue District Raigarh (H.Q. at Raigarh)
	29. District and Session Judge Revenue District Surguja (H.Q. at Ambikapur)
	30. District and Session Judge Revenue District Durg (H.Q. at Rajnandgaon)
	31. District and Session Judge Revenue District Bastar (H.Q. at Jagdalpur)
	32. District and Session Judge Revenue District Bhind (H.Q. at Bhind)
	33. District and Session Judge Revenue District Morena (H.Q. at Morena)
	34. District and Session Judge Revenue District Satna and Panna (H.Q. at Satna)
	35. District and Session Judge Revenue District Betul (H.Q. at Betul)
14. Maharashtra	1. Civil Judge (Senior Division), Thana
	2. Civil Judge (Senior Division), Ahmednagar
	3. Civil Judge (Senior Division), Dhulia
	4. Civil Judge (Senior Division), Jalgaon
	5. Civil Judge (Senior Division), Nasik
	6. Civil Judge (Senior Division), Sholapur
	7. Civil Judge (Senior Division), Poona
	8. Civil Judge (Senior Division), Satara
	9. Civil Judge (Senior Division), Alibag
	10. Civil Judge (Senior Division), Kolhapur
	11. Civil Judge (Senior Division), Sangli
	12. Civil Judge (Senior Division), Aurangabad
	13. Civil Judge (Senior Division), Bhir
	14. Civil Judge (Senior Division), Nanded
	15. Civil Judge (Senior Division), Latur
	16. Civil Judge (Senior Division), Osmanabad
	17. Civil Judge (Senior Division), Parbhani
	18. Civil Judge (Senior Division), Akola
	19. Civil Judge (Senior Division), Washim
	20. Civil Judge (Senior Division), Buldhaha
	21. Civil Judge (Senior Division), Khamgaon
	22. Civil Judge (Senior Division), Amravati
	23. Civil Judge (Senior Division), Achalpur
	24. Civil Judge (Senior Division), Daryapur
	25. Civil Judge (Senior Division), Yeotmal
	26. Civil Judge (Senior Division), Nagpur
	27. Civil Judge (Senior Division), Bhandara
	28. Civil Judge (Senior Division), Chanda
	29. Civil Judge (Senior Division), Wardha.
15. Nagaland	1. Deputy Commissioner, Kohima (H.Q. at Dimapur)
	2. Deputy Commissioner, Tusensang (H.Q. at Dimapur)
16. Orissa	1. District Magistrate, Cuttack (H.Q. at Cuttack)
	2. District Magistrate, Puri (H.Q. at Puri)

1	2
	3. District Magistrate, Balasore (H.Q. at Balasore)
	4. District Magistrate, Sambalpur (H.Q. at Sambalpur)
	5. District Magistrate, Ganjam (H.Q. at Chatrapur)
	6. District Magistrate, Koraput (H.Q. at Koraput)
	7. District Magistrate, Mayurbhanj (H. Q. at Baripada)
	8. District Magistrate, Dhenkanal (H.Q. at Dhenkanal)
	9. District Magistrate, Sundergarh (H.Q. at Sundergarh)
	10. District Magistrate, Keonjhar (H.Q. at Keonjhar)
	11. District Magistrate, Bolangir (H.Q. at Bolangir)
	12. District Magistrate, Kalahandi (H.Q. at Bhawanipatna)
	13. District Magistrate, (Khandamal (H.Q. at Phulbani) now Bondh-khamdamal)
17. Pondicherry Administration	1. Principal Distt & Session Judge, Pondicherry.
18. Punjab	1. District Magistrate, Hoshiarpur (H.Q. at Hoshiarpur)
	2. District Magistrate, Jullundur (H.Q. at Jullundur)
	3. District Magistrate Ludhiana (H.Q. at Ludhiana)
	4. District Magistrate, Ferozepor (H.Q. at Ferozepor)
	5. District Magistrate, Amritsar (H.Q. at Amritsar)
	6. District Magistrate, Gurdaspur (H.Q. at Gurdaspur)
	7. District Magistrate, Patiala (H.Q. at Patiala
	8. District Magistrate, Sangrur (H.Q. at Sangrur)
	9. District Magistrate, Kapurthala (H. Q. at Kapurthala)
	10. District Magistrate, Bhatinda (H.Q. at Bhatinda)
	11. District Magistrate, Rupar (H.Q. at Rupar)
19. Rajasthan	1. District Magistrate, Ajmer (H.Q. at Ajmer)
	2. District Magistrate, Alwar (H.Q. at Alwar)
	3. District Magistrate, Banswara (H.Q. at Banswara)
	4. District Magistrate, Barmer (H.Q. at Barmer)
	5. District Magistrate, Bharatpur (H.Q. at Bharatpur)
	6. District Magistrate, Bhilwara (H.Q. at Bhilwara)
	7. District Magistrate, Bikaner (H.Q. at Bikaner)
	8. District Magistrate, Bundi (H.Q. at Bundi)
	9. District Magistrate, Chittorgah (H.Q. Chittorgah)
	10. District Magistrte, Churu (H.Q. at Churu)
	11. District Magistrate, Dungarpur (H.Q. at Dungarpur)
	12. District Magistrate, Ganganagar (H. Q. at Ganganagar)
	13. District Magistrate, Jaipur (H.Q. at Jaipur)
	14. District Magistrate, Jaisalmer (H.Q. at Jaisalmer)
	15. District Magistrate, Jalore (H.Q. at Jalore)
	16. District Magistrate, Jahalawar (H.Q. at Jhalawar)
	17. District Magistrate, Jodhpur, (H.Q. at Jodhpur)
	18. District Magistrate, Jhunjhunu (H.Q. Jhunjhunu)
	19. District Magistrate Kota (H.Q. at Kota)
	20. District Magistrate, Nagpur (H.Q. at Nagpur)
	21. District Magistrate, Pali (H.Q. at Pali)
	22. District Magistrate, Sawai Madhopur (H.Q. at Sawai Madhopur)
	23. District Magistrate, Sikar (H.Q. at Sikar)
	24. District Magistrate, Sirohi (H.Q. at Sirohi)
	25. District Magistrate, Tonk (H.Q. at Tonk)
	26. District Magistrate, Udaipur (H.Q. at Udaipur)
20. Tamil Nadu	1. District and Sessions Judge, North Arcot (H.Q. at Vellore)
	2. District and Sessions Judge, Coimbatore (H.Q. at Coimbatore West)
	3. District and Sessions Judge, Coimbatore (H.Q. at Erode) East
	4. District and Sessions Judge, Madurai (H.Q. at Madurai)
	5. District and Sessions Judge, Coimbatore & Niligiris (H.Q. at Coimbatore)
	6. District and Sessions Judge, Thanjavur (East) (H.Q. at Jhanjavur)
	7. District and Sessions Judge, Thanjavur (West) (H.Q. at Jhanjavur)
	8. District Judge, Ramanathapuram (H.Q. Madurai)
	9. District Judge, Dharmapuri (H.Q. at Krishnagiri)
	10. District Judge, Tirunelveli (H.Q. at Triunelveli)
	11. District Judge, Kanyakumari (H.Q. at Kanyakumari)
	12. District Judge, Salem (H.Q. at Salem)
	13. District Judge, Chingleput (H.Q. at Chingleput)
	14. District Judge, Tiruchirapalli (H.Q. at Tiruchirapalli)
	15. District Judge, South Arcot (H.Q. at Cuddalore)
	16. District Magistrate, Coimbatore (H. Q. at Coimbatore) (Entire Coimbatore & Nilgiris Revenue districts)
	17. The Principal Judge, City Civil Court, Madras City
21. Tripura Administration	1. District Magistrate and Collector, North Tripura (H.Q. at Kailasahar)

1	2
22. Uttar Pradesh	1. Additional District Magistrate (Judicial) Dehradun (H.Q. at Dehradun)
	2. Additional District Magistrate (Judicial) Saharanpur (H.Q. at Sahranpur)
	3. Additional District Magistrate (Judicial) Muzafnagar (H.Q. at Muzafnagar)
	4. Additional District Magistrate (Judicial), Meerut (H.Q. at Meerut)
	5. Additional District Magistrate (Judicial) Buland City (H.Q. at Buland City)
	6. Additional District Magistrate (Judicial) Aligarh (H.Q. at Aligarh)
	7. Additional District Magistrate Judicial) Mathura (H.Q. at Mathura)
	8. Additional District Magistrate (Judicial) Agra (H.Q. at Agra)
	9. Additional District Magistrate (Judicial) Mainpuri (H.Q. at Mainpuri)
	10. Additional District Magistrate (Judicial) Etah (H.Q. at Etah)
	11. Additional District Magistrate (Judicial) Bareilly (H.Q. at Bareilly)
	12. Additional District Magistrate (Judicial) Bijnore (H.Q. at Bijnore)
	13. Additional District Magistrate (Judicial) Badun (H.Q. at Badun)
	14. Additional District Magistrate (Judicial) Muradabad (H.Q. at Muradabad)
	15. Additional District Magistrate (Judicial) Rampur (H.Q. at Rampur)
	16. Additional District Magistrate (Judicial) Shahjahanpur (H.Q. at Shahjahanpur)
	17. Additional District Magistrate (Judicial) Pilibhit (H.Q. at Pilibhit)
	18. Additional District Magistrate (Judicial) Farukhabad (H.Q. at Farukhabad)
	19. Additional District Magistrate (Judicial) Etawah (H.Q. at Etawah)
	20. Additional District Magistrate (Judicial) Kanpur (H.Q. at Kanpur)
	21. Additional District Magistrate (Judicial) Fatehpur (H.Q. at Fatehpur)
	22. Additional District Magistrate (Judicial) Allahabad (H.Q. at Allahabad)
	23. Additional District Magistrate (Judicial) Jhansi (H.Q. at Jhansi)
	24. Additional District Magistrate (Judicial) Jalon (H.Q. at Jalon)
	25. Additional District Magistrate (Judicial) Hamirpur (H.Q. at Hamirpur)
	26. Additional District Magistrate (Judicial) Banda (H.Q. at Banda)
	27. Additional District Magistrate (Judicial Varanasi (H.Q. at Varanasi)
	28. Additional District Magistrate (Judicial) Mirzapur (H.Q. at Mirzapur)
	29. Additional District Magistrate (Judicial) Zanpur (H.Q. at Zanpur)
	30. Additional District Magistrate (Judicial) Ghazipur (H.Q. at Ghazipur)
	31. Additional District Magistrate (Judicial) Ballia (H.Q. at Ballia)
	32. Additional District Magistrate (Judicial) Gorakhpur (H.Q. at Baliia)
	33. Additional District Magistrate (Judicial) Devria (H.Q. at Devria)
	34. Additional District Magistrate (Judicial) Bastl (H.Q. at Basti)
	35. Additional District Magistrate (Judicial) Azamgarh (H Q. at Azamgar)
	36. District Magistrate Nainital (H.Q. at Nainital)
	37. District Magistrate, Garhwal (H.Q. at Garhwal)
	38. District Magistrate, Tehri Garhwal (H.Q. at Tehri Garhwal)
	39. Additional District Magistrate (Judicial) Lucknow (H.Q. at Lucknow)
	40. Additional District Magistrate (Judicial Unnao (H.Q. at Unnao)
	41. Additional District Magistrate (Judicial) Rai Bareilly (H.Q. at Bareilly)
	42. Additional District Magistrate (Judicial) Sitapur (H.Q. at Sitapur)
	43. Additional District Magistrate (Judicial) Hardoi (H.Q. at Hardoi)
	44. Additional District Magistrate (Judicial) Khiri (H.Q. at Khiri)
	45. Additional District Magistrate (Judicial) Faizabad (H.Q. at Faizabad)
	46. Additional District Magistrate (Judicial) Bahraich
	47. Additional District Magistrate (Judicial) Sultanpur (H.Q. at Sultanpur)
	48. Additional District Magistrate (Judicial) Gonda (H.Q. at Gonda)
	49. Additional District Magistrate (Judicial) Partapgarh (H.Q. at Partapgarh)
	50. Additional District Magistrate (Judicial) Baribanki (H.Q. at Baribanki)
23. West Bengal	1. District Judge, Howrah (H.Q. at Howrah)
	2. District Judge, Hoogly (H.Q. at Chinsurah)
	3. District Judge, Burdwan (H.Q. at Burdwan)
	4. District Judge, Midnapur (H.Q. at Midnapur)
	5. District Judge, Bankura (H.Q. at Bankura)
	6. District Judge, Birbhum (H.Q. at Suri)
	7. District Judge, Purulia (H.Q. at Purulia)
	8. District Judge, 24-Parganas (H.Q. at Aliput)
	9. District Judge, Nadia (H.Q. at Krishnagore)
	10. District Judge, Murshidabad (H.Q. at Baharampur)
	11. District Judge, West Dinajpur and Malda (H.Q. at Malda)
	12. District Judge, Jalpaiguri and Darjeeling (H.Q. at Jalpaiguri)
	13. District Judge, Cooch Behar (H.Q. at Cooch Behar).

[No. TGII/1026/29]

P. N. KALRA, for Secretary

श्रम मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 26 दिसम्बर, 1973

का. आ. 523.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में दक्षिणी गोलकीडिह कोयला खान, जो अब मैसर्स भारत कोकिंग कोल लिमिटेड की उत्तरी तिसरा कोयलाखान के साथ विलीन हो गई है, डाकघर झरिया, जिला धनबाद के प्रबन्धतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है,

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है,

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित औद्योगिक अधिकरण संख्या 2, धनबाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

"क्या बिहार कोयला खान कामगर यूनियन, रिफ्यूजी मार्केट, टेम्पल रोड, धनबाद का यह दावा है कि निम्नलिखित स्टोन कटरों/ओवरबार्डन रिमूवल कर्मकारों को दक्षिणी गोलकीडिह कोयलाखान, जो अब भारत कोकिंग कोल लिमिटेड की उत्तरी तिसरा कोयलाखान में विलीन हो गई है, डाकघर झरिया जिला धनबाद के प्रबंधतंत्र द्वारा अवैध रूप से और अनुचित रूप से 11 सितम्बर, 1972 से काम से रोका गया है, न्यायोचित है ? यदि हां, तो कर्मकार किस अनुतोष के हकदार हैं ?

1. श्री दुखीराम गरेरिया,
2. प्राणचन्द्र मंडल,
3. धनंजय मंडल,
4. अर्जुन मंडल,
5. निताई मोदक,
6. मिहिर मोदक,
7. गौर मोदक,
8. बोदी मोदक,
9. युधिष्ठिर मोदक,
10. खुदीराम मोदक,
11. सदानंद मोदक,
12. किर्तन मोदक,
13. लुधी मल्लिक,
14. केटी मल्लिक,
15. इन्दु भुइया,
16. सखिया रेवानी,
17. रोशनी खोनी,
18. करेला रेवानी,
19. नेलीत मेझाइन,
20. प्रथमी मेझाइन,
21. धुकी मेझाइन,
22. रोशनी मेझाइन,
23. मंगली मल्लिक,
24. लक्ष्मण गोप,
25. तारापद गोस्वामी,
26. उमेश मोदक,
27. गुरूपद मोदक,
28. बसनी मीरन मोदक, और
29. कल्याण मोदक।

[सं. एल-20/2/99/73-एल. आर.-2]

MINISTRY OF LABOUR

ORDER

New Delhi, the 26th December, 1973

S.O. 523.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of South Golukdih Colliery now merged with North Tisra Colliery of Messrs. Bharat Coking Coal Limited, Post Office Jharia, District Dhanbad, and their workmen in respect of the matters specified in the schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Industrial Tribunal No. 2, Dhanbad, constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

Whether the claim of the Bihar Colliery Kamgar Union, Refugee Market, Temple Road, Dhanbad, that the following Stone Cutters/Overburden Removal workmen were illegally and wrongfully stopped from work with effect from the 11th September, 1972, by the management of South Gulukdih Colliery now merged with North Tisra Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Jharia, District Dhanbad, is justified? If so, to what relief are the workmen entitled?

1. Sh. Dukhiram Gareria,
2. Pran Chandra Mondal,
3. Dhananjoi Mondal,
4. Arjun Mondal,
5. Netai Modak,
6. Mihir Modak,
7. Gour Modak,
8. Bodi Modak,
9. Judhistir Modak,
10. Khudiram Modak,
11. Sadanand Modak,
12. Kirtan Modak,
13. Ludhi Mallick,
14. Keti Mallick,
15. Indu Bhuia,
16. Indu Bhuia,
17. Roshni Rewani,

18. Kurela Rewani,
19. Nalti Majhain,
20. Prathami Mejhain,
21. Ghurki Mejhain,
22. Roshni Mejhain,
23. Mangali Mallick,
24. Laksman Gope,
25. Tarapada Goswami,
26. Umesh Modak,
27. Gurupada Modak,
28. Basni Merin Modak, and
29. Kalyani Modak.

[No. L-2012/99/73-LRII.]

आदेश

नई दिल्ली, 16 जनवरी, 1974

का० आ० 524.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में केदला झारखण्ड कोलियरीज, हजारीबाग (बिहार) के प्रबन्ध तंत्र (रिसीवर) और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और यत. केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है ;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित औद्योगिक अधिकरण, सं० 2, धनबाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है ।

अनुसूची

"क्या झारखंड कोलियरी, हजारीबाग के प्रबन्ध तंत्र, (रिसीवर) का, श्री अशोक कुमार सिन्हा, भंडारी की 13 अगस्त, 1973 से सेवाएं समाप्त करना न्यायोचित था ? यदि नहीं, तो वह किस अनुतोष का हकदार है ?"

[सं० एल-20012/146/73-एल० आर० 2]

ORDER

New Delhi, the 16th January, 1974

S.O. 534.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the management (Receiver) of Kedla Jharkhand Collieries, Hazaribagh (Bihar) and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed ;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Industrial Tribunal No. 2, Dhanban, constituted under section 7 A of the said Act.

SCHEDULE

"Whether the management (Receiver) of Jharkhand Colliery, Hazaribagh was justified in terminating the services of Shri Ashok Kumar Sinha, Store Keeper with effect from the 13th August, 1973 ? If not, to what relief is he entitled ?"

[No. L-20012/146/73-LR II.]

आदेश

नई दिल्ली, 29 जनवरी, 1974

का० आ० 525.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में वेस्ट बोकारो कॉलियरी, डाकघर घाटोटाड, जिला हजारीबाग के प्रबन्धतन्त्र से सम्बन्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिये निदेशित करना वांछनीय समझती है ;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एतद्द्वारा उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित औद्योगिक अधिकरण, (संख्या 2) धनबाद को न्यायनिर्णयन के लिए निदेशित करती है ।

अनुसूची

"क्या पश्चिम बोकारो कोलियरी, डाकघर घाटोटाड, जिला हजारीबाग के प्रबन्धतंत्र का श्री नकुई अशफ़ कार और लारी चालक को 16 जुलाई, 1973 से पदच्युत करना न्यायोचित था ? यदि नहीं, तो कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है ?"

[संख्या एल-20012/170/73-एल० आर०-2]

ORDER

New Delhi, the 29th January, 1974

S.O. 525.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of West Bokaro Colliery, Post Office Ghatotand, District Hazaribagh, and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule annexed hereto ;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Industrial Tribunal (No. 2), Dhanbad, constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

Whether the management of West Bokaro Colliery, Post Office Ghatotand, District Hazaribagh, was justified in dismissing Shri Naqui Ashraf, Car and Lorry Driver from the 16th July, 1973 ? If not, to what relief is the workman entitled ?

[No. L-20012/170/73-LRII.]

आदेश

नई दिल्ली, 1 फरवरी, 1974

का० आ० 526.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में मैसर्स टाटा आयरन एण्ड स्टील कम्पनी लिमिटेड की डिग्रवाडिह कोलियरी, डाकघर जीलगोरा, जिला धनबाद के प्रबन्धतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके उन कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है ;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित औद्योगिक अधिकरण (संख्या 2) धनबाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

"क्या मैसर्स टाटा आयरन एण्ड स्टील कम्पनी लिमिटेड डिग्रवाडिह कोलियरी, डाकघर जीलगोरा, जिला धनबाद के प्रबन्धतंत्र की श्रीमती सुशीला देवी, स्थायी बालगृह आया को 27 जनवरी, 1973 से नियोजन इन्कार करने की कार्यवाही न्यायोचित है? यह नहीं, तो सम्बन्धित कर्मकार किस अनुतोष की हकदार है?"

[संख्या एल०—2012/186/73-एल० आर० 2]

(करनैल सिंह) उप-सचिव

ORDER

New Delhi, the 1st February, 1974

S.O. 526.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Digwadih Colliery of Messrs Tata Iron and Steel Company Limited, Post Office Jealgora, District Dhanbad and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Industrial Tribunal (No. 2), Dhanbad constituted under Section 7A of the said Act.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Digwadih Colliery of Messrs Tata Iron and Steel Company Limited, Post Office Jealgora, District Dhanbad in refusing employment to Shrimati Sushila Devi, Permanent Crech Aya with effect from the 27th January, 1973 is justified? If not to what relief is the concerned workman entitled?"

[No. L-2012/186/73-LRII]

New Delhi, the 14th February, 1974

S.O. 527.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal (No. 3), Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of 6 & 7 Pits Jamadoba Colliery of Messrs Tata Iron and Steel Company Limited. Jealgora, District Dhanbad, and their workmen, which was received by the Central Government on the 7th February, 1974.

CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT NO. 3, DHANBAD

Reference No. 35 of 1970

Present

Shri B. S. Tripathi—Presiding Officer.

Parties:

Employers in relation to the management of 6 & 7 Pits Jamadoba Colliery of M/s. Tata Iron & Steel Co. Ltd., Jealgora, Dist. Dhanbad.

AND

Their workmen represented by Indian National Mines Overman, Sirdar & Shotfirers' Association at Barakar, Dist. Burdwan, Camp Office at Laikdih Deep Colliery, P.O. Chirkunda, Dist. Dhanbad.

Appearances:

For Employers—Shri S. S. Mukherjee, Advocate.

For Workmen—Shri B. Lal, Advocate.

Industry: Coal. **State:** Bihar.

Dhanbad, the 30th January, 1974

AWARD

The Central Government in the Ministry of Labour Employment & Rehabilitation (Department of Labour & Employment) being of the opinion that an industrial dispute exists between the parties aforesaid in respect of the matters specified in the schedule of reference, referred the said dispute by their Order No. 2/155/69-LRII dated 17-3-1970 to this Tribunal under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 for adjudication. The schedule is extracted below:—

SCHEDULE

"Whether the management of 6 & 7 Pits, Jamadoba Colliery of M/s. Tata Iron & Steel Co. Limited, P.O. Jealgora, Dist. Dhanbad was justified in dismissing from service Shri Sudhir Baidya, Shotfirer, with effect from the 21st December, 1968? If not, to what relief is the workman entitled?"

2. The reference was received in this Tribunal on 25-8-1970 and was registered as reference No. 35 of 1970. The industrial dispute in question was raised by the Indian National Mines Overman, Sirdar & Shotfirer's Association and the said union represented the workmen in the present proceeding. Both the parties filed their written statement alleging their respective cases. The written statement of employers was received in this Tribunal on 8-9-1970 and that of the workmen was received on 2-12-1970. Both the parties filed documents and also examined witnesses in proof of their cases. I shall refer to the evidence adduced by the parties, both oral and documentary, if and when the necessity for the same will arise.

3. From the written statement of the parties and also from the evidence adduced on their behalf the following facts appear as admitted. The concerned workman Shri Sudhir Baidya was working as a shotfirer in the Jamadoba Colliery of Tata Iron & Steel Co. Limited during the relevant time. On 14-10-1968 he was on duty in 'B' shift in Seam No. 16 in 13-1/2 level and at about 10 P.M. he fired shot at that level. As a result of this firing one miner, Sovani Mia, who was working in 13 level in that colliery, was hit by flying debris and died on that very day on account of that. On 11-11-1968 chargesheet was issued by the management to Sri Sudhir Baidya, vide Ext. M-3, for contravention of Coal Mines Regulation No. 169(4)(f) read with Regulation 170 in as much as he blasted at 13-1/2 level split without removing the miners who were at 13th level resulting in the death of Sri Sovani Mia by the flying debris. He was asked to show cause as to why disciplinary action should not be taken against him under Clause 19B(19) of the Standing Orders for the misconduct. The concerned workman showed cause denying the charge. The management did not accept the explanation offered by the workman and accordingly ordered for departmental enquiry. The management gave notice of enquiry to Sri Sudhir Baidya (vide Ext. M-7) intimating that the reply to the chargesheet was found unsatisfactory and intimating further that the enquiry into the charges levelled against him would be held on 10-12-1968 at 9-30 A.M. by the Personnel Officer of the colliery in his office. The departmental enquiry was held on 10-12-1968 and 16-12-1968 by MW-1 Sri P. A. Toppo, the then Personnel Officer in Jamadoba Colliery. He examined 2 witnesses on behalf of the management on 10-12-1968. They are Sri S. S. Ghatak the then Asstt. Manager, 6 & 7 Pits, 16 Seam and Sri D. V. Pichamuthu, the then Manager of the colliery. Both the witnesses were cross-examined by the concerned workman Sri Sudhir Baidya. The Enquiry Officer then recorded the statement of the concerned workman Shri Sudhir Baidya and examined one witness Sri Samsuddin on behalf of the defence. It is to be noted that for the same incident

two other chargesheets, one against Sri Suleman, Mining Sirdar, and the other against Sri R. R. Ghosh, Overman, were also issued to them for non-compliance of the provisions of Coal Mines Regulations 169(4)(f) and by the Shortfirer (vide chargesheets Exts. M-1 & M-2 respectively). There was one departmental enquiry with respect to all the three chargesheets including the chargesheet against the concerned workman Sri Sudhir Baidya. On 10-12-1968 the Enquiry Officer recorded the statements of Sri R. R. Ghosh, Overman and Sri Suleman, Mining Sirdar. From the statement of the Enquiry Officer it appears that he considered it necessary to examine the workmen, who were working at 13th level at the relevant time, in order to come to a correct decision and thus at his instance 6 more witnesses were examined on 16-12-1968 by him after giving necessary notice to the concerned workmen as well as to the witness who were required to be examined by the Enquiry Officer (vide Ext. M-8). Witnesses examined by the Enquiry Officer on 16-12-1968 are Sarvashree Srikishun, Turi, Ambika Singh, BishwanathTuri, Salamat Mia, Niamat & Ghanshyam. They are all miners and during the relevant time they were working as such in 13th level in 16 seam. Out of them, as appears from their evidence before the Enquiry Officer, excepting Salamat Mia & Ghanshyam, the remaining 4 were injured on account of the blasting in 13-1/2 level at the aforesaid time. The enquiry proceedings before the Enquiry Officer, including the statement of the witnesses recorded by him have been marked as Ext. M-13. Ext. M-14 is the enquiry report of the Enquiry Officer. The report shows that The Enquiry Officer found the concerned workman Sri Sudhir Baidya and other 2 workmen, namely Sri R. R. Ghosh and Suleman, guilty of the charges levelled against them. The Enquiry Officer submitted his report dated 16-12-1968 to the Manager of the Colliery who accepted the report of the Enquiry Officer and recommended to the Deputy Chief Mining Engineer, Jamadoba for dismissal of all the three concerned workmen including Sri Sudhir Baidya (vide letter of the Manager dated 17-12-1968 to the Deputy Chief Mining Engineer Ext. M-15). The Deputy Chief Mining Engineer also accepted the report of the Enquiry Officer and recommendation of the Manager and by his letter dated 18-12-1968 informed the concerned workman Sri Sudhir Baidya that he was dismissed from the Company's services with effect from 21-12-1968 (vide Ext. M-9).

4. The case of the workmen is that before the workmen Sri Sudhir Baidya charged the shot he gave warning to the persons who might be in the vicinity and after the response "Thik Hai" was received the shot was charged and as such there was no contravention of the provisions of the Regulations 169(4)(f) & 170 of the Coal Mines Regulations, 1957. It is said that Sri Sudhir Baidya did not know that working was going on in 13th level during the relevant time and the Asstt. Manager who was present at the time the shot was fired did not inform Sri Sudhir Baidya that work was going on in 13th level. In that view of the matter also, it is submitted, Sri Sudhir Baidya should not be made liable for the incident. It is alleged further that the concerned workman was denied of natural justice in the enquiry proceeding in as much as he did not record the cross-examination of prosecution witnesses properly nor he allowed the workmen to cross-examine the prosecution witnesses at length nor the Enquiry Officer allowed Sri Sudhir Baidya to examine his own witnesses. It is also stated that the finding in the domestic enquiry is perverse and it is not based on evidence on record.

5. The case of the management on the other hand is that Sri Sudhir Baidya got full chance to cross-examine the witnesses of the management and also to examine his own witnesses in defence in the enquiry proceeding that in the departmental enquiry the misconduct alleged against him was satisfactorily established and that his dismissal was bonafide and based on proved misconduct.

6. Ext. M-10 is the relevant Standing Order of the Company. According to the chargesheet issued to Sri Sudhir Baidya he was alleged to have contravened the provisions of Regulations 169(4) (f) read with Regulation 170 of the Coal Mines Regulations, 1957 which amounted to a misconduct under Clause 19 of the Standing Order. Clause 19 provides that if any workman is found to be guilty of misconduct provided in that clause, the concerned workman may be dismissed from service. Regulation 169 contains instructions in the case of electric shotfiring. Sub-regulation (4)(f) of that Regulation provides that the Shotfirer shall himself couple the cable to the firing apparatus and before doing so, see that all persons in the vicinity have taken proper shelter as provided under Regulation 170. Regulation 170(1) provides that the Shotfirer shall, before a shot is charged, stemmed or fired, see that all persons in the vicinity have taken proper shelter. He shall also take sensible steps to prevent any person approaching the shot and shall himself take adequate shelter. Regulation 170(3) is as follows :—

> "When two working places belowground have approached within 4.5 metres of each other, the shotfirer shall not fire any shot in any one of the said workings unless all persons have been withdrawn from the other working place of the same has been so fenced off as to prevent persons inadvertently coming in direct line of the shot."

The evidence on record shows that in the colliery in question the shots are fired electrically. In this connection reference may be made to the statement of WW-1 Sri R. C. Das, Overman in 6 & 7 Pits Jamadoba Colliery in cross-examination which is as follows :—

> "In the colliery in question the drilling is done by electricity. The blasting is done by an exploder which itself generates electricity."

At the time of argument the above fact has not been challenged by the workmen.

7. The next question that arises for consideration is whether the alleged non-observance of the provisions of the regulations, said above, had been established in the departmental enquiry. I have already said above that the Enquiry Officer found the charges against the concerned workmen to have been established satisfactorily. In his report he has referred to the evidence adduced before him both by the prosecution and by the defence and also the evidence of the witnesses examined at the instance of the Enquiry Officer himself. After considering the same and also circumstances existing before him the Enquiry Officer has come to the conclusion that the concerned workman, who was working as a shotfirer, did not take precautions as provided in the regulations aforesaid and as such he was guilty of the charges. He found that on account of the aforesaid negligence of duly one workman, who was working in 13th level at the relevant time, died and some other miners were injured being hit by the flying debris on account of the shot fired by Sri Sudhir Baidya. In my opinion the finding arrived at by the Enquiry Officer is fully supported by the evidence adduced before him. The evidence on record is that during the relevant time, i.e. when the incident in question had taken place, working in the colliery was going on at 13-1/2 level and also at 13th level of the 16 seam. From the evidence of the Manager of the Colliery Sri D. V. Pichamuthu before the Enquiry Officer it appears that the parting between the two working faces at 13th & 13-1/2 levels could be less than 4.5 metres when the ill-fated shot was fired by Sri Sudhir Baidya, the Shotfirer. This statement of the Manager had not been challenged by the workman. Sri S. S. Ghatak was the Asstt. Manager of 6 & 7 Pits of 16 Seam at the relevant time. His evidence before the Enquiry Officer was that after supervising the works at 13-1/2 level he went to supervise the works at 13th level and was discussing about the progress of the work there when there was blasting from 13-1/2 level in consequence of which Sovani Mia and 5 others were injured by the flying pieces of coal on account of the blasting. The Asstt. Manager stated that the shotfirer Sri Sudhir Baidya did not take adequate precaution for himself and also for others who were in the vicinity and he did not take steps to remove the miners of 13th level nor he gave warning to the miners working at that level. The Asstt. Manager and also the Manager were cross-examined by Sri Sudhir Baidya in the departmental enquiry and nothing has come out in their statements to disbelieve their testimony. Besides the Asstt. Manager, who was present when the incident in question took place, there was evidence of 6 other miners, already mentioned above, who during the relevant time were working in 13th level. The evidence of these miners is also to be effect that before the blasting there was no warning given to them by any body. Out of these 6 miners, Sarvashree Srikishun Turi Ambika Singh, Biswanath Turi and Niamat were injured by the flying pieces of coal as a result of the blasting in question.

8. In view of the evidence in the departmental enquiry the report of the Enquiry Officer regarding the charges levelled against the concerned workman cannot be said to be perverse. On the contrary, I hold that the Enquiry Officer has come to the correct conclusion that before the shot was fired, the concerned workman Sri Sudhir Baidya did not observe and follow the directions contained in Regulations 169 & 170 of the Coal Mines Regulations, 1957. It is true, from the evidence on record it appears that the Mining Sirdar and the Overman were also present near about the place where the firing was done and the Asstt. Manager was also supervising works near about the place where the incident took place, but this by itself is not sufficient to absolve the concerned workman from the duties and responsibilities cast upon the shotfirer to observe precautionery measures before firing shot, as laid down in the regulations aforesaid.

9. In this case the workmen have not examined Sri Sudhir Baidya, the concerned shotfirer, to say that he was not allowed to cross-examine the witnesses of the prosecution in full and he was not allowed to examine witnesses in defence in the departmental enquiry or that the evidence of the witnesses was not correctly recorded, as alleged in the written statement. There is also no evidence on record in support of the above allegations which I do not accept.

10. At the time of argument it has been submitted before me that there was serious irregularity in conducting the departmental enquiry in as much as the Enquiry Officer examined six witnesses after the evidence on behalf of the concerned workman was recorded. In my opinion this is not an irregularity at all vitiating the enquiry proceeding. The Enquiry Officer in his evidence before the Tribunal has explained as to how and why these witnesses were examined by him. His evidence is that to arrive at a correct decision those witnesses were summoned at his instance and they were examined by him giving opportunity to the concerned workman to cross-examine them. There is nothing on record to show that the concerned workman wanted to adduce further evidence after the examination of those six witnesses and the Enquiry Officer did not give opportunity to him in this regard. In my opinion, the Enquiry Officer was perfectly justified in examining witnesses at his own instance to find out the truth in the cases of the parties. There has, therefore, been no violation of the principles of natural justice in examining six witnesses after the evidence on behalf of the workman was recorded.

11. In view of the materials on record I find that the departmental enquiry was held in a fair and proper manner and was in consonance with the principles of natural justice. I find further that the conclusion arrived at in the departmental enquiry by the Enquiry Officer was quite proper which must be accepted. The management was, therefore, fully justified in passing order of dismissal of the concerned workman according to the provisions of clause 19 of the Standing Order of the Company. As a result of negligence on the part of the concerned workman in not observing precautionery measures as laid down in Coal Mines Regulations, five persons were injured and one out of them succumbed to the injuries. In my opinion, the punishment awarded as a result of the enquiry to the concerned workman is not at all severe so as to justify interference by the Tribunal.

12. In the light of what I have found above, my answer to the reference is that the management of 6 & 7 Pits, Jamadoba Colliery of M/s. Tata Iron & Steel Co. Limited, P.O. Jealgora, Dist. Dhanbad was justified in dismissing from service Sri Sudhir Baidya, shotfirer, with effect from the 21st December, 1968. In view of this, it must be held that the concerned workman is not entitled to any relief in the present reference.

This is my award. Let the award be submitted to the Central Government under Section 15 of the Industrial Disputes Act, 1947.

B. S. TRIPATHI, Presiding Officer

[No. 2/155/69-LR II.]

S.O. 528.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur, in the industrial dispute between the employers in relation to the New Chirimiri Ponri Hill Colliery, Post Office Chirimiri, District Surguja (Madhya Pradesh) and their workmen, which was received by the Central Government on the 6th February, 1974.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M. P.)

Jabalpur, the 28th December, 1973

Present :

Mr. Justice S. N. Katju—Presiding Officer.

Case ref. No. CGIT/LC(R)(10) of 1969

(Notification No. 1/2/69-LRII dated 12-3-1969. Remitted back by the Hon'ble High Court, Madhya Pradesh, Jabalpur by order dated 3-8-1973).

Parties :

Employers in relation to the Management of M/s. New Chirimiri Ponri Hill Colliery, Post Office Chirimiri, District Surguja (M.P.)

Versus

Their workmen represented through the M. P. Koyala Mazdoor Panchayat and M. P. Colliery Workers Federation.

Appearances :

For employers ... Sri P. S. Nair, Advocate.

For workmen ... Sri Hardeo Singh, President, M. P. Koyala Mazdoor Panchayat.

Industry : Coal Mine ... District : Surguja (M.P.)

AWARD

I had earlier given my award (Part II) on 18-9-1973. It was based on a settlement dated 31-8-1972. The M. P. Koyala Mazdoor Panchayat (hereinafter called the Panchayat) moved a writ petition before the Hon'ble High Court of Madhya Pradesh which quashed my award by its order, dated 3-8-1973 and the case has been remitted back to me for a fresh award. The main ground on which my award was set aside by the Hon'ble High Court was that I had not elaborated my reasons for saying that the settlement was fair and just and that clause (6) of the agreement in effect amounted to forfeiture of wages after a period of three months and such a provision was contrary to Section 23 of the Indian Contract Act. My earlier award which gives the necessary facts of the case is reproduced below :—

"A reference was made to this Tribunal on 12-3-1969. The dispute had been raised by the Madhya Pradesh Colliery Workers Federation. The latter was duly represented by Sri Gulab Gupta. It appears that there is a rival Union called, the M. P. Koyala Mazdoor Panchayat. It made an application on 5-7-1972 praying to be impleaded as a party to this reference. I allowed the application on the distinct understanding that "the applicant will be treated as a party from the stage at which the case had then reached and will not delay proceedings by asking time for filling any written statement or documents. The applicant will only be permitted to raise arguments on the date fixed for hearing." It now appears that the dispute between the management and the workers as represented by the M. P. Colliery Workers Federation has been made by the aforesaid parties for passing an award in terms of the said settlement. The application states that the entire dispute between the parties has been amicably settled out of Court and a copy of the settlement which has been duly signed by the parties is annexed to the application. I have persued the terms of the aforesaid settlement. He has argued that the settlement is not fair to the

workmen and therefore it should not be accepted. As mentioned above, during all the earlier period of the reference when it was before the Tribunal, the workers were duly represented by the M. P. Colliery Workers Federation and it was only on 5-7-1972 that the M. P. Koyala Mazdoor Panchayat entered into the arena. There is nothing to indicate as to how the M. P. Colliery Workers Federation is incompetent to come to a fair settlement of the workers dispute with the management. I am not considering the claims of the rival Union for representing the workers. The fact, however, remains that it was the M. P. Colliery Workers Federation which had raised the dispute on behalf of the workmen and it was at their instance that the reference was made to this Tribunal. I am, therefore, not prepared to accept the objection of the M. P. Koyala Mazdoor Panchayat at this belated stage. I have considered the terms of the settlement and they appear to be fair and reasonable, I make my award in terms of the aforesaid settlement which shall form part of the award. The reference is answered accordingly."

No other party besides the management and the Panchayat appeared before me.

I have heard Sri Hardeo Singh on behalf of the Panchayat and Mr. P. S. Nair on behalf of the management. Mr. Hardeo Singh contended that the recommendations of the Coal Wage Board with regard to Variable Dearness Allowance were not implemented by the management. He has stated that the Variable Dearness Allowance should have been paid by the management to the workmen at the following rates as recommended by the Coal Wage Board :—

From April 1968 to March 1970 - Rs. 1.47 per day per head.
From April 1970 to Sept. 1970 - Rs. 1.53 per day per head.
From October '70 to March 1971 - Rs. 1.62 per day per head.
From April 1971 to Sept. 1971 - Rs. 1.86 per day per head.
From October '71 to March 1972 - Rs. 1.77 per day per head.
From April 1972 - Rs. 2.13 per day per head.

According to him the employers paid the Variable Dearness Allowance to their workmen at the following rates :—

From April 1968 to March 1970 — Rs. 1.11
From April 1970 to April 1972 — Rs. 1.29
From May 1972 — Rs. 2.13

He further contended that the employers had the financial capacity to pay the Variable Dearness Allowance at the aforesaid rates as recommended by the Coal Wage Board. He prayed that I should by my award direct :—

"The employers, the Manager, New Chirimiri Ponri Hill Colliery and the Coal Mines Authority, to pay all the arrears arising as Variable Dearness Allowances as per the rates of Coal Wage Board recommendations in the period from 1968 to April 1972 by deducting the amount which was already paid to the workers in the said period."

Mr. Nair, on behalf of the management, contended that the workmen of the Colliery have been paid and accepted the wages and arrears of V.D.A. in accordance with my award. He further contended that the settlement was between the management and the Union which had sponsored the dispute which has given rise to the present reference. He contended that since the workers had accepted the V.D.A. in accordance with the consent award they had by implication waived whatever right they might have had with regard to any additional amount by way of V.D.A. He further contended that the management before its nationalisation had no financial capacity to pay anything more than what had been paid to the workmen by way of V.D.A. According to Mr. P. S. Nair the management was not bound by the recommendations of the Coal Wage Board and it had acted very generously in agreeing to pay arrears and V.D.A. from 1-5-1972 at higher rates. According to Mr. Nair the other neighbouring collieries in the area had paid V.D.A. to their workmen in accordance with the rates mentioned in the aforesaid consent award and if the matter was reopened and any fresh claim for additional V.D.A. is accepted it is bound to create industrial unrest. Mr. Hardeo Singh did not challenge the statement of Mr. Nair that the workmen were paid and have accepted the V.D.A. at the rates mentioned in the consent award. Under these circumstances there is no question now as to any forfeiture of the amount and the same being equally divided between the employers and union for purposes of welfare activities. My consent award was based on a settlement between the management and the M. P. Colliery Workers Federation. Admittedly the workmen as represented by the Federation have accepted the settlement arrived at between the management and the M. P. Colliery Workers Federation and if some members who are not members of the aforesaid Federation are allowed to reopen the aforesaid settlement and claim V.D.A. at the higher rate it would obviously result in bringing two different rates of V.D.A. in the Colliery.

In view of the fact that the management had taken up the position that it was not bound to implement the recommendations of the Coal Wage Board and the sponsoring Union itself had entered into a settlement between the management and that settlement have been implemented and accepted by the workmen, and considering the terms of the settlement itself, it must be said that it was fair and reasonable. As mentioned above, the management had taken the stand that it was not bound to implement the recommendations of the Wage Board and it had on its own made sufficient increase in the rates of V.D.A. The Federation could be said to have considered the advantage resulting to the workmen in arriving at the settlement with the management. Further more it has not been challenged that the workers in the neighbouring collieries were not getting the V.D.A. in accordance with the rates recommended by the Coal Wage Board. Taking all the aforesaid circumstances into considerations I am satisfied that the settlement arrived at between the Federation and the Management was just and proper. I again make my award in terms of the aforesaid settlement which shall form part of this award. I make no order for costs.

S. N. KATJU, Presiding Officer.

ANNEXURE

MEMORANDUM OF SETTLEMENT

Parties :—

Representing Management :	**Representing workmen :**	
Shri G. Srinivasan, Technical Consultant, N.C.P.H. Colliery, Chirimiri.	1. Shri R.K. Malaviya, President, 2. Shri Gulab Gupta, General Secretary, 3. Shri R.M. Sen, Dy. Gen. Secretary, 4. Shri B. P. Dubey, Secretary.	M.P. Colliery Workers Federation (INTUC) Chirimiri.

Short Recital of the case :

On the matter of implementation of the Government accepted and unanimous terms of the Coal Wage Board, there was a strike in February 1969 sponsored by the M.P. Colliery Workers Federation and conciliation agreement dated 27-2-69 remains entered into between the parties as a result of which the Government, by their Notification No. S. O. 1124 of 12-3-69 (Ref. No. 1/2/69-LT. II of that date) referred the matter of V.D.A. to adjudication by the Central Government Industrial Tribunal at Jabalpur. This Tribunal remained seized with this matter as their ReferenceCGIT /LC(R)(10)/69.

In the interval, V.D.A. as per Wage Board Recommendation rose upto Rs. 2-13 Ps per day. To get this the union served another strike notice in July 1972 on the employer as also on other neighbouring collieries. This matter was seized in conciliation proceedings by the Regional Labour Commissioner (C), Jabalpur before whom the parties sat and discussed at length in various occasions *viz.* 10-2-72 at Chirimiri, on 19th, 20th and 30th August 72 at Jabalpur. Without prejudice to the contention of either parties stand in the interest of industrial peace, the parties, on 31-8-1972, have mutually agreed to arrive at the following compromise agreement on the terms suggested by the R.L.C.(C) Jabalpur

and to jointly pray the Hon'ble Tribunal to pass a consent Award in terms of the settlement.

Terms of settlement :

1. The employer have agreed to pay to such workmen who were on the muster rolls between 1-4-'68 to 30-9-1969 the sum of Rs. 102,198.51 Ps. as arrears on V.D.A. to be distributed proportionate to the attendances scored in that period.
2. The employers also agreed to pay to such workmen who were on the muster-rolls between 1-8-71 to 31-5-72 the sum of Rs. 130,707-04 Ps. as arrears on V.D.A. to be also distributed proportionate to the attendances scored in this period.
3. It was further agreed that V.D.A. payable per day would be Rs. 2.13 Ps. per workman with effect from 1-6-1972.
4. In term-3 above for the period 1-6-1972 to 31-8-72 since an amount of Rs. 1.29 Ps. per day remains already paid as V.D.A. the balance payable as arrears would only be Rs. 0.84 Ps. per day per worker on roll during this period.
5. It is agreed that arrears payments as above would be effected within three months after the date of Consent Award.
6. It is agreed that the arrears payment will be kept open for a period of three months from the date of commencement of such payment. In case any workman for any reason does not avail of the arrears within the stipulated time the same would be deemed to have been forefeited and the same would be equally divided between the employers and the union for the purposes of Welfare activities.
7. It is also agreed that the parties would follow for the future the recommendations of the Coal Wage board with regard to V.D.A. as accepted by the Government.
8. The parties have agreed this to be in full and final settlement of the dispute over V.D.A. or implementation of the Wage Board terms.
9. The parties have agreed to bear their own expenses.
10. It is further agreed that with effect from 1-9-72 since V.D.A. agreed to be paid viz. Rs. 2.13 Ps. per head per day happens to be in tune with the recommendations of the Wage Board the same shall be started payment through Wage Registers straight away from that period.
11. The union has agreed to withdraw their strike notice in view of the settlement.

G. SRINIVASAN

Sd/- R. K. Malviya.
Sd/- Gulab Gupta.
Sd/- R. M. Sen.
Sd/- B. P. Dubey.

S. N. KATJU, Presiding Officer.

[No. 1/2/69-LRII]

KARNAIL SINGH, Dy. Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 30 जनवरी 1974

का० आ० 529.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में न्यू इंडिया एश्योरेन्स कम्पनी, जमशेदपुर के प्रबन्धतंत्र से सम्बन्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निदेशित करना वांछनीय समझती है ;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण धनबाद, सं० 1 को न्यायनिर्णयन के लिए निदेशत करती है।

अनुसूची

'क्या न्यू इंडिया एश्योरेन्स कम्पनी, जमशेदपुर द्वारा, श्री जी०एम० राव, रिकार्ड लिपिक, जमशेदपुर की सेवाओं को समाप्त करना (इसका पत्र तारीख 19 मई, 1972 देखिए) न्यायोचित है? यदि नहीं, तो कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है?

[फा० सं० एल—17012/23/72-एल० आर० 1]

ORDER

New Delhi, the 30th January, 1974

S.O. 529.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the New India Assurance Company, Jamshedpur and their workman in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed ;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Govt. hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Dhanbad (No. 1), constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

"Whether the termination of services of Shri G. S. Rao, Record Clerk, Jamshedpur by the New India Assurance Company, Jamshedpur *vide* their letter dated the 19th May, 1972 is justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

[No. F. L-17012/23/72-LR. I]

आदेश

नई दिल्ली, 31 जनवरी, 1974

का० आ० 530.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में मैसर्स सोसाइडाडे डे फोर्मेण्टो इंडस्ट्रियल प्राइवेट लिमिटेड, मारगाओ के प्रबन्धतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निदेशित करना वांछनीय समझती है ;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण (संख्या 2), बम्बई को न्यायानिर्णयन के लिये निर्देशित करती है ।

अनुसूची

"क्या मैसर्स सोसाइडाडे डे फोर्मेंटो इंडस्ट्रियल प्राईवेट लिमिटेड मारगाओ (गोवा) के प्रबन्धतंत्र की श्री फेलिक्स रोड्रीग्ज, सम्पीडक परिचर की सेवाएं 18-7-1973 से समाप्त करने की कार्रवाई न्यायोचित है ? यदि नहीं, तो कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है ?"

[संख्या एल०—26012/9/73-एल० आर०-4]

ORDER

New Delhi, the 31st January, 1974

S.O. 530.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Messrs, Sociedade de Formento

Industrial Private Limited, Margao and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed :

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal (No. 2), Bombay constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Messrs. Sociedade de formento Industrial Private Ltd., Margao (Goa) in terminating the services of Shri Felix Rodrigues, Compressor Attendant with effect from 18-7-73 is justified? If not, to what relief is the workman entitled?

[No. L-26012(9)/73-LRIV]

नई दिल्ली, 13 फरवरी, 1974

का० आ० 531.—यतः भारत सरकार के भूतपूर्व श्रम और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना संख्या का० आ० 2425 तारीख 14 अगस्त, 1973 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने लोहा अयस्क खनन उद्योग में सेवा को औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) के प्रयोजनों के लिये 4 सितम्बर, 1973 से छः मास की कालावधि के लिये लोक उपयोगी सेवा घोषित किया था ।

और यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोक हित में उक्त कालावधि को छः मास की और कालावधि के लिये बढ़ाया जाना अपेक्षित है।

अतः, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (a) के उपखण्ड (vi) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उक्त उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिये 4 मार्च, 1974 से छः मास की और कालावधि के लिये लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है।

(फाईल संख्या एस०-11025/4/74-एल० आर० 1)

एस० एस० सहस्रानामन, अवर सचिव

New Delhi, the 13th February, 1974

S.O. 531.—Whereas by the notification of the Government of India in the then Ministry of Labour and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 2425 dated the 14th August, 1973, the Central Government had declared the iron ore mining industry to be a public utility service for the purpose of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) for a period of six months from the 4th September, 1973;

And whereas the Central Government is of opinion that public interest requires the extension of the said period by a further period of six months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares the said industry to be a public utility service for the purposes of the said Act for a further period of six months from the 4th March, 1974.

[No. F. S-11025/4/74-LR. I]

S. S. SAHASRANAMAN, Under Secy.

139 G of I/73—8

आदेश

नई दिल्ली, 10 जनवरी, 1974

का० आ० 532.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में भारतीय रिजर्व बैंक से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ,

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिये निर्देशित करना वांछनीय समझती है ;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7-क और धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है, जिसके पीठासीन अधिकारी श्री बी० एन० जयदेवप्पा होंगे जिनका मुख्यालय बंगलौर होगा और उक्त विवाद को उक्त अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिये निर्देशित करती है।

अनुसूची

"क्या भारतीय रिजर्व बैंक, बंगलोर के प्रबन्धतन्त्र की, श्री सी० गोविन्दराजुलु, गणक, बृहत टेण्डर काउंटर, बंगलोर को 7 नवम्बर, 1968 से पदच्युत करने की कार्रवाई न्यायोचित है ? यदि नहीं, तो वह किस अनुतोष का हकदार है ?"

[सं० एल० 12025/20/72/एल० आर० 3]

ORDER

New Delhi, the 10th January, 1974

S.O. 532.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Reserve Bank of India and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed;

And, whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A, and clause (d) of sub-section (1) of section 10, of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri B. N. Jayadevappa shall be the Presiding Officer, with headquarters at Bangalore and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Reserve Bank of India, Bangalore in dismissing Shri C. Govindarajulu, Teller, Large Tender Counter, Bangalore with effect from the 7th November, 1968 is justified? If not, to what relief is he entitled?"

[No. L. 12025/20/72/LR III]

आदेश

नई दिल्ली, 22 जनवरी, 1974

का० आ० 533.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में बैंक आफ बड़ोदा से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिये निर्देशित करना वांछनीय समझती है ;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का

प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित औद्योगिक अधिकरण मुम्बई को न्यायनिर्णयन के निर्देशित करती है ।

अनुसूची

"क्या बैंक आफ बड़ोदा के प्रबंधतंत्र की श्री ए० के० फान्से, चपड़ासी, सायाजीगंज शाखा को स्थायी न करने और उसे 21 जनवरी, 1973 से काम करने से रोकने की कार्रवाई न्यायोचित है, यदि नहीं, तो वह किस अनुतोष का हकदार है ?

[सं० एल० 12012/73/73-एल० आर० 3]

ORDER

New Delhi, the 22nd January, 1974.

S.O. 533.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Bank of Baroda and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Governmbent hereby refers the said dispute for adjudication to the Industrial Tribunal, Bombay constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of the Bank of Baroda in not making permanent Shri A. K. Phanse, Peon, Sayajigunj Branch and in stopping him from work with effect from the 21st January, 1973 is justified? If not to what relief is he entitled?"

[No. L. 12012/73/73/LR-III]

आदेश

नई दिल्ली, 25 जनवरी 1974

का० आ० 534—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में पंजाब नेशनल बैंक से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिये निर्देशित करना वांछनीय समझती है ;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर को न्यायनिर्णयन के लिये निर्देशित करती है ।

अनुसूची

"क्या पंजाब नेशनल बैंक के प्रबंधतंत्र की, मणौर, स्थित शाखा कार्यालय के श्री जी० डी० अग्रवाल, लिपिक एवं रोकड़िया को अतिरिक्त करते हुए श्री इन्द्रजीत सिंह को 23 मार्च, 1973 से विशेष सहायक के रूप में प्रोन्नत करने की कार्रवाई न्यायोचित थी ? यदि नहीं, तो पूर्व कथित कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है ?

[सं० एल० 12012/132/73/एल० आर० 3]

ORDER

New Delhi, the 25th January, 1974

S.O. 534.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Punjab National Bank and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed ;

And Whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication ;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Industrial Tribunal, Jabalpur constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Punjab National Bank in promoting Shri Inderjit Singh as Special Assistant with effect from the 23rd March 1973 superseding Shri G. D. Agarwal, Clerk-cum-Cashier at branch office sehore was justified? If not, to what relief is the latter workman entitled?"

[No. L. 12012/132/73/LR III]

आदेश

का० आ० 535—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट के बारे में सेन्ट्रल बैंक आफ इंडिया से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिये निर्देशित करना वांछनीय समझती है ;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित औद्योगिक अधिकरण, दिल्ली को न्यायनिर्णयन के लिये निर्देशित करती है ।

अनुसूची

"क्या सेन्ट्रल बैंक आफ इंडिया के प्रबंधतंत्र की, श्री जे० डी० रत्ना को 1 अगस्त, 1971 से प्रधान रोकड़िया के पद पर प्रोन्नत न करने की कार्रवाई न्यायोचित है ? यदि नहीं, तो वह किस अनुतोष का हकदार है ?

[सं० एल० 12012/119/73/एल० आर० 3]

के० एम० त्रिपाठी, अवर सचिव

ORDER

S.O. 535.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Central Bank of India and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed ;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Industrial Tribunal, Delhi constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Central Bank of India in not promoting Shri J. D. Ratra, to the post as Head Cashier with effect from the 1st August, 1971 is justified? If not, to what relief is he entitled?"

[No. L. 12012/119/73/LR III]

K. M. TRIPATHI, Under Secy.

नई दिल्ली, 13 फरवरी, 1974

का० आ० 536.—कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 13 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार श्री वी० करन्ना को उक्त अधिनियम और स्कीम और उसके अधीन विरचित किसी कुटुम्ब पेंशन स्कीम के प्रयोजनों के लिए केन्द्रीय सरकार के या उसके नियंत्रणाधीन किसी स्थापन के संबंध में या किसी रेल कम्पनी, महापत्तन, खान या तेल क्षेत्र या नियंत्रित उद्योग से सम्बन्धित किसी स्थापन के सम्बन्ध या ऐसे स्थापन के संबंध में जिसके एक से अधिक राज्य में विभाग या शाखाएं हों, सम्पूर्ण कर्नाटक राज्य के लिए निरीक्षक नियुक्त करती है।

[सं० ए-12016 (1)/74-पी० एफ० 1]

New Delhi, the 13th February, 1974

S.O. 536.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 13 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government hereby appoints Shri V. Karanna to be an Inspector for the whole of the State of Karnataka for the purposes of the said Act, and the Scheme and the family pension Scheme framed thereunder in relation to any establishment belonging to or under the control of the Central Government or in relation to any establishment connected with a railway company, a major port, a mine or an oil-field or a controlled industry or in relation to an establishment having departments or branches in more than one State.

[No. A-12016(1)/74-PF. I]

नई दिल्ली, 15 फरवरी, 1974

का० आ० 537—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 87 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना संख्या का० आ० 678 तारीख 22 फरवरी, 1973 के क्रम में केन्द्रीय सरकार (1) इंडियन आयल कार्पोरेशन लिमिटेड के मौरी ग्राम इंस्टालेशन (मार्केटिंग डिविजन), डाकघर राधादासी, जिला हावड़ा और (2) दम दम एविएशन फ्यूल स्टेशन (मार्केटिंग डिविजन) दम दम एयर पोर्ट, कलकत्ता को उक्त अधिनियम के प्रवर्तन से 2 जनवरी, 1974 से 1 जनवरी, 1975 तक, यह दिन भी सम्मिलित करके, एक वर्ष की और अवधि के लिए छूट देती है।

[फा० सं० 38017/9/73-एच आई]

लालफक जुआला, अवर सचिव

New Delhi, the 15th February, 1974

S.O. 537.—In exercise of the powers conferred by section 87 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 678 dated the 22nd February, 1973, the Central Government hereby exempts (1) Mourigram Installation Marketing Division), P.O. Radhadasi, District Howrah, and (2) Dum Dum Aviation Fuel Station (Marketing Division) Dum Dum Airport, Calcutta, belonging to the Indian Oil Corporation Limited, from the operation of the said Act for a further period of one year with effect from the 2nd January, 1974 upto and inclusive of the 1st January, 1975.

[No. F. S-38017/9/73-HI]

LALFAK ZUALA, Under Secy.

नई दिल्ली, 13 फरवरी, 1974

का० आ० 538.—यत: एस्सो ईस्टर्न आइ एन० सी० 17, जमशेदजी टाटा रोड, मुम्बई-20 बी० आर० ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) उपदान संदाय अधिनियम, 1972 (1972 का 39) की धारा 5 के अधीन छूट के लिए आवेदन किया है;

और यत: केन्द्रीय सरकार की राय में उक्त स्थापन के कर्मचारियों को भारत में यथा लागू पेंशन और उपदान योजनाओं के अधीन संदेय उपदान और अन्य पेंशनरी प्रसुविधाएं, उक्त अधिनियम के अधीन कर्मचारियों को प्रदत्त उपदान और पेंशनरी प्रसुविधाओं से कम अनुकूल नहीं हैं;

अत: केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और उसके अधीन विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को उक्त अधिनियम के सभी उपबंधों के प्रवर्तन से, इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से एक वर्ष की अवधि के लिए छूट देती है :—

(1) उक्त स्थापन की उपदान योजना में निम्नलिखित उपबंध किए गए हैं :—

(क) यदि उपदान संदाय अधिनियम, 1972 के उपबंधों के अधीन उपदान लेने के लिए अस्थायी कर्मचारी अर्हित है तो उक्त स्थापन अपेक्षित उपदान का संदाय करेगा;

(ख) पूर्ण और स्थायी निःशक्तता की दशा में, उपदान एक वर्ष की सेवा पूरी करने के पश्चात् संदेय होगा।

(2) किसी भी दशा में कोई कर्मचारी (अस्थायी या नियमित या स्थायी) उतने उपदान से कम प्राप्त नहीं करेगा जितना वह उपदान संदाय अधिनियम, 1972 के अधीन हकदार है।

(3) उक्त स्थापन इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रारम्भ होने वाली एक वर्ष की अवधि के दौरान अपनी पेंशन या उपदान स्कीम में कोई ऐसा परिवर्तन नहीं करेगा जिससे कर्मचारियों को उपलब्ध प्रसुविधाओं में कमी होती हो।

[फा० सं० एस० 70020/4/72-पी० एफ० 2 (एफ० पी० जी०)]

दलजीत सिंह, अवर सचिव

New Delhi, the 13th February, 1974

S.O. 538.—Whereas ESSO EASTERN INC. 17, Jamshedji Tata Road, Bombay 20BR (hereinafter referred to as the said establishment has applied for exemption under section 5 of the Payment of Gratuity Act, 1972 (39 of 1972);

And whereas in the opinion of the Central Government the gratuity and other pensionary benefits payable under the Pension and Gratuity Plans as applicable in India to the employees of the said establishment with respect to the gratuity and pensionary benefits are not less favourable to the employees therein than those conferred under the said Act;

Therefore, in exercise of the powers conferred by section 5 of the said Act, and subject to the conditions specified hereunder, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Act, for a period of one year commencing from

the date of publication of this notification in the Official Gazette:—

(1) The provisions as under are made in the Gratuity Plan of the said establishment:—

(a) Should a temporary employee qualify for gratuity under the provisions of the Payment of Gratuity Act, 1972 the said establishment shall make required gratuity payments;

(b In case of total and permanent disability gratuity shall be payable after completion of one year's service.

(2) In no case an employee (temporary or regular or permanent) shall receive gratuity less than what he is entitled to under the Payment of Gratuity Act, 1972.

(3) During the one year period commencing from the date of publication of this notification in the Official Gazette the said establishment shall not make any changes in its pension or gratuity Scheme which may curtail the benefits available to the employees.

[File No. S. 70020/4/72-PF. II(FPG)]

DALJIT SINGH, Under Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 12 फरवरी, 1974

का० आ० 539—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची-2 में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में इस से उपाबद्ध अनुसूची-1 में उल्लिखित कलकत्ता के 13 आयातकर्त्ताओं, निर्यातकर्त्ताओं और निकासी अभिकर्त्ताओं के प्रबन्धतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है ;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7 क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कलकत्ता को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है ।

अनुसूची-1

1. मैसर्स हिन्दुस्तान शिपिंग एजेन्सी, 24-स्ट्रैण्ड रोड, कलकत्ता-1.
2. मैसर्स आर० एन० लाल एण्ड ब्रदर्स, न्यूकस्टम् हाऊस, 15/1, स्ट्रैण्ड रोड, कलकत्ता-1.
3. मैसर्स लोकनाथ शिप्पिंग एजेन्सी, न्यू कस्टम् हाऊस, 15/1, स्ट्रैण्ड रोड, कलकत्ता.
4. मैसर्स बंगाल नैशनल एजेन्सी, 24-स्ट्रैण्ड रोड, कलकत्ता-1.
5. मैसर्स यूनाइटेड इंडिया मिनरल्स लिमिटेड, 13-हो ची मिन्ह सारणी, कलकत्ता-1.
6. मैसर्स एस० के० आचार्या, न्यू कस्टम् हाउस, 15/1, स्ट्रैण्ड रोड, कलकत्ता-1.
7. मैसर्स ग्लोब कमर्शल एजेन्सी, 11/ए० बो बाजार स्ट्रीट, कलकत्ता-12
8. मैसर्स कलकत्ता शिपिंग ब्यूरो, 11/1, डीरेस लेन, कलकत्ता-1
9. मैसर्स बुमा एण्ड कम्पनी, 14/2, ओल्ड चाइना बाजार स्ट्रीट, कलकत्ता-1.
10. मैसर्स एस० गौतम एण्ड कं०, न्यू कस्टम् हाउस, 15/1, स्ट्रैण्ड रोड, कलकत्ता-1.
11. मैसर्स एस्सियन एजेंसी, 27/ए० हरीश मुखर्जी रोड, कलकत्ता-25.
12. मैसर्स एन० एल० मल्लिक एण्ड कम्पनी, न्यू कस्टम् हाउस, 15/1, स्ट्रैण्ड रोड, कलकत्ता-1.
13. मैसर्स जे० एल० गोवाडे एण्ड कम्पनी, न्यू कस्टम् हाउस, 15/1, स्ट्रैण्ड रोड, कलकत्ता-1.

अनुसूची 2

1. क्या उपरोक्त अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोजकों के कर्मकारों की मजदूरीमान निर्धारित करने की मांग न्यायोचित है ? यदि हां, तो किस तारीख से और किन ब्यौरों के साथ ?
2. क्या उपरोक्त अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोजकों के कर्मकार, महंगाई भत्ते के हकदार है ? यदि हां, तो किस दर से और किस तारीख से ?
3. क्या उपरोक्त अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोजकों के कर्मकार, निम्नलिखित सुविधाओं के हकदार है ? यदि हां, तो किस तारीख से और किन अन्य ब्यौरों के साथ ?

(क) टिफिन भत्ता ; (ख) विशेषाधिकार छुट्टी ; (ग) आकस्मिक छुट्टी ; (घ) बीमारी की छुट्टी ; (ङ) पूर्वावकाश और (च) चिकित्सीय लाभ ।

4. क्या उपरोक्त अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोजकों के उप-कर्मचारी वर्ग के लिए वर्दी की मांग न्यायोचित है ? यदि हां तो कर्मकार किस सीमा तक हकदार हैं और किस तारीख से ?

[सं० एल०-32011/10/73-पी० एण्ड० डी०]

ORDER

New Delhi, the 12th February, 1974

S.O. 539.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of 13 Importers, Exporters and Clearing Agents, Calcutta mentioned in Schedule-1 annexed hereto and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule-II hereto annexed:

And, whereas, the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE-I

1. M/s Hindustan Shipping Agency, 24, Strand Road, Calcutta-1.
2. M/s. R. N. Lall & Brothers, New Custom House, 15/1, Strand Road, Calcutta-1.
3. M/s. Loknath Shipping Agency, New Custom House, 15/1, Strand Road, Calcutta.
4. M/s. Bengal National Agency, 24, Strand Road, Calcutta-1.
5. M/s. United India Minerals Ltd., 13, Ho Chi Minh Sarani, Calcutta-1.
6. M/s. S. K. Acharya, New Custom House, 15/1, Strand Road, Calcutta-1.
7. M/s. Globe Commercial Agency, 11/A, Bow Bazar Street, Calcutta-12.

8. M/s. Calcutta Shipping Bureau, 11/1, Decres Lane, Calcutta-1.

9. M/s. Wooma & Company, 14/2, Old China Bazar Street, Calcutta-1.

10. M/s. S. Goutam & Company, New Custom House, 15/1, Strand Road, Calcutta-1.

11. M/s. Assian Agency, 27/A, Harish Mukherjee Road, Calcutta-25.

12. M/s. N. L. Mullick & Company, New Custom House, 15/1, Strand Road, Calcutta-1.

13. M/s. J. L. Goward & Company, New Custom House, 15/1, Strand Road, Calcutta-1.

SCHEDULE-II

1. Whether the demand of the workmen of the employers mentioned in Schedule I above, for fixing wage scales is justified ? If so, from what date and with what details ?

2. Whether the workmen of the employers mentioned in Schedule I above, are entitled to dearness allowance? If so, at what rate and from what date?

3. Whether the workmen of employers mentioned in Schedule I above, are entitled to the following facilities ? If so, from what date and with what other details ?

(a) Tiffin allowance; (b) privilege leave; (c) casual leave; (d) sick leave; (e) holidays; and (f) medical benefits.

4. Whether the demand of uniform for sub-staff of the employers mentioned in Schedule-I above, is justified ? If so, to what extent the workmen are entitled and from what date ?

[No. L-32011/10/73-P & D]

आदेश

नई दिल्ली, 15 फरवरी, 1974

का. आ. 540.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इस से उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में बम्बई पत्तन न्यास के प्रबन्ध से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और, यतः, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है ;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण संख्या 2, बम्बई को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

"क्या न्यूनतम मजूरी अधिनियम, 1948 और कारखाना अधिनियम, 1948 के उपबंधों, पत्तन संक्रियाओं के स्वरूप और देश में अन्य औद्योगिक प्रतिष्ठानों द्वारा सामान्य रूप से अनुसरण की गई रीति को ध्यान में रखते हुए, यह मांग कि बम्बई पत्तन न्यास के बाह्य कर्मचारियों के सामान्य कार्य घंटों और उनकी स्वीकार्य छुट्टी के दिनों की संख्या, अंतरंग कर्मचारियों के लिए निर्धारित सामान्य कार्य घंटों और छुट्टी के दिनों की संख्या के समान कर दी जाय, न्यायोचित है और उसे क्रियान्वित किया जाना चाहिए ? यदि हां, तो किस सीमा तक और किस तारीख से ?

[संख्या एल. 39016/2/73-पी. एंड डी.]

वी. शंकरालिंगम, अवर सचिव

ORDER

New Delhi, the 15th February, 1974

S.O. 540.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Bombay Port Trust, and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed.

And, whereas, the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Bombay constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

"Whether taking into account the provisions of the Minimum Wages Act, 1948 and the Factories Act, 1948, the nature of port operations and the practice generally followed by other industrial establishments in the country, the demand that the normal working hours of the outdoor staff of the Bombay Port Trust and the number of holidays admissible to them should be brought on par with those prescribed for the indoor staff is justified and should be implemented ? If so, to what extent and from what date ?"

[No. L-39016/2/73-P&D]

V. SANKARALINGAM, Under Secy.

New Delhi, the 11 February, 1974

S.O. 541.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Industrial Tribunal, Madras in the industrial dispute between the employers in relation to the Canara Bank and their workmen, which was received by the Central Government on the 1st February, 1974.

BEFORE THIRU T. PALANIAPPAN, B.A., B.L.,

PRESIDING OFFICER, INDUSTRIAL TRIBUNAL MADRAS

(Constituted by the Central Government)

Madras, the 17th January, 1974

Industrial Dispute No. 5 of 1973

(In the matter of the dispute for adjudication under section 10(2) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the workmen and the management of Canara Bank, Bangalore.)

BETWEEN

The workmen, represented by
The General Secretary,
Canara Bank Employees' Union,
135, Moore Street, Madras-1.

AND

The Custodian, Canara Bank Head Office,
J. C. Road, Bangalore-2.

Reference :

Order No. L. 12012/167/72-LRIII, dated 1-1-1973, Ministry of Labour and Rehabilitation, Department of Labour and Employment, Government of India, New Delhi.

This dispute coming on for final hearing on Tuesday the 8th day of January, 1974, upon perusing the reference, claim and counter statements and all other material papers on record and upon hearing the arguments of Thiruvalargal G. Venkataraman and R. Jamal Nazeem, Advocates for the workmen and of Thiruvalargal M. R. Narayanaswami and K. R. Vijaya Kumar, Advocates for the Bank and having stood over till this day for consideration, this Tribunal made the following:

AWARD

This is an industrial dispute between the employers of the Canara Bank, Bangalore and their workmen represented by Canara Bank Employees' Union, Madras referred to by the Government of India under section 10(2) of the Industrial Disputes Act, and the issue is as follows:—

"Whether the fitment of the basic pay of Shri M. Ramaprasad, Special Assistant, at the start of Clerical scale on his appointment in the Bank is in order? If not, to what relief is he entitled ?"

(2) The workmen of Canara Bank represented by the Canara Bank Employees' Union, have filed a claim statement. It is stated in the claim statement that Sri M. Ramaprasad was one among the few other draughtsmen who were directly recruited by the Bank even initially as an Assistant Accountant (Special Assistant) in terms of the provisions of Clause VIII of the Settlement dated 11-8-1967 entered into between the petitioner union and the respondent management for purposes of employment of Clerks as Assistant Accountants (Special Assistants) in the Bank; that Sri M. Ramaprasad was first appointed on 7-7-1969 on a contract basis as a draughtsman of a consolidated remuneration of Rs. 350 per month; that on the expiry of the period of contract and on his making an application for absorption in the permanent services of the Bank, he was appointed as a Probationary Special Assistant as from 9-6-1970, fixing his basic pay as Rs. 154, Special allowance of Rs. 75, Dearness allowance of Rs. 199.23, House Rent allowance of Rs. 14 and thus total of Rs. 442.23 as provided for in the settlement dated 19th October, 1966 between the associations of Bankers and the All India Bank Employees Association (popularly known in the industry as First Bipartite Settlement); that it was also agreed through the order of appointment that his period of probation is six months commencing from his service in the Bank as from 9-6-1970 and that on confirmation in the services of the Bank his salary and emoluments will be such as would be set out in the order of confirmation. Immediately on his appointment as a probationary Special Assistant, Sri M. Ramaprasad submitted his representation dated 10-6-1970 pointing out the practice prevalent in the Bank in respect of fitment extended to draughtsmen on their absorption in the permanent services of the Bank as Special Assistants and requested that he too be extended the same fitment; and that his claim was not allowed. After his confirmation, from 9-12-1970 Sri M. Ramaprasad submitted a further representation dated 10-12-1970 reiterating his claim for fitment at the 8th stage of the time scale of pay to provide him a basic pay of Rs. 201 as has been done in the cases of Sarvashree A. M. Hegde, B. K. Prakash and S. G. Dandavaihimutt who were all appointed initially as Draughtsmen and finally absorbed as Special Assistants in the permanent services of the Bank. This representation was also turned down by the management. Even threafter Sri M. Ramaprasad continued to submit his representations for necessary refixation of his basic pay in terms of the custom and usage prevalent in the Bank for extending a higher fitment to those draughtsmen who were appointed in terms of the settlement dated 11-8-1967 initially on contract basis and finally being absorbed by the management in the permanent services of the Bank as Special Assistants. It is stated in the claim statement that Clause VIII of the terms of settlement dated 11-8-1967 enabling the direct recruitment of Draughtsmen as Special Assistants in the services of the Bank being an integral part of the said settlement should be read in conjunction with the other provisions of the said settlement; that the respondent Bank had extended necessary and due weightage for fitment in the clerical scales of pay to Servashree A. M. Hegde, B. K. Prakash and S. G. Dandavathimutt, Draughtsmen who were similarly appointed as Special Assistants and as such the custom and usage available for extending necessary and due weightage in the clerical scales of pay to draughtsmen on their appointment as Special Assistants in the services of the Bank should not be denied to the petitioner; and that the denial would amount to an act of discrimination. It is further stated that in terms of the provisions of the settlement dated 11-8-1967 a clerk to be eligible for employment as a Special Assistant, must necessarily have a minimum of seven actual years of service and as a corollary therefrom a Clerk at a time when he becomes eligible for being employed as Special Assistant must necessarily have reached the corresponding stage of 8 in the clerical scale if he were to be a Matriculate or the

10th Stage if he were to be a Graduate; that ordinarily that employment of clerks as Special Assistants are confined to the employees recruited as Clerks and having put in seven actual years of service in the Bank; that as draughtsmen were technically qualified their appointment as Special Assistants was enabled by provisions of Clause VIII of the settlement dated 11-8-1967. The petitioner states that in the cases of Sarvashree A. M. Hegde and B. K. Prakash, Draughtsmen who were directly appointed as Special Assistants in the Bank, the respondent Bank had even at the time of their initial appointment as Special Assistants extended to them a fitment at the 8th stage of the time-scale of pay duly providing them a weightage for seven years of service which has been provided for as the minimum years of eligibility in the settlement dated 11-8-1967; that in the case of Sri S. G. Dandavathimutt in addition to the weightage equivalent for seven actual years of service a further weightage of two years of service was also given to recognise his educational qualifications in terms of the provisions of the Bipartite Settlement, and extended him a fitment at the 10th stage of the clerical scales of pay which a Graduate Clerk would reach only after seven actual years of service in the Bank. The petitioner union states that the respondent Bank after having extended a fitment with necessary and due weightage to other three employees who were similarly appointed, is not justified in denying the same treatment to Sri M. Ramaprasad only on the ground that he accepted the terms of employment offered to him by the Bank's letter dated 5-6-1970.

(3) The management Bank has filed a counter statement contending as follows: The first contention to negative the claim of Sri M. Ramaprasad is that the settlement dated 11-8-1967 lays dawn the general rules with regard to the appointment of clerks as Assistant Accountants (Special Assistants). Clause VII of the said settlement while prohibiting the management from making any direct recruitment as Assistant Accountants (Special Assistants) makes an exception in the case of one appointment per calendar year In respect of Draughtsman; that the said clause contains an exception to the general rules and so the appointment of Draughtsmen as Special Assistants is outside the purview of the other provisions of the settlement which deal with the appointment of clerks in the Bank as Special Assistants, and thus the question or reading Clause VIII in conjunction with the other provisions of the said settlement does not arise. The next contention is that the Bank did not extend any weightage for fitment in the clerical scale of pay to Sarvashri A. M. Hegde, B. K. Prakash and S. G. Dandavathimutt, all draghtsmen on their appointment as Special Assistants, having regard to the provisions of the settlement dated 11-8-1967; that Sri B. K. Prakash joined the Bank on contract basis on 2-3-1963 and was absorbed as Assistant Accountant (Special Assistant) with effect from 2-3-1964; that Sri A. M. Hegde joined the Bank on contract basis on 1-8-1963 and was absorbed as Assistant Accountant (Special Assistant) with effect from 1-8-1964; that these appointments were made much earlier to the settlement dated 11-8-1967 and hence the question of being guided by the provisions of the said settlement does not arise. As regards Sri S. G. Dandavathimutt the contention of the management is that he joined the Bank on contract basis on 22-12-1967 and was absorbed as Special Assistant with effect from 23-12-1968. The management has also denied that there was any custom and usage with regard to the fixation of basic pay of draughtsmen on their appointment as Special Assistants in the service of the Bank. The management also contends that the provisions in clause VII of the settlement dated 11-8-1967 reads that that shall be no period of probation for a clerk on his being appointed as Assistant Accountant (Special Assistant) and thus it shows that it has application only to clerks appointed as special assistants and not to draughtsmen who are required to be on probation for 6 months on their appointment in the service of the Bank. The settlement dated 11-8-1967 prescribes a minimum of 7 actual years of service and that it may undergo change from time to time, and as a matter of fact, the settlement dated 11-8-1967 was replaced by another settlement dated 6-11-1970 and it reduced from seven years to six years, and so linking the fixation of basic pay to persons directly recruited as Special Assistants to the minimum service for eligibility would lead to anomalies. While fixing the basic pay of draughtsmen at the time of their appointment as Special Assistants, the Bank has been guided by the consideration that the concerned draughtsman should get a reasonable increase in total emoluments compared to the consolidated remuneration he was paid during the period of contract, and so also for Sri M. Ramaprasad there was increase in the total emoluments after his absorption as Special Assistant. The management also contends that the factors that were taken into consideration for fixing the basic pay of Sri A. M. Hegde, Sri B. K. Prakash and Sri S. G. Dandavathimutt were also taken into consideration while fixing the basic pay of Sri M. Ramaprasad and thus there was no discrimination. The Bank finally contends that there was no justification for fixing the basic pay of Sri M. Ramaprasad at the 8th stage of the clerical scale of pay drawn by him at the time when he was directly appointed as Special Assistant, and hence, the question of fixing his basic pay retrospectively does not arise.

(4) Now I shall discuss the evidence in this case to find out whether Sri M. Ramaprasad is justified in asking this Tribunal to pass an award directing the respondent Bank to retrospectively refix the basic pay at the 8th stage of time scale of pay applicable to clerks at that time when he was initally appointed as a probationery Special Assistant and also direct the respondent Bank to pay all the arrears due to him consequent to such refixation. On the side of the management Exs. M-1 to M-14 were marked. The petitioner Union filed only one document and that has been marked as Ex. W-1, which is a book with a heading "Settlements on Promotion Policies and Employment of Clerks as Special Assistants". There is no disputs about the facts of this case. Sri M. Ramaprasad was first appointed as Draughtsman in the respondent Bank on a contract basis. Ex. M-3 is the special contract of service between the Canara Bank Limited and Sri M. Ramaprasad. As per this contract, the period of service was one year and that the employee, that is, Sri M. Ramaprasad was to get a consolidated remuneration of Rs. 350 per month without the addition of any emoluments from the Bank. Ex. M-4 dated 5-6-1970 is a copy of the letter from the Bank to Sri Ramaprasad mentioning his employment on contract basis for a period of one year and also mentioning his pay. As per this letter, he was called upon to return the enclosed application form for employment duly completed with a medical certificate. Ex. M-5 dated 5-6-1970 is the proceedings of the General Manager of the Bank appointing Sri M. Ramaprasad as a probationer Special Assistant, and it shows that his basic pay was fixed at Rs. 154, Epecial pay of Rs. 75, Dearness allowance of Rs. 199.23, House rent allowance of Rs. 14, and thus the total emoluments comes to Rs. 442.23. After the expiry of the one period of service as draughtsman he was appointed as and from 9-6-1970 as Special Assistant. There after as seen in Ex. M-6 Sri M. Ramaprasad had pointed out that the basic salary of his predecessor and the special assistant of Eastern Zone Mr. A. M. Hegde were fixed at Rs. 182 and basic salary of clerical cadre at that time was Rs. 140 and that he was also eligible for similar corresponding increased fixation of basic salary, and that he had an experience of six years including one year's experience in the Bank. To this request the Bank under the original of Ex. M-7 have stated that they took into consideration all aspects and that there was no understanding that the employees taken on contract for the Premises Section shall be started on any particular basic salary on being absorbed into the regular service of the bank. Not stopping with that Sri M. Ramaprasad under the original of Ex. M-8 dated 10-12-1970 made a representation stating that though he is grateful for the confirmation of his services, he should have been started on a basic salary of Rs. 201 as per the old scales of pay and

pointed out that Sri S.G. Dandavathimutt was absorbed as Special Assistant after one year and was started on basic pay of Rs. 225 as per the old pay scales, namely, his basic pay was fixed at the 8th stage, but also he was given two additional increments for graduation. He has also pointed out that Mr. A. M. Hegde and his predecessor Mr. B. K. Prakash were started on a basic pay of Rs. 182, namely, at the 8th stage at the then prevailing pay scales after giving 7 increments. Then the management under the original of Ex. M-9, declined to grant any further raise in the basic pay of Sri M. Ramaprasad.

(6) Ex. M-1 is the copy of settlement dated 11-8-1967 regarding postings of special assistants. Clause II reads that only those clerks who have seven actual years of service shall be eligible for appointment as Assistant Accountants. Clause VIII of Ex. M-1 shows that there is an exception to the rule, namely, that except for one appointment per calendar year in respect of draughtsmen, the management shall not make any direct recruitment as Assistant Accountants. The first point that was urged by the counsel for the petitioner union is that Clause VIII of the terms of Settlement Ex. M-1 should be read in conjunction with the other provisions of the Settlement. In reply to this argument, the learned counsel for the management argued that that the appointment of draughtsmen as Special Assistants is outside the purview of the other provisions of the settlement of the original of Ex. M-1 and that the question of reading Clause 8 in conjunction with the other provisions of the settlement does not arise. This argument is not tenable for the following reasons:— Ex. M-1, which is a copy of the settlement between the mangement of the Canara Bank Limited and the Canara Bank Employees' Union in the matter of appointment of clerks as Assistant Accountants is dated 11-8-1967. Thus at the time of the appointment of Sri M. Ramaprasad as Special Assistant, it was only this agreement, that is Ex.M-1 which was in force. So the provisions of the settlement Ex. M-1 should govern the rights of parties, in the matter of fixing pay of Special Assistants and the management cannot contend that the appointment of draughtsman as special assistant is outside the purview of the provisions of the settlement dated 11-8-1967. I am of the view that irrespective of the fact whether the clerk is appointed as special assistant or a draughtsman appointed as a special assistant, the criterian should be the post of the appointment and the management cannot contend that the appointment of draughtsman is outside the purview of the other provisions of the settlement. Further, it is seen that Sri M. Ramaprasad had an experience of six years including one year experience in the Bank. Under those circumstances Clause II of the settlement dated 11-8-1967 should be applied to him, and that he should be started at the 8th stage on his appointment as Special Assistant. As rightly pointed out by the union, clause 8 should be read in conjunction with the other provisions of the settlement dated 11-8-1967. The learned counsel for the management further argued that the provisions of the settlement dated 11-8-1967, namely, that a clerk must have a minimum of seven actual years of service to be eligible for employment as Special Assistants cannot form the basis for fixation of basic pay of persons directly recruited as Special Assistants and that the prescribed minimum service may undergo change from time to time and it may be increased or decreased from seven actual years of service and as a matter of fact as seen in Ex. M-2 it was reduced to six years and that linking the fixation of basic pay to direct recruits to the minimum service for eligibility under the settlement will lead to anomalies. The simple answer to this point is that a person directly recruited to the post of Special Assistant can ask his pay to be fixed only as per the settlement between the employees and the employer of the Bank. If the appointment of Sri M. Ramaprasad was during the currency of Ex. M-2, he would ask only for fitment in the Seventh stage. But as his appointment as Special Assistant on 9-6-1970 was during the currency of the settlement dated 11-8-1967 he is perfectly justified in asking to fix his basic pay at the eighth stage.

(7) The next point that was urged on behalf of the union was that in the case of Sarvashree A. M. Hegde, and B. K. Prakash, Draughtsmen, who were directly appointed as Special Assistants in the Bank, the respondent Bank had even at the time of their initial appointment as Special Assistants extended to them a fitment at the 8th stage of the time-scale of pay duly providing them a weightage for seven years of service which has been provided for as the minimum years of eligibility in the settlement dated 11-8-1967; that in the case of Sri S. G. Dandavathimutt in addition to the weightage equivalent for seven actual years of service a further weightage of two years of service was also given to recognise his educational qualifications in terms of the provisions of the bipartite settlement. The management has denied that in fixing the basic pay of Sarvashree A. M. Hegde and B. K. Prakash, the Bank provided or intended to provide weightage of seven years of service which has been provided for as the minimum years of eligibility; that in the case of S. G. Dandavathimutt, the Bank did not fix his basic pay with a view to give him weightage equivalent to seven actual years of service; that the same factors which were taken into account while fixing the basic pay of Sri A. M. Hegde and Sri B. K. Prakash weighed with the Bank in fixing the basic pay of Sarvashree S. G. Dandavathimutt and also while fixing the basic pay of M. Ramaprasad on his appointment as Special Assistants in the Bank, the same factors have been taken into account and that there was no discrimination against Sri Ramaprasad. As seen in paragraph 9 of the counter that the basic pay of Sri Prakash while appointed as Special Assistant from the post of Draughtsman, his basic pay was fixed at Rs. 182, Special allowance of Rs. 65, Dearness allowance of Rs. 66.69 House rent allowance of Rs. 12 and thus paid a total of Rs. 325.69; that for Sri A. Mohandas Hegde the basic pay was fixed at Rs. 182, Special allowance of Rs. 65 Dearness allowance of Rs. 66.69, House rent allowance of Rs. 12 and thus total of Rs. 325.69; that for S. G. Dandavathimutt, the basic pay was fixed at Rs. 225 inclusive of 2 increments for graduation Special pay of Rs. 75 Dearness allowance of Rs. 252. House rent allowance of Rs. 18, and thus total of Rs. 570. But for Sri M. Ramaprasad, the basic pay was fixed at Rs. 154, Special pay of Rs. 75 Dearness allowance of Rs. 199.23. House rent allowance of Rs. 14, and thus total of Rs. 442.23. It is the positive case of the petitioner union that while the above three persons, namely Sarvashree A. M. Hegde, B. K. Prakash, S. G. Dandavathimutt were appointed as Special Assistants from the posts of draughtsmen, they were fixed at the 8th stage and that Sri S. G. Dandavathimutt was given two increments for graduation. The Management Bank has stated in paragraph 10 of the counter that it was only a coincidence that these three persons happened to be fitted at the 8th stage of the then existing scale. I am unable to agree with the contention of the management that it was a coincidence. But the very fact of the fixation of pay at the 8th stage shows that it was done as per the provisions of the settlement Ex. M-1 and that the Bank deliberately intended to fix at the 8th stage for appointment as Special Assistants. Further it was stated on behalf of the union that Sri Ramaprasad was a graduate. The learned counsel for the Bank represented that if it is asserted he does not wish to deny the fact. In view of the fact that Sri M. Ramaprasad happens to be a graduate, he should be given two more increments on his appointment as Special Assistant. When the Bank has fixed the basic pay of the above three persons at the 8th stage the Bank had to fix a basic pay of Sri M. Ramaprasad also at the stage plus two stages for graduation. Thus the failure of the Bank in not fixing the basic pay of Sri M. Ramaprasad at the 10th stage on his appointment as Special Assistant would clearly amount to discrimination. In my opinion the contention of the Bank that the aim of the Bank was that the concerned draughtsman should get a reasonable increments in the total emoluments compared to the consolidated remuneration he was paid during the period of contract is not an answer for not fixing the basic pay as done for the above mentioned persons namely Messrs. A. M. Hegde, Prakash and Dandavathimutt.

(8) In the result there will be an award directing the respondent Bank to retrospectively re-fix the basic pay of Sri M. Ramaprasad at the 10th stage of time scale of pay applicable to clerks at that time when he was initially appointed as a probationery Special Assistant and that the respondent is also directed to pay all the arrears due to him consequent on such re-fixation. There will be no order as to costs.

Dated, this the 17th day of January, 1974.

Sd/-

T. PALANIAPPAN, Presiding Officer

WITNESSES EXAMINED

For both sides : None.

DOCUMENTS MARKED

For Workmen

Ex. W-1 —Settlements on promotion policies and Employment of Clerks as Special Assistants (Printed Book).

For Management

Ex. M-1/11-8-67 —Memorandum of settlement under section 2(p) of the Industrial Disputes Act, 1947 between parties.

Ex. M-2/6-11-70 — -do-

Ex. M-3/17-7-69 —Special contract of service between the Bank and Thiru M. Ramaprasad.

Ex. M-4/5-6-70 —Letter from the Bank to Thiru Ramaprasad about his regular service in the Bank.

Ex. M-5/5-6-70 —Proceedings of the General Manager of the Bank appointing Thiru M. Ramaprasad as probationary Special Assistant.

Ex. M-6/10-6-70 —Application of Thiru M. Ramaprasad to the Bank requesting to reconsider the anomaly in fixation of his salary.

Ex. M-7/24-6-70 —Letter from the Bank to Thiru M. Ramaprasad Reply to Ex. M-6.

Ex. M-8/10-12-70 —Application of Thiru M. Ramaprasad to the Bank requesting to set right the anomalies in fixing his salary.

Ex. M-9/4-1-71 —Letter from the Bank to Thiru M. Ramaprasad—(Reply to Ex. M-8).

Ex. M-10/1-3-71 —Application of Thiru M. Ramaprasad to the Bank regarding fixation of salary.

Ex. M-11/1-6-72 —Letter from the Bank to Thiru M. Ramaprasad regarding fixation of basic pay.

Ex. M-12/1-6-72 —Application of Thiru M. Ramaprasad to the Bank about his fixation of salary.

Ex. M-13/2-6-72 —Reply letter from the Bank to Ex. M-12.

Ex. M-14/19-10-66 —Settlement on the industrial disputes between certain Banking Companies and their workmen.

(sd)
T. Palaniappan,
Presiding Officer

Note : The parties are directed to take return of their documents within six months from the date of award.

[No. L. 12012/167/72-IRIII]

P. P. KANTHAN, Under Secy.

नई दिल्ली, 12 फरवरी, 1974

का० आ० 542.—केन्द्रीय सरकार, अभ्रक खान श्रम कल्याण निधि अधिनियम, 1946 (1946 का 22) की धारा 3 की उपधारा (4) के अनुसरण में, 31 मार्च, 1973 को समाप्त होने वाले वर्ष के दौरान अभ्रक खान श्रम कल्याण निधि से वित्तपोषित क्रियाकलापों की निम्नलिखित रिपोर्ट, उस वर्ष के लेखा-विवरण और उक्त निधि की 1973-74 वर्ष की प्राप्तियों और व्यय के प्राक्कलन सहित प्रकाशित करती है।

भाग 1

1. **साधारण** :—अभ्रक खान श्रम कल्याण निधि का गठन अभ्रक खान श्रम कल्याण निधि अधिनियम, 1946 (1946 का 22) के अधीन अभ्रक खान उद्योगों में नियोजित श्रमिकों के कल्याण के वित्तपोषण के लिए किया गया है। स्वच्छता, औषध, आवासन, जल-प्रदाय, शिक्षा और रहन-सहन के स्तर में सामान्य सुधार तथा आमोद-प्रमोद की सुविधाओं से सम्बन्धित कुछ बड़े कल्याणकारी क्रियाकलाप हैं।

2. अधिनियम में निर्यात की गई सभी अभ्रक पर मूल्यानुसार, 6¼ प्रतिशत की अधिकतम दर पर सीमाशुल्क के उद्ग्रहण के लिए उपबन्ध किया गया है। किन्तु वर्तमान समय में नियत दर मूल्यानुसार 2½ प्रतिशत है। संग्रहणों का आवंटन विभिन्न अभ्रक उत्पादक क्षेत्रों में उनके औसत उत्पादन के अनुपात में कल्याणकारी उपायों से सम्बन्धित व्यय के लिए किया जाता है।

3. अधिनियम के प्रशासन के सम्बद्ध विषयों के बारे में केन्द्रीय सरकार को सलाह देने के लिए केन्द्रीय सरकार ने तीन सलाहकार समितियां गठित की हैं, अर्थात् अभ्रक का उत्पादन करने वाले तीन राज्यों आन्ध्र-प्रदेश, बिहार और राजस्थान, के लिए एक-एक समिति जो सरकार, अभ्रक खानों के स्वामियों और अभ्रक खान उद्योग में नियोजित कर्मकारों का प्रतिनिधित्व करती है। इन तीन राज्यों में से प्रत्येक में एक कल्याण-आयुक्त है, जो अभ्रक खनक प्रादेशिक कल्याण संगठन का मुख्य कार्यपालक है। प्रादेशिक संगठनों के क्रियाकलापों को समन्वित करने के लिए पहले एक समिति थी जिसमें केवल सरकारी सदस्य थे। अभ्रक खान कर्मकारों और अभ्रक खान नियोजकों को प्रतिनिधित्व देने के लिए इस समिति के स्थान पर 5 अक्तूबर, 1967 को एक त्रिपक्षीय केन्द्रीय सलाहकार बोर्ड बनाया गया। भीलवाड़ा (राजस्थान) में 14 दिसम्बर, 1968 को हुई बोर्ड की दूसरी बैठक में, बोर्ड ने यह सिफारिश की कि प्रत्येक राज्य सलाहकार समिति का अध्यक्ष उस राज्य का श्रम मंत्री होना चाहिए। इस विनिश्चय को लागू कर दिया गया है और अभ्रक उत्पादित करने वाले श्रमिक राज्यों के श्रम मंत्री राज्य सलाहकार समितियों के अध्यक्ष नियुक्त किए गए हैं।

भाग 2—उपबन्धित सुविधाएं

क—चिकित्सकीय :—कल्याण संगठन द्वारा अभ्रक कर्मकारों और उनके आश्रितों के लिए उचित रूप से व्यापक चिकित्सकीय सुविधाओं की व्यवस्था मुहैया की गई है। उनके अन्तर्गत अस्पतालों, प्रसूति और शिशु-कल्याण केन्द्रों की व्यवस्था और उनका बनाए रखना, गृहोपचार सहित क्षय रोग के उपचार की सुविधाएं, आयुर्वेदिक औषधालयों सहित औषधालय सेवाओं और अन्य सुविधाएं आदि भी हैं। रिपोर्ट वाले वर्ष के दौरान अभ्रक खनिकों और उनके आश्रितों के उपचार के लिए कल्याण संगठन द्वारा निम्नलिखित केन्द्रीय और प्रादेशिक अस्पताल पोषित किए जाते रहे :—

क्रम सं०	अस्पताल का नाम	शैया की संख्या
1.	केन्द्रीय अस्पताल, करमा (बिहार)	100
2.	केन्द्रीय अस्पताल, गंगापुर (राजस्थान)	30*
3.	केन्द्रीय अस्पताल, कालीचेडू (आन्ध्र प्रदेश)	30
4.	प्रादेशिक अस्पताल, तिसरी (बिहार)	30
5.	प्रादेशिक अस्पताल, नालुपुर (आन्ध्र प्रदेश)	10
6.	क्षयरोग अस्पताल, करमा (बिहार)	50
7.	केन्द्रीय अस्पताल, कालीचेडू से संलग्न क्षय रोग वार्ड	20
8.	आमली, बगौर और माधोराजपुरा के स्थैतिक औषधालयों में अन्तरंग वार्ड प्रत्येक में	5

*क्षय-रोग के रोगियों के लिए दस शैयाएं आरक्षित हैं। उपरोक्त अस्पतालों के अलावा निम्नलिखित अन्य चिकित्सकीय संस्थाएं भी अभ्रक उत्पादित करने वाले तीन राज्यों में कार्य करती रहीं।

चिकित्सकीय संस्थाएं	आन्ध्र प्रदेश	बिहार	राज-स्थान	कुल
आयुर्वेदिक औषधालय . .	4	8	16	28
ऐलोपैथिक औषधालय . .	2	5	1	8
चल-चिकित्सा यूनिटें . .	1	3	—	4
स्थैतिक एवं चल-चिकित्सा औषधालय .	—	—	4	4
प्रसूति और शिशु कल्याण / लघु मामुदायिक केन्द्र (औषधालय)	4	5	3	12

कल्याण संगठन क्षय रोग से पीड़ित खनिकों और उनके आश्रितों के उपचार के लिए पर्याप्त सुविधाओं की व्यवस्था करने का प्रयत्न करता रहा है। क्षय रोग अस्पताल और क्लिनिक स्थापित करने के अलावा सरकारी क्षय रोग और छाती रोग अस्पताल नेलौर में छह शैय्याएं अभ्रक खनिकों और उनके कुटुम्ब के अन्य उपयोग के लिए आरक्षित रहीं। राजस्थान प्रदेश में 4 शैय्याएं क्षय रोग आरोग्य निवास, मदार (अजमेर) में आरक्षित की गई है।

(ii) उन अभ्रक खनिकों के, जिनका उपचार कल्याण संगठन द्वारा स्थापित क्षय-रोग अस्पतालों में हो रहा था आश्रितों को 50 रु० प्रति मास के हिसाब से निर्वाह भत्ता दिया जाता है।

प्रकीर्ण चिकित्सकीय सुविधाएं

(i) नेतुलमारी कुष्ठ अस्पताल में बिहार के उन अभ्रक खनिकों के, जो कुष्ठ से पीड़ित हैं, उपचार की व्यवस्था जारी रही।

(ii) एक विद्यालय स्वास्थ्य कार्यक्रम आरम्भ किया गया है, जिसमें विद्यालय-भवनों और उनके परिवेश के निरीक्षणार्थ व्यवस्था की गई है तथा आन्ध्र प्रदेश में कल्याण संगठन द्वारा चलाए जा रहे विद्यालयों में अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों की स्वास्थ्य परीक्षा का किया जाना प्रारम्भ किया गया है।

ख—शैक्षिक और आमोद-प्रमोद सम्बन्धी सुविधाएं :—कल्याण संगठन द्वारा अभ्रक कर्मकारों और उनके आश्रितों को शैक्षिक और आमोद-प्रमोद संबंधी सुविधाएं की व्यवस्था करने के लिए, बहुउद्देशीय संस्थान, जिनमें प्रत्येक में एक प्रौढ़-शिक्षा केन्द्र और एक नारी-कल्याण केन्द्र है, चलाए जा रहे हैं। प्रौढ़-शिक्षा सम्बन्धी क्रियाकलापों के विस्तार के लिए संगठन द्वारा पोषक और प्रौढ़-शिक्षा केन्द्र खोले गए हैं इन सुविधाओं की व्यवस्था करने वाली संस्थाओं की संख्या निम्नानुसार है :—

संस्थाएं	आन्ध्र प्रदेश	बिहार	राज-स्थान	कुल
(क) बहु-उद्देशीय संस्थान (प्रौढ़-शिक्षा केन्द्र और नारी-कल्याण केन्द्र सहित) . .	—	9	—	9
(ख) सामुदायिक केन्द्र . .	1	7	—	8
(ग) नारी केन्द्र . .	2	—	6	8
(घ) प्राथमिक/प्रारम्भिक विद्यालय .	6	3	2	11
(ङ) पोषक केन्द्र . .	—	1	—	1
(च) मध्यवर्ती/उच्च विद्यालय .	2	4	1	7
(छ) प्रौढ़-शिक्षा केन्द्र . .	1	16*	19	36
(ज) खनिकों के बच्चों के लिए बोर्डिंग हाउस/छात्रावास . .	2	4	1	7
(झ) चल-सिनेमा यूनिटें . .	1	3	1	5
(ञ) अभ्रक खनन क्षेत्रों में लगाए गए रेडियो-सैट . .	39	16	40	95

*बहु-उद्देशीय संस्थानों और सामुदायिक केन्द्रों से संलग्न

(i) अभ्रक उत्पादित करने वाले तीन राज्यों में अभ्रक खनिकों को दी गई कल्याण सम्बन्धी सुविधाओं के ढांचे में एक रूपता नहीं है। बिहार के बहुउद्देशीय संस्थानों में, जिनमें प्रत्येक में एक प्रौढ़-शिक्षा केन्द्र और एक नारी कल्याण केन्द्र है, कर्मकारों को और आमोद-प्रमोद सम्बन्धी सुविधाएं दी जाती हैं। इन केन्द्रों में आने वाली महिलाओं को सिलाई और बुनाई जैसी दस्तकारी में प्रशिक्षण दिया जाता है। प्रत्येक संस्था प्रशिक्षण-एवं-उत्पादन केन्द्र के रूप में काम करती है। नारी कल्याण केन्द्रों में महिला कर्मकार बर्जीगिरी और सिलाई का काम सीखती हैं।

जहां तक राजस्थान का संबंध है, इसे पांच मंडलों में बांट दिया गया है और प्रत्येक मंडल को एक कनिष्ठ सहायक कल्याण निरीक्षक के भार-साधन में रखा गया है। उसके भारसाधनाधीन कई उप-केन्द्र हैं।

मण्डलों के मुख्यालयों के कल्याण सम्बन्धी क्रियाकलापों के अन्तर्गत निम्नलिखित आते हैं :—

(1) खनिकों के बच्चों को नहलाना।
(2) प्रौढ़-शिक्षा (पुरुष और महिला दोनों के लिए)।
(3) गृह शिक्षकीय कक्षाएं।
(4) अंतरंग खेल-कूद ,जैसे, कैरम बोर्ड, शतरंज, लूडो आदि।
(5) बहिरंग खेलकूद, जैसे, वाली-बाल, कबड्डी, रस्सा खींचना आदि।
(6) अध्ययन कक्ष जिसमें समाचार-पत्र, पत्रिकाओं, पुस्तकालय पुस्तकें आदि हों।

उपकेन्द्रों के कल्याण-सम्बन्धी क्रियाकलाप निम्नलिखित हैं :—

(1) प्रौढ़-शिक्षा (केवल पुरुषों के लिए)
(2) गृहशिक्षकीय कक्षाएं (केवल बालकों के लिए)
(3) अन्तरंग खेल-कूद।
(4) समाचार-पत्र आदि।

आन्ध्रप्रदेश में अभ्रक खान श्रमिक कल्याण संगठन ने अभ्रक खनिकों को शिक्षा संबंधी सुविधाएं देने के लिए दो प्रौढ़ शिक्षा केन्द्रों की स्थापना की है। संगठन ने श्रमिक महिलाओं के लिए सामुदायिक केन्द्रों, आमोद-प्रमोद सम्बन्धी क्लबों आदि की सुविधाओं के सामान की भी व्यवस्था की है। सामुदायिक केन्द्रों में महिलाओं को दर्जीगिरी/कशीदाकारी, लेस संबंधी कार्य आदि सिखलाया जाता है। इन केन्द्रों के काम का पर्यवेक्षण सहायक श्रम कल्याण निरीक्षक और कनिष्ठ सहायक श्रम कल्याण निरीक्षक द्वारा किया जाता है।

(ii) आन्ध्र प्रदेश में इस निधी द्वारा चलाए जा रहे सभी विद्यालयों में, बच्चों को मुफ्त मध्याह्न भोजन, दूध, पुस्तकें, स्लेट, थैले, चप्पल और वर्दी दी जाती है। बिहार में बहु-उद्देशीय संस्थानों और सामुदायिक केन्द्रों में जाने वाले खनिकों के बच्चों के लिए दूध और (पकाए गए भोजन से भिन्न) टिफिन की व्यवस्था है। राजस्थान में अभ्रक खनिकों के स्कूल जाने वाले बच्चों को मध्याह्न भोजन, पुस्तकें और स्लेटें तथा अन्य लेखन-सामग्री सम्बन्धी वस्तुएं दी जाती हैं।

(iii) अपने निवास-स्थान से दूर उच्च विद्यालयों में अध्ययन करने वाले अभ्रक कर्मकारों के बच्चों के फायदे के लिये इस निधी द्वारा छात्रावास/अस्पताल स्थापित किए गए है।

(iv) विद्यालयों और महाविद्यालयों में, अध्ययन करने वाले अभ्रक खनिकों के बच्चों को अपना अध्ययन आगे चलाने के लिए छात्रवृत्तियां दी जाती हैं। बिहार और राजस्थान में खनिकों के बच्चों को साधारण तथा तकनीकी शिक्षा के लिए छात्रवृत्तियां दी जाती हैं। छात्रवृत्तियां 10.00 रु० से 50.00 रु० प्रतिमास की हैं। बिहार में अभ्रक खनिकों के विद्यालय जाने वाले बच्चों को अध्ययन फीस भी दी जाती है।

(v) इस निधि की चल-सिनेमा यूनिटों द्वारा अभ्रक खनन क्षेत्रों में पूरे वर्ष में सिनेमा-प्रदर्शन किए जाते हैं। ये हर स्थान पर बड़ी भीड़ आकृष्ट करते हैं और अभ्रक कर्मकारों में बहुत लोकप्रिय हैं।

(vi) प्रत्येक वर्ष अभ्रक के सभी तीन क्षेत्रों में अभ्रक कर्मकारों के आमोद-प्रमोद के लिए क्रीड़ा और खेल कूद का आयोजन किया जाता है। ये अभ्रक खनन जनता में बहुत लोकप्रिय हैं। विजेताओं को इनाम भी दिए जाते हैं।

(vii) भ्रमण एवं अध्ययन दौरों के लिए सुविधाएं भी दी जाती हैं। संगठन द्वारा राजस्थान के लगभग 150 अभ्रक खनिकों को, (जिनमें महिलाएं और बच्चा सम्मिलित है), जो नई दिल्ली में हुए तृतीय एशियाई अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार मेला, 1972 देखने गए, यात्रा-खर्च दिया गया था। दिल्ली के अलावा उन्हें आगरा, मथुरा, वृन्दावन और जयपुर ले जाया गया।

(viii) एक केन्द्र से दूसरे केन्द्र पर जाने तथा कर्मकारों का मनोरंजन करने के लिए कीर्तन और भजन मंडलियों का प्रबन्ध किया जाता है।

(ix) इस निधि द्वारा चलाए जा रहे सभी बहुउद्देशीय संस्थानों। कल्याण केन्द्रों पर खनिकों और उनके कुटुम्ब के आमोद-प्रमोद के लिए रेडियो सेटों की व्यवस्था की गई है।

ग–पेयजल की सुविधाएं

अभ्रक खनन क्षेत्रों में अभ्रक कर्मकारों को पेयजल और अन्य प्रयोजनों के लिए पर्याप्त जल प्रदाय का अभाव एक पुरानी समस्या है। खान प्रबन्धतन्त्रों को अभ्रक खान श्रमिक कल्याण संगठन से लागत के 50 प्रतिशत तक वित्तीय सहायता देकर जल-प्रदाय स्कीम शुरू करने के लिए सहमत किया गया है। इस समय इस समस्या का समाधान मुख्यतः नए कुएं खुदवा कर और पुराने कुओं के फिर से ठीक करा कर किया जा रहा है।

राजस्थान प्रदेश में, एक पुराना कुआ ठीक किया गया है और एक अन्य नया कुआ खुदवाया गया है। 3 कुओं की खुदाई कार्य प्रगति पर था। बिहार प्रदेश में नए कुंए या जल-प्रदाय सम्बन्धी कोई स्कीम कार्यान्वित नहीं की गई। किन्तु इस प्रदेश में, अभ्रक खनिकों के लिए पेयजल की व्यवस्था करने के लिए 74 कुंए पहले ही खुदवाए जा चुके हैं।

घ–आवासन

बिहार प्रदेश में इस वर्ष के दौरान कोई नए गृह नहीं बनवाए गए। आन्ध्र प्रदेश में कम लागत आवास स्कीम के अन्तर्गत 56 मकान मंजूर किए गए गृहों में से 26 मकानों का निर्माण पूरा हो गया है, जबकि इस वर्ष के दौरान 16 मकानों का निर्माण कार्य चल रहा है था। आन्ध्र प्रदेश में शाह खानों में विभागीय कालोनी स्कीम के अधीन भी दस गृहों का निर्माण पूरा हो गया है। दस और गृहों का निर्माण कार्य चल रहा था। राजस्थान प्रदेश में स्वयं अपना मकान बनवाइए स्कीम, के अन्तर्गत 28 कर्मकारों को सहायिकी मंजूर की गई।

ङ–विनाशक दुर्घटनाओं की दशा में वित्तीय सहायता–

उन अभ्रक खनिकों की, जो दुर्घटनाओं के परिणाम-स्वरूप मर जाते हैं, विधवाओं और बच्चों को इस निधि में से वित्तीय सहायता के अनुदान से सम्बन्धित स्कीम जारी रखी गई।

च–बिहार में उपभोक्ता सहकारी स्टोर

बिहार में करमा में, इस राज्य के अभ्रक खान कर्मकारों को युक्तियुक्त दरों पर अपनी दैनिक आवश्यकता की वस्तुएं पाने में समर्थ करने के लिए एक केन्द्रीय उपभोक्ता सहकारी स्टोर काम करता रहा। आन्ध्र प्रदेश क्षेत्र में, 4 प्राथमिक उपभोक्ता सहकारी स्टोर अभ्रक खनन निवासियों की जरूरतें पूरी करते रहे। राजस्थान प्रदेश में 1968 में छह उपभोक्ता सहकारी स्टोर स्थापित किए गए। इनमें से केवल एक स्टोर रिपोर्ट वाले वर्ष के दौरान माधेराजपुरा में काम करता रहा। सहकारी स्टोरों के असंतोषप्रद काम को ध्यान में रखते हुए, और कोई उधार उन्हें नहीं दिए गए और, निष्क्रिय स्टोरों को पहले दिए गए उधारों को वसूल करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

छ–वर्ष 1972-73 के दौरान महत्वपूर्ण कार्यकलाप

वे निम्नलिखित हैं

(i) **स्वास्थ्य सुविधाएं :**

राजस्थान के आसनी और माधेराजपुरा औषधालयों में से प्रत्येक में परीक्षण आधार पर 5–5 शैयाओं वाला वार्ड आरम्भ किया गया। केन्द्रीय अस्पताल, संगापुर (राजस्थान) में लगाने के लिए एक एक्स-रे-सयत्र और उसी अस्पताल में उपयोग के लिए एक रोगीवाहक गाड़ी की चेसिस, इस वर्ष के दौरान प्राप्त की गई थी।

(ii) **पेयजल सुविधाएं**

कालीवेडु (आन्ध्र प्रदेश) में कल्याण संगठन को पेयजल के प्रदाय के लिए नल लगाने और उर्ध्वस्थ टैंकों के सन्निर्माण के लिए भारत सरकार द्वारा इस वर्ष के दौरान 1.42 लाख रुपए के प्राक्कलित व्यय के लिए मंजूरी दी गई। राजस्थान प्रदेश में, एक पुराना कुआ फिर से ठीक किया गया और अन्य नया कुआ खोदा गया।

आवासन

आन्ध्र प्रदेश में शाह खानों में विभागीय कालोनी स्कीम के अन्तर्गत इस वर्ष 10 गृहों का निर्माण पूरा किया गया। राजस्थान में, "स्वयं अपना मकान बनवाइये स्कीम," के अन्तर्गत 44 गृहों का निर्माण पूरा किया गया।

***वर्ष 1972-73 का लेखा-विवरण**

भाग II

प्राप्तियां	रु०	व्यय	रु०
1 अप्रैल, 1972 को प्रारम्भिक अतिशेष	90,24,466	वर्ष 1972-73 के दौरान आय	46,33,496
वर्ष 1972-73 के दौरान प्राप्तियां	36,79,274	31 मार्च, 1973 को अन्तिम अतिशय	80,70,244
कुल	1,27,03,740	कुल	1,27,03,740

भाग–3

***वर्ष 1973-74 के लिए प्राक्कलित प्राप्ति और व्यय**

प्राप्तियां . . . . 46,82,000 (आर० ई०) रुपए

व्यय . . . . 32,00,000 रुपए

[फा० सं० जेड 16016/2/73-एम3]

बी० के० सक्सेना, अवर सचिव

New Delhi, the 12th February, 1974

S.O. 542.—In pursuance of sub-section (4) of section 3 of the Mica Mines Labour Welfare Fund Act, 1946 (22 of 1946), the Central Government hereby publishes the following report of the activities financed from the Mica Mines Labour Welfare Fund during the year ended on the 31st March, 1973, together with a statement of accounts for that year and an estimate of receipts and expenditure of the said Fund for the year 1973-74.

PART I

1. **General.**—The Mica Mines Labour Welfare Fund has been constituted under the Mica Mines Labour Welfare Fund Act, 1946, (22 of 1946) for financing the welfare of labour employed in the Mica mining industry. Some of the major activities of welfare relate to sanitation, medicine, housing, water supply, education and general improvement in the standard of living and recreational facilities.

2. The Act provides for the levy of a duty of customs on all mica exported upto a maximum rate of 6-1/4 per cent ad valorem. The rate fixed for the present, however, is 2-1/2 per cent ad valorem. The collections are allocated for expenditure on welfare measures among the various Mica producing areas in proportion to their average production.

3. To advise the Central Government on matters connected with the administration of the Act, the Central Government has constituted three Advisory Committee *i.e.* one each for the three mica producing States of Andhra Pradesh, Bihar and Rajasthan, representing Government, the owners of mica mines and workmen employed in the mica mining industry. There is a Welfare Commissioner in each of these three States who is the Chief Executive head of the Regional Welfare Organisation for mica miners. To co-ordinate the activities of the regional organisations, there was formerly a Co-ordinating Committee consisting of officials only. In order to give representation to the mica mine workers and mica mine employers, the Committee was replaced on the 5th October, 1967 by a Tripartite Central Advisory Board. At the Second Meeting of the Board held on the 14th December, 1968 at Bhilwara (Rajasthan), the Board recommended that each State Advisory Committee should have the Labour Minister of the State as its Chairman. The decision has been implemented and the Labour Ministers of the respective mica producing States have been appointed Chairman of the State Advisory Committees.

PART II FACILITIES PROVIDED

A. MEDICAL

Fairly extensive medical facilities for mica workers and their dependents are provided free of cost by the Welfare Organisation. These include provision and maintenance of hospitals, maternity and child welfare centres, facilities for treatment of T.B. including domiciliary treatment, dispensary services including Ayurvedic dispensaries and other facilities etc. The following central and regional hospitals continued to be maintained by the Welfare Organisation for the treatment of mica miners and their dependents during the year under reports :—

Sl. No.	Name of the Hospital	Bed Strength
1.	Central Hospital Karma (Bihar)	100
2.	Central Hospital, Gangapur (Rajasthan)	30*
3.	Central Hospital, Kalichedu (Andhra Pradesh)	30
4.	Regional Hospital, Tisri	30
5.	Regional Hospital, Talupur (Andhra Pradesh)	10
6.	T.B. Hospital, Karma (Bihar)	50
7.	T.B. Ward attached to Central Hospital, Kalichedu.	20
8.	Indoor Ward at State Dispensaries at Amli, Bagore and Madhorajpura	5 each

*Ten bed reserved for T.B. patients.

Besides the above hospital, the following other medical institutions also continued to function in the three mica producing States.

Medical Institutions	Andhra Pradesh	Bihar	Rajasthan	Total
Ayurvedic Dispensaries	4	8	16	28
Allopathic Dispensaries	2	5	1	8
Mobile Medical Units	1	3	—	4
Static-cum-Mobile Dispensaries	—	—	4	4
Maternity and Child Welfare/Small Community Centres (dispensary)	4	5	3	12

The Welfare Organisation has been endeavouring to provide adequate facilities for treatment of the miners and their dependents suffering from T.B. Apart from setting up of T.B. Hospitals and clinics, six beds in the Government T.B. and Chest Diseases Hospital, Nellore continued to be reserved for the exclusive use of mica miners and their families. In Rajasthan Region 4 beds have been reserved in the T.B. Sanatorium, Madar (Ajmer).

(ii) A subsistance allowance at Rs. 50/- per month is granted to the dependents of mica miners who received treatment in the T.B. Hospitals set up by the Welfare Organisation.

MISCELLANEOUS MEDICAL FACILITIES

(i) Arrangements continued for the treatment of mica miners of Bihar suffering from Leprosy at the Tetulmari Leprosy Hospital.

(ii) A school health programme which provides for the inspection of buildings and their surroundings and medical examination of the students reading in the schools run by the Welfare Organisation in Andhra Pradesh has been introduced.

B—EDUCATIONAL AND RECREATIONAL FACILITIES

For providing educational and recreational facilities to mica workers and their dependents, Multi-purpose Institutes, each comprising of an Adult Education Centre and Women Welfare Centre are run by the Welfare Organisation. In order to expand the Adult Educational activities, feeder and Adult Educational Centres have also been opened by the Welfare Organisation. The number of institutions providing these facilities are as under :—

Institutions	Andhra Pradesh	Bihar	Rajasthan	Total
(a) Multipurpose Institutes (with an Adult Educational Centre and Women's Welfare Centre).	—	9	—	9
(b) Community Centres	1	7	—	8
(c) Centres of Women	2	—	6	8
(d) Primary/Elementary schools	6	3	2	11
(e) Feeder Centres	—	1	—	1
(f) Middle/High School	2	4	1	7
(g) Adult Educational Centre	1	16*	16	36
(h) Boarding Houses/Hostels for Miner's Children	2	4	1	7
(i) Mobile Cinema Units	1	3	1	5
(j) Radio sets installed in Mica Mining areas	39	16	40	95

*Attached to Multi-purpose Institutes and Community Centres.

(i) The pattern of welfare facilities provided to mica miners in the three Mica producing States is not uniform. In Bihar, Multipurpose institutes, each with an adult education centre and women welfare centre, provide educational and recreational facilities to workers. Training in handicrafts like sewing and knitting is given to women attending these Centres. Every institution serves as a training-cum-production centre. Women workers learn tailoring and stitching in women welfare centres.

So far as Rajasthan is concerned, it has been divided into five Zones and each Zone has been placed under the charge of a Junior Assistant Welfare Inspector. There are a number of sub-Centres under his charge.

The Welfare activities at Zonal headquarters include the following :—

(1) Bath to children of miners

(2) Adult education (both men and women)

(3) Tutorial classes

(4) Indoor games, like carrom board, chess, ludo etc.

(5) Outdoor games, like volley ball, kabadi, rope drawing etc.

(6) Reading room with newspapers, magazine, library books, etc.

The welfare activities at sub-centres are :—

(1) Adult education (only men)

(2) Tutorial classes (only boys)

(3) Indoor games

(4) Newspaper etc.

In Andhra Pradesh the Mica Mines Labour Welfare Organisation has set up two Adult Education Centres for providing educational facilities to the mica miners. The Organisation also provides facilities like Community Centres for labour women, recreational club, etc. In Community Centres tailoring/emboidary, lace work etc. is taught to the women The work of these Centres is supervised by the Assistant Labour Welfare Inspector and the Junior Assistant Labour Welfare Inspector respectively.

(ii) In all the schools run by the Fund in Andhra Pradesh, the children are provided with free mid-day meals, milk, books, slates, bags, chappals and dresses. Milk and tiffin (other than cooked food) are provided to the miners' children attending the multipurpose institutes and community centres in Bihar. Mid-day meals, books and slates and other stationery articles are supplied to the school going children of mica miners in Rajasthan.

(iii) For the benefit of the children of mica workers studying in High Schools far away from their places of residence, Boarding Houses/Hospitals have been set up by the Fund.

(iv) Scholarships are granted to the children of mica miners studying in schools and colleges for prosecution of their studies. In Bihar and Rajasthan scholarships are also granted for general as well as technical education to the miners' children. The scholarships are of the value ranging from Rs. 10 to Rs. 50 per month. Tution fee is also granted to school going children of mica miners in Bihar.

(v) Cinema shows are exhibited throughout the year in the mica mining areas by the Mobile Cinema Units of the Fund. They attract large numbers every where and are very popular among the mica workers.

(vi) Games and sports are held every year in all the three Regions of mica to provide recreation to mica workers. These are very popular among the mica mining population. Prizes are also awarded to the winners.

(viii) Facilities for excursion-cum-study tours are also provided. The travelling expenses of about 150 mica miners (including women and children) from Rajasthan who visited the Third Asian International Trade Fair 1972 at New Delhi was paid by the Organisation. Besides Delhi, they were taken to Agra, Mathura, Vrindavan and Jaipur.

(viii) Kirtan and Bhajan Parties are arranged to go from Centre to Centre and to entertain the workers.

(ix) Radio sets have been provided for the recreation of miners and their families at all the Multipurpose Institutes/ Welfare Centres run by the Fund.

C—DRINKING WATER FACILITIES

Scarcity of adequate water supply to mica workers for drinking and other purposes is a chronic problem in the mica mining areas. The mine managements are persuaded to take up water supply schemes with financial assistance upto 50 per cent of the cost from the Mica Mines Labour Welfare Organisation. The problem at present is being solved mainly by sinking of new wells and renovation of old wells.

In Rajasthan Region one old well was renovated and another new well was sunk. The work in respect of 3 wells was in progress. In Bihar Region no new well or water supply scheme was taken up for execution. However, in this region 74 wells have already been sunk to provide drinking water to the mica miners.

D—HOUSING

In Bihar Region no new houses were constructed during the year. Out of the 56 houses sanctioned under the Low Cost Housing Scheme in Andhra Pradesh Region, 26 houses have already been completed while 16 houses were under construction during the year. Ten houses were also completed under the Departmental Colony Scheme at the Shah Mines in Andhra Pradesh. Ten more houses were under construction. In Rajasthan Region subsidy was sanctioned to 28 workers to build houses under 'Build Your Own House Scheme'.

E—FINANCIAL HELP IN CASE OF FATAL ACCIDENTS

The Scheme relating to the grant of financial assistance from the Fund to the widows and children of mica miners who die as a result of accidents was continued.

F—CONSUMERS' CO-OPERATIVE STORES

A Central Consumers' Co-operative Stores at Karma in Bihar has been functioning to enable the mica mine workers in that State to get their daily necessities at reasonable rates. In the Andhra Pradesh Region, 4 Primary Consumers' Co-operative Stores continued to serve the needs of the mica

mining population. In Rajasthan Region six Consumers' Co-operative Stores had been set up in 1968. Of these only one store at Madhorajpura functioned during the year under report In view of the unsatisfactory functioning of the Co-operatives, no further loans have been advanced to them and efforts are being made to realise the loans already advanced to the defunct stores.

G—IMPORTANT ACTIVITIES DURING THE YEAR 1972-73

These were as follows :—

(i) **Health facilities** :

A 5-Bedded ward was started at each of the dispensaries at Amli and Madhorajpura in Rajasthan on an experimental basis. An X-Ray plant for installation at the Central Hospital, Ganganpur (Rajasthan) and the chasis of an ambulance Van for use at the Hospital were received, during the year.

(ii) **Drinking Water facilities** :

Sanction for an estimated expenditure of Rs. 1.42 lakhs was accorded during the year by the Government of India for laying pipes and construction of over-head tanks for supplying drinking water to the welfare complex at Kalichedu (Andhra Pradesh). In Rajasthan Region, one old well was renovated and another new well was sunk.

(iii) **Housing** :

Ten houses were completed during the year under the Departmental Colony Scheme at the Shah Mines in Andhra Pradesh. In Rajasthan 44 houses were completed under the 'Build Your Own House Scheme'.

PART—II

*Statement of Accounts for the year 1972-73

Receipts :	Rs.
Opening balance as on 1st April, 1972 . .	90,24,466
Receipts during the year 1972-73 . . .	36,79,274
Total	1,27,03,740
Expenditure :	Rs.
Expenditure during the year 1972-73 . . .	46,33,496
Closing balance as on 31st March, 1973.	80,70,244
Total	1,27,03,740

PART –III

*Estimated Receipts and Expenditure for the year 1973-74

	Rs.
Receipts	46,82,000 (R.E.)
Expenditure	32,00,000

[F. No. Z. 16016/2/73-MIII]

B .K. SAKSENA, Under Secretary.

PRINTED BY THE MANAGER GOVT. OF INDIA PRESS, RING ROAD, NEW DELHI,
AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI-110006, 1974